THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 233 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **कार्तिक कृ.14 2080 शनिवार, 11 नवंबर-2023**

प्रधान संपादक – **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

ऐतिहासिक दिवाली

सिर्फ 4 दिन में

10 लाख धन बढ़ेगा

FIXED PRICE

KEDIA सेजस्थान

KOTHI & WALK-UP APARTMENT

अजमेर रोड़, जयपुर

NO MIDDLE-MEN DIRECT TO CUSTOMER

80% SOLD OUT

BOOKING AMOUNT 10%

20% UNITS LEFT

PROPOSED FIXED RATE & RENTAL

बड़ी–बड़ी कोठी बड़े–बड़े फ्लैट		आज की रेट	दिवाली बाद की रेट	पजेशन की रेट	पजेशन के बाद रेंटल
युनिट टाइप	साइज				POSSESSION DEC. 2025
2 BHK (GF) अपार्टमेंट	1350 Sq Ft	49.50 LACS	54 LACS	67.50 LACS	22,000
3 BHK (SF) अपार्टमेंट	1900 Sq Ft	55 LACS	60 LACS	75 LACS	25,000
3 BHK (FF) अपार्टमेंट	1900 Sq Ft	60.50 LACS	66 LACS	82.50 LACS	28,000
3 BHK BIG कोठी	2000 Sq Ft	66 LACS	72 LACS	90 LACS	30,000
4 BHK BIGGER कोठी	2325 Sq Ft	77 LACS	84 LACS	105 LACS	40,000
4 BHK BIGGEST कोठी	3200 Sq Ft	110 LACS	120 LACS	150 LACS	50,000

KEDIA®

1800-120-2323

78770-72737

info@kedia.com

www.kedia.com

www.rera.rajasthan.gov.in

RERA No. RAJ/P/2023/2387

SCAN QR FOR
- LOCATION
- ROUTE MAP
- SITE 360 TOUR
- E-BROCHURE
- WALKTHROUGH

*T&C Apply

आप आग से खेल रहे हो, क्या ऐसे देश का लोकतंत्र बचेगा

पंजाब के राज्यपाल से क्यों नाराज हुए सीजेआई?

नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)। पंजाब सरकार और राज्यपाल के बीच खींचतान मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बड़ी टिप्पणी की है। सुप्रीम कोर्ट ने विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों को मंजूरी देने में देरी को लेकर शुक्रवार को पंजाब के राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित से नाराजगी जताई और सुनवाई के दौरान कहा कि आप आग से खेल रहे हैं। सीजेआई चंद्रचूड़ ने पंजाब राज्यपाल के वकील से पूछा कि अगर विधानसभा का कोई सत्र अवैध घोषित हो भी जाता है तो सदन द्वारा पास किया गया बिल कैसे गैरकानूनी हो जायेगा? वहीं, सुप्रीम कोर्ट में पंजाब सरकार की तरफ से सिंघवी ने कहा कि राज्यपाल के रहते विधानसभा का सत्र बुलाना असंभव सा है। चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा कि क्या राज्यपाल को इस बात का जरा भी अंदेशा है कि वो आग से खेल रहे हैं? अगर राज्यपाल को लगता भी है कि बिल गलत तरीके से पास हुआ है तो उसे विधानसभा अध्यक्ष को वापस भेजना चाहिए। अगर राज्यपाल इसी तरीके से बिल को गैरकानूनी ठहराते रहे तो क्या ऐसे देश का संसदीय लोकतंत्र बचेगा? सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्यपाल राज्य का संवैधानिक मुखिया होता है, लेकिन पंजाब की स्थिति को देखकर लगता है कि सरकार और उनके बीच बड़ा मतभेद है, जो लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपाल के वकील से पूछा कि आप किसी बिल को अनिश्चित काल के लिए नहीं रोक रख सकते हैं। वहीं, सिंघवी ने पंजाब सरकार की तरफ से कहा कि बिल रोकने के बहाने राज्यपाल बदला ले रहे हैं। इस पर चीफ जस्टिस ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि आखिर संविधान में कहां लिखा है कि राज्यपाल स्पीकर द्वारा बुलाए गए विधानसभा सत्र को अवैध करार दे सकते हैं। चीफ जस्टिस ने कहा कि मेरे सामने राज्यपाल के लिखे दो पत्र हैं, जिनमें उन्होंने सरकार को कहा कि चूंकि विधानसभा का सत्र ही वैध तो वो बिल पर अपनी मंजूरी नहीं दे सकते हैं।

राज्यपाल ने ये कहा कि वो इस विवाद पर कानूनी सलाह ले रहे हैं, हमें कानून के मुताबिक ही चलना होगा। केंद्र सरकार की तरफ से कहा गया कि राज्यपाल का पत्र आखिरी फैसला नहीं हो सकता है। केंद्र सरकार इस विवाद को सुलझाने के लिए रास्ता निकाल रही है।

बीएसएफ को मिली बड़ी सफलता, बांग्लादेश सीमा पर अपराध और पशु तस्करी पर लगेगी लगाम

कोलकाता, 10 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय सीमा सुरक्षा बल को सीमा पार अपराध से निपटने में एक बड़ी सफलता मिली है। दरअसल बीएसएफ ने रात में ड्रोन की मदद से बांग्लादेश सीमा पर पशु तस्करों के चंगुल से तीन पशुओं को छुड़ाने में सफलता हासिल की है। पशु तस्करों की चाल का ड्रोन के नाइट विजन कैमरे की मदद से भंडाफोड़ किया गया। बता दें कि भारत-नेपाल सीमा बीएसएफ की नॉर्थ बंगाल फ्रंटियर के जवानों ने सफलतापूर्वक एक अहम ऑपरेशन को अंजाम दिया। दरअसल बीएसएफ जवानों ने ड्रोन के नाइट विजन कैमरे से अपराधियों की पहचान की और फिर उनके चंगुल से तीन पशुओं को बचाया।

'पाक में जाकर पूछेंगे कि शिवसेना किसकी '

संजय राउत ने चुनाव आयोग पर साधा निशाना'

मुंबई, 10 नवंबर (एजेंसियां)। शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने एक बार फिर से चुनाव आयोग और बीजेपी पर निशाना साधा है। राउत ने शिवेसना के टूटने और फिर पार्टी के निशान के हुए बंटवारे को लेकर चुनाव आयोग के साथ-साथ बीजेपी पर हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि अगर आप पाकिस्तान में जाकर भी किसी से पूछेंगे कि शिवसेना किसकी है, तो लोग बोलेंगे की बाला साहेब ठाकरे की। मगर चुनाव आयोग को ये बात मालूम नहीं है। राउत ने कहा कि चुनाव आयोग पर अब भरोसा नहीं है। वह केंद्र सरकार की तोता हो गई है। उन्होंने बीजेपी पर हमला बोलते हुए कहा कि बीजेपी स्वार्थी पार्टी हो गई है। बीजेपी चीन और मणिपुर पर बात नहीं करती है, मगर सिर्फ सेल्फी लेती रहती है। पांच राज्यों में हो रहे विधानसभा चुनाव को लेकर राउत ने कहा कि बीजेपी को इन चुनावों में पांचों ही राज्यों में हार का मुंह देखना पड़ेगा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के बंटवारे पर बात करते हुए कहा कि ये शरद पवार की पार्टी है।

फरवरी में मिला था दोनों धड़ों को अलग चुनाव चिह्न

दरअसल, पिछले साल शिवसेना में बगावत हुई, जिसके बाद पार्टी दो धड़ों में बंट गई। इसमें से एक धड़ा उद्धव ठाकरे के साथ था, जबकि दूसरा एकनाथ शिंदे के साथ। इसके बाद पार्टी पर अधिकार का मामला चुनाव आयोग गया। जहां इस साल फरवरी में चुनाव आयोग ने पार्टी का नाम 'शिवसेना' और पार्टी का चुनावी चिह्न 'तीर-कमान' एकनाथ शिंदे गुट को दिया। अब इस गुट को 'बाला साहेब की शिवसेना' के तौर पर जाना जाता है। वहीं, उद्धव ठाकरे वाले गुट को 'शिवसेना (यूबीटी)' के तौर पर जाना जाता है। इस पार्टी का निशान जलती हुई मशाल है। चुनाव आयोग ने कहा था कि शिंदु गुट को 2019 विधानसभा चुनाव में जीतकर आए उन विधायकों का समर्थन है, जिनके पास चुनाव में पार्टी के कुल वोट शेयर का 76 फीसदी है।

सुप्रीम कोर्ट में आकर बोला शख्स-हिंदू धर्म की 'सुरक्षा' हो निर्देश दीजिए, जज साहब ने लगा दी क्लास

नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को उस याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया, जिसमें भारत में हिंदू धर्म की "सुरक्षा" के लिए दिशानिर्देश बनाने के लिए केंद्र को निर्देश देने की मांग की गई थी। न्यायमूर्ति संजय किशन कौल की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि शीर्ष अदालत इस तरह की प्रार्थना वाली याचिका पर विचार करने की इच्छुक नहीं है। शीर्ष अदालत ने उस याचिका में की गई प्रार्थना का जिक्र किया, जिसमें भारत सरकार के अधिकारियों को यहां हिंदू धर्म की सुरक्षा के लिए दिशानिर्देश बनाने का निर्देश देने की मांग की गई थी। पीठ ने कहा,

"कोई कहेगा कि भारत में इस्लाम की रक्षा करो। कोई कहेगा कि भारत में ईसाई धर्म की रक्षा करो।" यह उत्तर प्रदेश स्थित एक व्यक्ति द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जो अपने मामले पर बहस करने के लिए व्यक्तिगत रूप से उपस्थित हुआ था। जब याचिकाकर्ता ने शैक्षिक पाठ्यक्रम का हवाला दिया, तो पीठ ने कहा कि पाठ्यक्रम निर्धारित करना सरकार का काम है। पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता यह नहीं कह सकता कि वह जो चाहता है वह दूसरों को करना चाहिए। शीर्ष अदालत ने याचिका खारिज करते हुए कहा, "आपने कुछ किया, आपने कुछ बनाया, आप इसका प्रचार कर सकते हैं। आपको कोई नहीं रोक रहा है, लेकिन आप यह नहीं कह सकते कि हर किसी को ऐसा करना चाहिए।"

दिल्ली सरकार ने ऑड-ईवन को बताया सही

सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर कर कही ये बातें

नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली सरकार ने ऑड-ईवन को सही बताते हुए सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर किया है। सरकार ने एक वैज्ञानिक अध्ययन का हवाला देते हुए कहा कि इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। सरकार ने बताया कि इससे सड़कों पर भीड़भाड़ कम हुई है। सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि ऑर्ड-ईवन स्कीम से ईंधन की खपत में 15% की कमी आई है। ऑड-ईवन के दौरान सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल बढ़ा है। इस मामले में आज यानी शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट सुनवाई करेगा। दिल्ली सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि डीआईएमटीएस रिपोर्ट के निष्कर्षों ने मोटे तौर पर वाहनों द्वारा योगदान किए गए वायु प्रदूषण में कमी के सकारात्मक प्रभाव का संकेत दिया, इसके अलावा दिल्ली की सड़कों पर भीड़ में कमी के साथ-साथ ऑड-ईवन ड्राइव की अवधि के दौरान सार्वजनिक परिवहन की हिस्सेदारी में वृद्धि हुई। सुप्रीम कोर्ट की ओर ऑड-ईवन पर सवाल उठाए गए थे। सुप्रीम कोर्ट ने ऑड-ईवन को दिखावा बताया था। प्रदूषण पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने इस फॉर्मूले को लेकर सवाल किया। मामले की सुनवाई कर रहे जस्टिस संजय किशन कौल ने ऑड-ईवन को अवैज्ञानिक करार दिया। जस्टिस कौल ने दिल्ली सरकार से कहा, 'आप पहले भी ऑड ईवन सिस्टम ला चुके हैं, क्या यह सफल हुआ है, यह सब सिर्फ दिखाने के लिए है।'

दिल्ली में लागू ऑड-ईवन क्या है?

दिल्ली-एनसीआर में बढ़े प्रदूषण के बीच सोमवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने उच्च स्तरीय बैठक की थी। बैठक में निर्णय लिया गया कि राजधानी में ऑड-ईवन लागू होगा। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने जानकारी दी कि 13 से 20 नवंबर के बीच इसे लागू किया जाएगा। बता दें कि ऑड-ईवन यातायात नियम एक ऐसी प्रणाली है, जिसके तहत ऑड नंबर (1,3,5,7,9) पर खत्म होने वाले पंजीकरण संख्या वाले वाहनों को सप्ताह के ऑड दिनों (13, 15, 17 और 19 नवंबर) पर चलने की अनुमति होती है। ईवन नंबर (0,2,4,6,8) पर समाप्त होने वाली पंजीकरण संख्या वाले वाहनों को सप्ताह के अन्य वैकल्पिक दिनों (नवंबर 14, 16, 18 और 20) में सड़कों पर चलने की अनुमति है।

पहले कब-कब इसे लागू किया गया है?

पिछले कुछ वर्षों में साल के अंत में देश की राजधानी दिल्ली गैस चैंबर बनती रही है। ऐसे समय में दिल्लीवासियों की सांसों पर संकट आता है। राजधानी में पहली बार जनवरी 2016 में और फिर अप्रैल 2016 में अरविंद केजरीवाल वाली आप सरकार ने इस फॉर्मूले को लागू किया था। तब ऑड-ईवन वाहनों से होने वाले प्रदूषण और पार्टिकुलेट मैटर (पीएम) के बढ़ते स्तर को काबू पाने के लिए क्रियान्वित किया गया था। इसके बाद 2017 और 2019 में भी दिल्ली में ऑड-ईवन नियम लागू किया गया था।

विधायक प्रत्याशी के जिला बदर के आदेश पर रोक

हाईकोर्ट ने 20 नवंबर तक अपील पेश करने की दी छूट

जबलपुर, 10 नवंबर (एजेंसियां)। मप्र हाईकोर्ट ने रीवा के त्यौंथर विधानसभा सीट से विंध्य पार्टी के प्रत्याशी अरुण कुमार गौतम के खिलाफ जारी जिला बदर के आदेश पर 20 नवंबर तक रोक लगा दी। जस्टिस विवेक अग्रवाल की एकलपीठ ने याचिकाकर्ता को 20 नवंबर के बाद जिला दंडाधिकारी के आदेश के खिलाफ अपील पेश करने की स्वतंत्रता दी है। एकलपीठ ने संभागायुक्त को अपील पर सुनवाई के बाद निराकरण करने के निर्देश दिये हैं। रीवा निवासी अरुण गौतम की ओर से यह मामला दायर किया गया है। जिसमें आरोप है जिला दंडाधिकारी सत्ताधारी दल के पक्ष में काम कर रहे हैं और प्रत्याशी को चुनाव लडने से रोकने का प्रयास किया जा रहा है। आवेदक की ओर से बताया गया कि कई साल पुराने मामले में पुलिस अधीक्षक ने 19 अक्टूबर को कलेक्टर को रिपोर्ट सौंपी। जिला दंडाधिकारी ने 26 अक्टूबर को याचिकाकर्ता को नोटिस जारी किया। याचिकाकर्ता 3 नवंबर को जिला दंडाधिकारी की कोर्ट में हाजिर हुए और आपत्ति प्रस्तुत की। इससे पहले उन्होंने पुलिस अधीक्षक की रिपोर्ट मांगी, जो उन्हें उपलब्ध नहीं कराई गई। वहीं, शासन की ओर से बताया गया कि 7 नवंबर को जिला बदर का आदेश जारी किया गया। जिस पर न्यायालय ने रिकॉर्ड मांगा तो कहा गया कि रिकार्ड बुलवाना पड़ेगा। जिस पर न्यायालय ने जिला बदर के आदेश पर रोक लगा दी।

गुरुग्राम: चिंटल्स पैराडिसो के टावर डी के चार छज्जे ढहे, कोई हताहत नहीं

गुरुग्राम, 10 नवंबर (एजेंसियां)। गुरुग्राम में चिंटल्स पैराडिसो सोसाइटी के टावर डी के चार छज्जे बृहस्पतिवार रात को ढह गए। आवासीय परिसर के अध्यक्ष ने यह दावा किया। इस हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ, क्योंकि इमारत खाली थी और पिछले साल फरवरी में इसकी छह मंजिलों के आंशिक रूप से ढहने के कारण इसके आस-पास के इलाके की घेराबंदी कर दी गई थी। दिल्ली स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान की संरचनात्मक लेखा परीक्षा रिपोर्ट में सेक्टर 109 में स्थित इस सोसायटी के टावर डी, ई, एफ, जी और एच को रहने के लिए असुरक्षित घोषित किया गया था।

'जहां बीजेपी की सरकार, वहां युवा बेरोजगार', सतना में राहुल गांधी का पीएम मोदी पर हमला

सतना, 10 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने मध्यप्रदेश में एक रैली में एक बार फिर बीजेपी पर निशाना साधते हुए युवाओं की बेरोजगारी का मुद्दा उठाया है। सतना में एक जनसभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि जिस भी राज्य में बीजेपी की सरकार है, वहां के युवाओं के सामने बेरोजगारी की गंभीर समस्या है। राहुल गांधी ने इस दौरान भारत जोड़ो यात्रा का जिक्र करते हुए कहा कि उस दौरान मैं जिस भी राज्य से होकर गुजरा, वहां के युवाओं ने मुझसे सबसे ज्यादा रोजगार को लेकर अपनी चिंता प्रकट की। राहुल गांधी ने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा के दौरान मैं युवाओं से पूछता था कि आपने क्या पढ़ाई की है और क्या कर रहे हो? तो वे कहते थे- इंजीनियरिंग की है, मेडिकल किया है, लीगल स्ट्डीज की है, लेकिन बेरोजगार हैं। राहुल गांधी ने कहा कि ये युवा देश के निर्माण में, विकास में अपना योगदान देना चाहते हैं लेकिन इन्हें रोजगार नहीं मिल पा रहा है।

'मध्य प्रदेश में भी काबिल युवा बेरोजगार हैं'

राहुल गांधी ने कहा कि मध्य प्रदेश में भी ऊर्जावान, काबिल युवा हैं लेकिन उनके पास रोजगार नहीं हैं। इसी दौरान उन्होंने वादा किया कि प्रदेश में अगर कांग्रेस की सरकार बनी तो यहां के युवाओं को रोजगार देने का काम किया जाएगा। उन्होंने कहा हमारी पार्टी ने इससे पहले छत्तीसगढ़, हिमाचल, कर्नाटक में जो-जो वादे किये थे, उन सबको पूरा किया गया। इसी के साथ उन्होंने जाति जनगणना, ओबीसी के मुद्द के साथ-साथ मध्य प्रदेश में किसानों, मजदूरों, छोटे व्यापारियों की नींव मजबूत करने का वादा किया।

'मोदी सरकार ने छोटे व्यापारियों को खत्म किया'

राहुल गांधी ने इस दौरान कहा कि कांग्रेस की सरकार मतलब ग़रीबों की सरकार और बीजेपी की सरकार मतलब बड़े उद्योगपतियों की सरकार। राहुल गांधी ने इसी के साथ कहा कि बड़े उद्योगपति रोजगार नहीं देते हैं। जो छोटे व्यापारी हैं वे ये रोजगार प्रदान करते रहे हैं लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने देश के छोटे व्यावसाइयों की ग्रोथ को रोक दिया। राहुल गांधी ने कहा कि नोटबंदी और जीएसटी ने आज छोटे व्यापारियों और किसानों को बदहाल कर दिया।

'सरकार जीएसटी कलेक्ट कर उद्योगपतियों को दे देती है'

उन्होंने कहा कि जीएसटी देश में केवल गरीब वर्ग के लोग दे रहे हैं और ये गरीब वर्ग ओबीसी, दलित और सामान्यवर्ग के कमजोर लोग हैं। राहुल गांधी ने कहा कि केंद्र की बीजेपी सरकार इन गरीबों से जीएसटी लेती है और बैंक के माध्यम से उन पैसों को देश के तीन-चार उद्योगपतियों को पकड़ा देती है। राहुल गांधी ने कहा कि आज की सरकार ने नोटबंदी और जीएसटी के माध्यम से छोटे और मध्यम व्यवसायों पर हमला करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि जीएसटी कोई टैक्स नहीं है। यह किसानों, छोटे व्यापारियों और कारोबारियों पर हमला है। यह छोटे व्यापारियों को खत्म करने का हथियार है।

त्रिशूर में भीषण सड़क हादसा

7 लोग गंभीर रूप से घायल; कार काटकर बचाई गई ड्राइवर की जान

त्रिशूर, 10 नवंबर (एजेंसियां)। केरल के त्रिशूर में शुक्रवार की रात एक सड़क हादसा हो गया। पुलिस ने बताया कि इस हादसे में सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया जा रहा है कि जिस कार से यात्रा कर रहे थे, वह यहां वदनप्पल्ली के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे के तुरंत बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। मौके पर लोगों ने सभी पीड़ितों को रेस्क्यू किया और पुलिस को घटना की जानकारी दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने बताया कि कार तिरुवनंतपुरम से आ रही थी और यात्री गुरुवायूर मंदिर के दर्शन करने वाले तीर्थयात्री थे। हादसा सुबह करीब साढ़े तीन बजे हुआ। पुलिस के मुताबिक, ऐसा प्रतीत होता है कि ड्राइवर गाड़ी चलाते समय सो गया था, जिस कारण उसका संतुलन बिगड़ गया और गाड़ी हादसे का शिकार हो गई।

कार को काटकर बचाई चालक की जान

पुलिस ने कहा, कार विपरीत लेन में चली गई और एक राष्ट्रीय परमिट लॉरी से टकरा गई। घायल यात्रियों को नजदीकी अस्पतालों में ले जाया गया है और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। पुलिस ने कहा कि अग्निशमन सेवा के अधिकारियों को चालक को बचाने के लिए क्षतिग्रस्त कार को काटना पड़ा।

नितिन गडकरी से 100 करोड़ रुपये का हफ्ता मांगने वाला आतंकवादी बेलगांव जेल रवाना, जरूरत पड़ने पर फिर होगी पूछताछ

नागपुर, 10 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के जनसंपर्क कार्यालय में फोन कर 100 करोड़ रुपये का हफ्ता मांगने वाला आतंकवादी जयेश पुजारी उर्फ शाकिर की फिर से बेलगांव जेल रवानगी की गई। आरोपी जयेश काफी दिनों से बेलगांव लौटने का प्रयास कर रहा था। उसने एक बार लोहे की तार गटकने की भी कोशिश की थी।

आतंकवादी संगठनों से जुड़े तार

बता दें कि जयेश लश्कर-ए-तोएबा, हिजबुल मुजाहिदीन और पीएफआई सहित अनेक आतंकवादी संगठनों से जुड़ा है। 14 जनवरी और 21 मार्च को उसने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के नागपुर स्थित जनसंपर्क कार्यालय में फोन कर हफ्ता मांगा था। अगर पैसे नहीं दिए तो गडकरी को जान से मारने की धमकी दी थी। उसने कर्नाटक की जेल में रहते हुए गडकरी के कार्यालय में फोन किया था। 28 मार्च को नागपुर पुलिस ने उसे प्रोडक्शन वारंट पर बेलगाव की जेल से हिरासत में लिया। पुलिस की जांच में देश के आतंकवादी संगठन से जुड़े होने का पता लगा।

यूएपीए के तहत मामला दर्ज

जयेश द्वारा आतंकवादी संगठनों की मदद और आतंकवादी घटनाओं को अंजाम दिए जाने के खुलासा हुए हैं। इसके बाद उसके खिलाफ यूएपीए के तहत दो मामले दर्ज किए गए थे। जयेश को नागपुर मध्यवर्ती जेल में रखा गया था। कर्नाटक में उसके खिलाफ अनेक मामले दर्ज होने से कर्नाटक पुलिस भी जांच कर रही है। उसके खिलाफ कर्नाटक में दो फौजदारी के मामले लंबित थे। इसके चलते कर्नाटक मामले की जांच और न्यायालय प्रक्रिया के लिए जयेश को दोबारा बेलगांव जेल में भेजा गया।

कर्नाटक लौटने की लगाई थी गुहार

प्राप्त जानकारी के अनुसार जयेश पुजारी को मार्च महीने में विमान से नागपुर लाया गया था। अब उसे विशेष दस्ता वापस भी विमान से लेकर गया है। जयेश ने कर्नाटक लौटने के लिए कोर्ट में गुहार लगाई थी। नागपुर के पुलिस कमिश्नर अमितेश कुमार ने बताया कि जयेश के खिलाफ कर्नाटक में भी अनेक मामले चल रहे हैं। जरूरत पड़ने पर फिर उसे यहां लाया जाएगा या वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से उसकी पूछताछ की जाएगी। उन्होंने कहा कि चार्जशीट पेश कर दी गई है।

मुंबई में महिला ने सड़क पर दिया बच्चे को जन्म

मुंबई, 10 नवंबर (एजेंसियां)। शहर के कुर्ला इलाके में एक महिला ने सड़क पर बच्चे को जन्म दिया। मामले की सूचना मिलते ही मौके पर निर्भया पथक की टीम पहुंची। टीम ने महिला और नवजात बच्चे को हन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) के अस्पताल में भर्ती कराया। फिलहाल महिला और बच्चा दोनों स्वस्थ हैं। मुंबई के वी।बी नगर पुलिस स्टेशन के अधिकारी ने बताया कि गुरुवार को उन्हें एक कॉल आई। बताया गया कि कमानी जंक्शन पर फायर ब्रिगेड के पास फुटपाथ पर एक महिला ने बच्चे को जन्म दिया है। महिला का नाम सुवर्णा मिर्गल (30 साल) बताया गया। बच्चे को जन्म देने के बाद महिला बेहोश हो गई। आगे उन्होंने बताया कि मामले की जानकारी मिलते ही मौके पर निर्भया पथक की टीम पहुंची। निर्भया पथक की टीम महिला और नवजात शिशु को पास के बीएमसी के एक अस्पताल में ले गई। यहां जाने के बाद मां और बच्चा दोनों ही स्वस्थ बताए जा रहे हैं।

मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे को हाई कोर्ट से मिली बड़ी राहत

2010 में दर्ज हुई सभी प्राथमिकी रद्द

मुंबई, 10 नवंबर (एजेंसियां)। बम्बई उच्च न्यायालय ने 2010 में निकाय चुनाव से पहले आचार संहिता के कथित उल्लंघन के लिए महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी और उसके बाद शुरू हुई आपराधिक कार्यवाही को शुक्रवार को रद्द कर दिया। न्यायमूर्ति अजय गडकरी और न्यायमूर्ति शर्मिला देशमुख की खंडपीठ ने प्राथमिकी के खिलाफ मनसे प्रमुख की 2014 में दाखिल याचिका को मंजूरी दे दी थी।

क्या है पूरा मामला?

प्राथमिकी में राज्य चुनाव आयोग (एसईसी) के एक परिपत्र के हवाले से बताया गया कि चुनाव प्रचार के लिए ठाकरे ने मुंबई के बाहरी इलाके कल्याण और डोंबिवली क्षेत्र का दौरा किया, जिसका कार्य 29 सितंबर, 2010 तक पूरा किया जाना था। प्राथमिकी के मुताबिक, पुलिस उपायुक्त ने ठाकरे को एक नोटिस जारी किया, जिसमें उन्हें उस वर्ष 29 सितंबर को रात 10 बजे के बाद कल्याण-डोंबिवली नगर निगम (केडीएमसी) की सीमा के भीतर मौजूद नहीं रहने के लिए कहा गया था।

अभियोजन पक्ष का आरोप

इसमें जिक्र है कि नोटिस के अनुसार, ठाकरे को किसी भी राजनीतिक दल के कार्यालय, आवास, होटल, लॉज या गेस्ट हाउस में नहीं जाने के लिए कहा गया। साथ ही यह भी उन्हें बताया गया कि इस व्यवस्था का उल्लंघन करने पर उन्हें जन प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 126 के तहत मुकदमे का सामना करना पड़ सकता है। प्राथमिकी के मुताबिक, अभियोजन पक्ष ने आरोप लगाया कि ठाकरे तय समय के बाद भी केडीएमसी क्षेत्र के भीतर एक घर में रुके और जब पुलिस के एक वरिष्ठ निरीक्षक मनसे प्रमुख को नोटिस देने के लिए उनके पास गए तो उन्होंने उसे स्वीकार करने से इनकार कर दिया।

किन धाराओं में दर्ज हुआ था केस

प्राथमिकी के मुताबिक, इसके बाद संबंधित स्थान पर नोटिस चस्पां कर दिया गया। प्राथमिकी के मुताबिक, नोटिस के उल्लंघन के लिए भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 188 (लोक सेवक द्वारा दिए गए आदेश की अवज्ञा) के तहत ठाकरे के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। अदालत के दस्तावेजों के अनुसार, जांच पूरी होने के बाद कल्याण में न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष मामले में आरोपपत्र दाखिल किया गया। मजिस्ट्रेट ने इस पर संज्ञान लिया और दस जनवरी को ठाकरे को समन जारी किया। प्राथमिकी में बताया गया कि उसके बाद ठाकरे अदालत में पेश हुए और जमानत मांगी, जिसे उसी दिन मंजूर कर लिया गया। ठाकरे ने 2014 में प्राथमिकी रद्द कराने के लिए उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। उच्च न्यायालय ने 27 अप्रैल, 2015 को उनकी याचिका लंबित रहने तक कार्यवाही पर रोक लगा दी। ठाकरे के वकील सयाजी नांगरे ने बताया कि आईपीसी की धारा 188 एक संज्ञेय अपराध है इसलिए कार्यवाही प्राथमिकी के माध्यम से नहीं, बल्कि मजिस्ट्रेट के समक्ष शिकायत के माध्यम से शुरू होती है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 233 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) कार्तिक कृ.14 2080 शनिवार, 11 नवंबर-2023

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

एथिक्स कमेटी ने लोकसभा अध्यक्ष को रिपोर्ट भेजी

महुआ मोइत्रा का अकाउंट विदेश से 47 बार लॉगिन हुआ

नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)। संसद में पैसे लेकर सवाल पूछने (कैश फॉर क्वेरी) के मामले की जांच कर रही लोकसभा की एथिक्स कमेटी ने 10 नवंबर को अपनी रिपोर्ट लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला को भेज दी। मीडिया रिपोर्ट्स में इसकी पुष्टि की गई है। रिपोर्ट में लिखा है, महुआ मोइत्रा का अकाउंट विदेश से 47 बार लॉगिन हुआ। टीएमसी सांसद की ओर से संसद में पूछे गए 61 सवालों में से 50 सवाल बिजनेमसमैन दर्शन हीरानंदानी की पसंद के थे। अब यह रिपोर्ट 4 दिसंबर से शुरू हो रहे संसद के विंटर सेशन में लोकसभा में पेश की जाएगी। इसमें महुआ के निष्कासन की सिफारिश को लेकर वोटिंग हो सकती है।

भाजपा सांसद विनोद कुमार सोनकर की अध्यक्षता में कमेटी ने गुरुवार (9 नवंबर) को बैठक की और 479 पन्नों की रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया। लोकसभा की एथिक्स कमेटी की निचले सदन के किसी सांसद के खिलाफ की गई यह पहली कार्रवाई है।

सोनकर के मुताबिक, महुआ को 6:4 के बहुमत से आईडी लॉगिन आईडी और पासवर्ड दूसरों के साथ साझा करने के अनैतिक आचरण का दोषी पाया गया। कमेटी के 10 में से 6 मेंबर्स ने महुआ को लोकसभा से निष्कासित करने के पक्ष में वोट दिया था।

4 मेंबर्स ने विपक्ष में वोट डाला था। कमेटी के जिन 4 सदस्यों ने महुआ के निष्कासन का विरोध किया था, उन्होंने रिपोर्ट को पूर्वाग्रह से ग्रस्त और गलत बताया। उन्होंने कहा था कि दर्शन हीरानंदानी को पैनल के सामने पेश होने का मौका नहीं दिया गया। दर्शन सिर्फ हलफनामा ही दाखिल कर पाए हैं।

रिपोर्ट में क्या-क्या है...

महुआ मोइत्रा का अकाउंट जुलाई 2019 से अप्रैल 2023 के बीच यूएई से 47 बार ऑपरेट हुआ था। इस दौरान 2019 से सितंबर 2023 के बीच वह सिर्फ चार बार यूएई गई थीं। सूत्रों ने बताया कि एक ही आईपी एड्रेस से किसी ने 47 बार लॉग इन किया है। महुआ मोइत्रा द्वारा पूछे गए 61 सवालों में से 50 सवाल बिजनेमसमैन दर्शन हीरानंदानी की पसंद के थे। दर्शन हीरानंदानी विदेश में रहते हैं, आचार समिति ने बताया है कि पासवर्ड शेयर करने से गुप्त जानकारी विदेशी एजेंसियों के हाथ लग सकती है।

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा

इंफाल, 10 नवंबर (एजेंसियां)। हिंसाग्रस्त मणिपुर में शुक्रवार को एक बार फिर से हिंसा भड़क उठी। शुक्रवार सुबह चुराचांदपुर, बिष्णुपर और काकचिंग जिले की सीमा पर कुकी और संदिग्ध मैतेई बदमाशों वॉलंटियरों के बीच भीषण गोलीबारी की खबर है। हालांकि, अभी तक किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं है।

सुरक्षाबलों को इस मुठभेड़ को लेकर सतर्क कर दिया गया है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, चुराचांदपुर, काकचिंग और बिष्णुपुर जिलों की सीमा पर स्थित सामान्य क्षेत्र लीसेंटमपाक तांगजेंग लाइकोन में भीषण गोलीबारी हुई। बताया गया है कि शुक्रवार सुबह करीब आठ बजे लिसांटमपाक-तांगजेंग लाइकोन सामान्य क्षेत्र जो कि चुराचांदपुर-काकचिंग और बिष्णुपुर जिलों की सीमा पर है, संदिग्ध मैतेई बदमाशों और कुकी बदमाशों के बीच भारी गोलीबारी शुरू हुई।

सामान्य क्षेत्र में तैनात सुरक्षा बलों को सतर्क कर दिया गया है। जानकारी मिली है कि सुरक्षाबलों ने स्थिति का जायजा लिया। यह गोलीबारी सुबह करीब नौ बजे रूकी।

संजय सिंह की ज्यूडिशियल कस्टडी 24 नवंबर तक बढ़ी

कोर्ट के बाहर बोले- केजरीवाल के साथ बड़ी घटना को अंजाम देने की तैयारी

नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली शराब घोटाला केस में आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सांसद संजय सिंह की ज्यूडिशियल कस्टडी 24 नवंबर तक बढ़ गई है। दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में शुक्रवार (10 नवंबर) को उन्हें पेश किया गया था।

कोर्ट से बाहर निकलते हुए संजय सिंह ने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को फंसाने की साजिश हो रही है। उन्हें गिरफ्तार नहीं किया जाएगा। केजरीवाल के साथ कोई बड़ी घटना को अंजाम देने की तैयारी चल रही है।

दिल्ली शराब घोटाला केस में ईडी ने संजय सिंह को 4 अक्टूबर को अरेस्ट किया था। वे पिछले 38 दिन से हिरासत में हैं। उन्हें 5 अक्टूबर को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें 10 अक्टूबर तक रिमांड पर भेजा गया था। 10 अक्टूबर को संजय सिंह की रिमांड और 3 दिन के लिए बढ़ा दी गई। फिर 13 अक्टूबर को कोर्ट ने उन्हें 27 अक्टूबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। इसके बाद उनकी ज्यूडिशियल कस्टडी 10 नवंबर तक बढ़ा दी गई थी।

मानहानि केस में संजय सिंह को पंजाब ले जाने की इजाजत

राउज एवेन्यू कोर्ट ने एक मानहानि केस में संजय सिंह को पंजाब के अमृतसर कोर्ट में पेश करने की इजाजत भी दी है। पंजाब पुलिस ने कोर्ट में प्रोडक्शन वारंट दाखिल किया था। साथ ही कोर्ट ने संजय सिंह को विकास कार्य से जुड़े दो डॉक्यूमेंट्स पर साइन करने की अनुमति दी। संजय सिंह ने दिल्ली हाईकोर्ट से गिरफ्तारी और ईडी रिमांड को चुनौती देने वाली याचिका खारिज होने के बाद 3 नवंबर को हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई है।

श्रीरंगपट्टनम में धारा 144 लागू

टीपू सुल्तान जयंती के मद्देनजर लिया गया फैसला

मांड्या, 10 नवंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक में टीपू सुल्तान जयंती समारोह के मद्देनजर श्रीरंगपट्टनम में निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है। किसी अप्रिय घटना से बचने के लिए एहतियात के तौर पर इस लागू किया गया।

इस संबंध में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, धारा 144 को हर वर्ष की तरह लागू किया गया है। इस पीछे का कारण एक संवेदनशील क्षेत्र का होना है। आदेश सुबह छह बजे से रात 11 बजे तक लागू रहेंगे। इस दौरान जुलूस, विरोध प्रदर्शन और रैलियों पर रोक रहेगी। पुलिस अधिकारी ने मुताबिक, बैनर, लाउडस्पीकर, पटाखे और जीजे के इस्तेमामल पर भी रोक लगा दी गई है।

धारा 144 के संबंध में बोलते हुए वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, इस अवधि के दौरान नारेबाजी, भड़काऊ चित्र, नारे वाली टी-शर्ट पहनने पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है। पुलिस अधिकारी के कहा, कानून और व्यवस्था, सुरक्षा बनाए रखने और सार्वजनिक और सार्वजनिक संपत्ति के जीवन की रक्षा के लिए, एहतियाती उपाय के रूप में निषेधाज्ञा लागू की गई है।

आईपीसी, सीआर.पीसी व साक्ष्य कानून में बदलाव होंगे

नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार आपराधिक और प्रक्रियात्मक कानूनों को बदलने की तैयारी कर रही है। शीतकालीन सत्र चार दिसंबर से शुरू होने वाला है। इससे पहले तीन विधेयकों पर संसदीय समिति की रिपोर्ट राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ को सौंपी गई। बता दें कि शुक्रवार को गृह मामलों की स्थायी समिति के अध्यक्ष बृज लाल ने संसद में धनखड़ से मुलाकात की। उन्होंने उपराष्ट्रपति सचिवालय में धनखड़ को तीनों विधेयकों पर रिपोर्ट सौंपी।

किन अधिनियमों में बदलाव की तैयारी :

बता दें कि सरकार ने ब्रिटिश हुकूमत के दौर में बने कानून- भारतीय दंड संहिता, दंड प्रक्रिया संहिता और साक्ष्य कानून में बदलाव की पहल की है। बीते अगस्त में संसद के मॉनसून सत्र के दौरान गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में भारतीय न्याय संहिता (आईपीसी), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (सीआर.पीसी) और भारतीय साक्ष्य विधेयक पेश किया था। उन्होंने सभापति से विधेयकों में बदलाव की विस्तृत जांच के लिए इसे स्थायी समिति के पास भेजने का आग्रह किया था।

कांग्रेस पर लगातार हमलावर अखिलेश यादव

अब कहा- चुनाव की वजह से कर रहे जातिगत जनगणना की बात

लखनऊ, 10 नवंबर (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव लगातार कांग्रेस और बीजेपी पर हमलावर है। हाल ही में अखिलेश मध्य प्रदेश के छतरपुर पहुंचे, जहां उन्होंने कांगेस और बीजेपी को फिर से आड़े हाथों लिया। उन्होंने दोनों पार्टियों को घेरते हुए कहा कि जातिगत जनगणना का मुद्दा केवल चुनाव के लिए लाया गया है। कांग्रेस ने मंडल आयोग की सिफारिशें लागू नहीं कीं और जाति जनगणना का विरोध किया है। मध्य प्रदेश में 17 नवंबर को चुनाव है। सभी पार्टियां अपनी-अपनी सियासत चमकाने में लगी हैं। सभी पार्टियां जनता का भरोसा जीतने की कोशिशों में लगी हैं, इसलिए हर दिन एमपी की अलग-अलग विधानसभा सीटों पर बड़े सियासी चेहरों का रैला लगा है। हाल ही में अखिलेश यादव मध्य प्रदेश के छतरपुर पहुंचे। मीडिया से बातचीत में अखिलेश ने बीजेपी-कांग्रेस पर चुनाव के कारण जातिगत जनगणना की बात करने का आरोप लगाया।

'कांग्रेस ने कभी नहीं की सामाजिक न्याय की बात'

अखिलेश ने कहा, 'कांग्रेस, जिसने कभी सामाजिक न्याय की बात नहीं की, आज ऐसा कर रही है। मंडल आयोग की सिफारिशें किसने रोकीं? कांग्रेस ने। जाति जनगणना किसने रोकी? कांग्रेस ने। हमारा मानना है कि, सामाजिक न्याय तभी मिलेगा जब जाति जनगणना होगी और सभी को उनकी आबादी के अनुपात में अधिकार और सम्मान मिलेगा। तभी बाबासाहेब आंबेडकर का सपना पूरा होगा।'

'कर्ज के बोझ तले दबा है मध्य प्रदेश'

सपा मुखिया ने कहा कि मध्य प्रदेश कर्ज में पूरी तरह से डूबा हुआ है, इसकी जिम्मेदार बीजेपी की 'डबल इंजन सरकार' है। बीजेपी के कारण राज्य की अर्थव्यवस्था चरमरा गई है। एमपी में कई सालों से सत्ता में रही बीजेपी, राज्य की अनिश्चित आर्थिक स्थिति के लिए जिम्मेदार है। हालांकि, गरीबों को सुविधाएं देने के लिए अगर कर्ज लेना पड़े तो इससे पीछे नहीं हटना चाहिए। नीतीश कुमार के अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने के सवाल पर अखिलेश ने कहा कि नीतीश कुमार ने लोगों से माफी मांग ली है, इसलिए अब इस बात पर चर्चा नहीं होनी चाहिए।

इंडिया गठबंधन का हिस्सा है सपा-कांग्रेस

आपको बता दें, अखिलेश यादव लगातार बीजेपी पर तो हमलावर हैं ही, लेकिन कांग्रेस पर भी हमला करने का एक भी बहाना नहीं छोड़ते। ऐसे में सबकी नजरें इस बात पर टिकी हैं, कि इंडिया गठबंधन में एक मंच पर साथ दिखने वाले विपक्ष में मची इस जूतमपैजार का असर आने वाले लोकसभा चुनाव पर पड़ता है या नहीं।

आजम खां के स्कूल को सील करने पहुंची प्रशासन की टीम

छात्राओं की छुट्टी, सामान की शिफ्टिंग शुरू

रामपुर, 10 नवंबर (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के नेता आजम खां के कब्जे से शिक्षा विभाग की जमीन को मुक्त कराने की मोहलत गुरुवार को खत्म हो गई। स्कूल की ओर से मोहलत की अवधि बढ़ाए जाने की मांग की गई लेकिन प्रशासन ने इनकार कर दिया। इसके बाद रामपुर पब्लिक स्कूल (आरपीएस) का फर्नीचर और अन्य सामान हटाए जाने का कार्य किया गया। शुक्रवार को स्कूल को सील करने के लिए प्रशासनिक टीम मौके पर पहुंची। इसके बाद स्कूली छात्राओं को छुट्टी दे दी गई। बृहस्पतिवार को दोपहर बाद जिला विद्यालय निरीक्षक और बीएसए आरपीएस पहुंचे और स्कूल के सामान की शिफ्टिंग का जायजा लिया। प्रदेश कैबिनेट की 31 अक्तूबर को हुई बैठक में जौहर ट्रस्ट को 30 साल की लीज पर आवंटित शिक्षा विभाग की 41181 वर्ग फुट की जमीन की लीज को खारिज कर दिया था। कैबिनेट से इस फैसले का प्रस्ताव पारित होने के बाद अब इस संबंध में पिछले सप्ताह विस्तृत आदेश जारी कर दिया था। अपर मुख्य सचिव के आदेश के बाद जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मांदड़ ने मुख्य विकास अधिकारी नंद किशोर कलाल की अध्यक्षता में कमेटी गठित की थी, जिसके बाद जिला विद्यालय निरीक्षक मुन्ने अली ने जौहर शोध संस्थान के प्रबंधक को दो नंबबर को नोटिस भी जारी कर दिया था। नोटिस में सात दिन का समय दिया गया था। नोटिस की अवधि बृहस्पतिवार को पूरी हो गई। बृहस्पतिवार की दोपहर जिला विद्यालय निरीक्षक मुन्ने अली और जिला बेसिक शिक्षाधिकारी संजीव कुमार स्कूल पहुंचे, जहां वह करीब घंटे भर तक स्कूल में रहे। इस दौरान उन्होंने रामपुर पब्लिक स्कूल की शिफ्टिंग के काम का जायजा लिया। नोटिस की अवधि पूरी हो जाने के बाद अब प्रशासन किसी भी वक्त स्कूल की बिल्डिंग पर अपना ताला लगा सकता है।

क्या है मामला

सपा सरकार में आजम खां के मौलाना मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट को शिक्षा विभाग की 41181 वर्ग फुट जमीन 30 साल की लीज पर दी गई थी, जिसके बाद यहां से जिला विद्यालय निरीक्षक के दफ्तर को खाली कराया गया था और फिर इस भवन में ट्रस्ट की ओर से रामपुर पब्लिक स्कूल का संचालन किया जाने लगा। भाजपा विधायक आकाश सक्सेना ने इस मुद्दे को उठाया था। साथ ही शासन से भी इस मामले की शिकायत की थी,जिसके बाद शासन से लेकर प्रशासन तक एक्टिव हो गया था। डीएम की रिपोर्ट के बाद शासन ने दो दिन पहले कैबिनेट की बैठक में इस जमीन को वापस लेने का फैसला लिया था।

यतीमखाना बस्ती में निर्माणधीन भवन में सामान हो रहा शिफ्ट

जौहर शोध संस्थान को नोटिस मिलने के बाद रामपुर पब्लिक स्कूल से सामान को शिफ्ट करना शुरू कर दिया है। यहां पर फिलहाल स्कूल का सामान यतीमखाना बस्ती में स्थित निर्माणधीन स्कूल भवन में रखा जा रहा है। इस जमीन पर माध्यमिक शिक्षा विभाग का कब्जा उसी दिन से है जिस दिन कैबिनेट की बैठक में जौहर ट्रस्ट की लीज निरस्त की गई थी।

जेल में खीरे के अंदर गांजा भरकर लाया ड्राइवर

मालिक को नशे की लत; फिल्मी अंदाज में पकड़ा गया

वाराणसी/चंदौली, 10 नवंबर (एजेंसियां)। चौकाघाट स्थित जिला जेल में बंद एक बंदी से मुलाकात करने आया उसका ड्राइवर खीरा को काटकर उसके बीच में पन्नी में गांजा भरकर लाया था। हालांकि मुलाकात से पहले हुई तलाशी के दौरान उसकी करतूत उजागर हो गई। जेल पुलिस की सूचना पर लालपुर पांडेयपुर थाने की पुलिस ने गांजा लेकर आए ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया। जिला जेल में बंद बंदी और उसके ड्राइवर के खिलाफ लालपुर पांडेयपुर थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। चंदौली के अलीनगर क्षेत्र का रहने वाला मनोज तिवारी धोखाधड़ी और कूटरचना सहित अन्य आरोपों में दर्ज मुकदमे में बीते जुलाई महीने में गिरफ्तार कर चौकाघाट स्थित जिला जेल भेजा गया था। मौजूदा समय में वह जिला जेल की बैरक नंबर 12-ए में निरुद्ध है। मनोज से मुलाकात करने के लिए उसका ड्राइवर चंदौली जिले के मुजफ्फरपुर का रहने वाला गोविंदा जिला जेल आया था। मनोज के लिए गोविंदा 11 खीरा लेकर आया था। मुलाकात से पहले जिला जेल पुलिस और चौकी प्रभारी जिला जेल इमरान खान की संयुक्त टीम ने गोविंदा के सामान को चेक किया। चेकिंग में पता लगा कि उसके पास मौजूद सभी खीरा को काट कर उसके बीच में पारदर्शी पन्नी में गांजा भरा हुआ था।

'यौन शिक्षा पर' सपा सांसद डिंपल यादव ने किया मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बयान का समर्थन

पटना, 10 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सांसद और दिवंगत मुलायम सिंह यादव की बहू डिंपल यादव भी बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बयान के समर्थन में उतर आई हैं। उन्होंने कहा है कि यौन शिक्षा पर खुलकर बात होनी चाहिए। बता दें कि सीएम नीतीश कुमार के प्रजनन दर को लेकर विधानसभा में दिए गए बयान पर बवाल मचा हुआ है। इस बीच तेजस्वी यादव के बाद सीएम को सपा सांसद डिंपल यादव का समर्थन मिला है।

नीतीश के समर्थन में क्या बोलीं डिंपल यादव?

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव ने गुरुवार को मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि नीतीश कुमार कहना चाह रहे

थे कि यौन शिक्षा के मामले में आमतौर पर लोग खुलकर नहीं बोलते हैं। उन्होंने अपने तरीके से अपनी बात को रखा है। मेरा भी यही कहना है कि यौन शिक्षा देनी चाहिए और इस पर खुलकर बात होनी चाहिए। गर्भनिरोधक का उपयोग होना चाहिए, क्योंकि हमारी जो जनसंख्या है भारत की वो लगातार बढ़ती जा रही है। इस पर ध्यान देना बहुत जरूरी है

तेजस्वी यादव ने भी किया था समर्थन

बता दें कि इससे पहले बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बयान का समर्थन किया था। तेजस्वी यादव ने नीतीश के बयान का बचाव करते हुए कहा था कि मुख्यमंत्री ने अपनी बात यौन शिक्षा के संदर्भ में कही थी।

पूर्व सीएम राबड़ी देवी ने भी कही थी ये बात

नीतीश कुमार के बयान पर बवाल मचने के बाद बुधवार को पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी का बयान भी सामने आया था। उन्होंने कहा था कि गलती से सीएम के मुंह से वह बात निकल गई। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने माफी मांग ली है। ऐसे में सदन को चलने देना चाहिए। हंगामा करना और बात का बतंगड़ बनाना विपक्ष का काम है।

ललितपुर में प्रेमी-प्रेमिका ने ट्रेन के आगे कूदकर दी जान, दोनों घर से भाग निकले थे

ललितपुर, 10 नवंबर (एजेंसियां)। झांसी-ललितपुर रेलवे ट्रेक पर प्रेमी-प्रेमिका ने ट्रेन के आगे लेटकर आत्महत्या कर ली। ट्रेन चालक ने इसकी सूचना स्टेशन मास्टर को दी। सूचना मिलते ही पुलिस ने दोनों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। प्रेमी-प्रेमिका के घर आमने सामने थे। दोनों में लंबे समय से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। बुधवार की रात दोनों घर से भाग निकले थे। गुरुवार सुबह परिजनों को इसकी जानकारी मिली। युवती बीए की छात्रा थी। वह ट्यूशन घर पर पढ़ाती थी, जबकि युवक जेसीबी मशीन चलाता था। झांसी-ललितपुर रेलवे ट्रैक पर स्थित तालबेहट रेलवे स्टेशन के निकट बुधवार रात 11 बजे के दरम्यान ट्रेन के आगे लेटकर युवक-युवती ने आत्महत्या कर ली। झांसी से ललितपुर आ रही कलिंगा उत्कल एक्सप्रेस ट्रेन के चालक ने इसकी सूचना स्टेशन अधीक्षक को दी। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस को सूचना दी गई।

खत्म हुआ 5 साल का इंतजार

यूपी में प्राइमरी टीचर के 12,460 पदों पर नियुक्ति का आदेश

लखनऊ, 10 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में प्राइमरी टीचर की भर्ती को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अहम फैसला सुनाया है। हाईकोर्ट के लखनऊ बेंच ने राज्य सरकार को बड़ी राहत देते हुए 12,460 असिस्टेंट टीचर के चयन प्रक्रिया को रद्द करने के फैसलो को खारिज कर दिया है। बता दें कि यह मामला साल 2018 से पेंडिंग था। इस फैसले के बाद हजारों युवाओं को राहत मिलने वाली है। इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले के बाद उक्त भर्ती के क्रम में बचे हुए 6470 पदों के लिए कॉमन मेरिट लिस्ट जारी करने का आदेश दिया है। हाईकोर्ट ने कहा है कि इन पदों के लिए तीन माह के भीतर राज्य सरकार नियुक्तियां कर लें।

2016 में आई थी वैकेंसी

हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति एआर मसूदी और जस्टिस ओम प्रकाश शुक्ला की खंडपीठ ने इस मामले में फैसला सुनाया है। मोहित कुमार द्विवेदी और अन्य चयनित अभ्यर्थियों की ओर से दाखिल 19 स्पेशल अपीलों पर सुनवाई की गई है। बता दें कि इस भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया 21 दिसंबर 2016 को जारी हुई थी। राज्य सरकार को निर्देश जारी करते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि लंबित इस वैकेंसी के लिए जल्द काउंसलिंग कराई जाए। यूपी बेसिक एजुकेशन टीचर्स सर्विस रूल्स 1981 के नियमों का पालन करते हुए नए सिरे से काउंसलिंग कराया जाए। कुछ अभ्यर्थियों और राज्य सरकार ने एकल पीठ के आदेश को चुनौती देते हुए 19 अपीलें दाखिल की थीं।

12460 टीचर्स की वैकेंसी

उत्तर प्रदेश के सरकारी स्कूलों में असिस्टेंट टीचर की भर्ती के लिए नोटिफिकेशन जारी हुआ था। इस वैकेंसी के माध्यम से कुल 12460 पदों पर भर्तियां होनी थी। इसमें से 5990 पदों पर उम्मीदवारों की नियुक्ति हो गई है। इसके अलावा बचे हुए 6470 पदों के नियुक्तियां नहीं हो पाई थीं। अब इन पदों के लिए 3 माह के भीतर नियुक्ति कराने का आदेश जारी किया गया है।

आरक्षण दांव से 'इंडिया' में बढ़ा नीतीश का कद

अब लालू का तेजस्वी को लेकर क्या है प्लान?

पटना, 10 नवंबर (एजेंसियां)। बीजेपी के हिंदुत्व के जवाब में 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आरक्षण का कार्ड खेल दिया है। बिहार में आरक्षण संशोधन बिल पास कर दिया गया। इस बिल के मुताबिक बिहार में अब 75 प्रतिशत आरक्षण लागू होगा। अब ऐसा माना जा रहा है कि इस कदम से विरोधियों के हौसले तो पस्त हुए ही हैं इंडिया गठबंधन में नीतीश कुमार का कद काफी बढ़ गया है। बड़ी बात यह है कि भले ही बीजेपी लोकसभा चुनाव को हिंदुत्व पर लड़ना चाहती है लेकिन वह आरक्षण का विरोध नहीं कर सकती। क्योंकि आज के दौर में आरक्षण के खिलाफ जाना

एक तरह से खुद की राजनीतिक हत्या ही होगी। ऐसे में जाहिर है विरोधी दल बीजेपी के लिए नीतीश के इस दांव का काउंटर कर पाना आसान नहीं होगा।

गठबंधन में धमाकेदार वापसी

वहीं लोकसभा चुनाव के लिए बने इंडिया गठबंधन में भी इधर बीच नीतीश कुमार हाशिए पर नजर आ रहे थे। लेकिन एक बार फिर वो गठबंधन में धमाकेदार वापसी करते दिख रहे हैं। ऐसे में उनकी केंद्र की राजनीति करने की मंशा कितनी सफल होगी, फिलहाल कुछ भी कहना जल्दबाजी होगा। लेकिन नीतीश कुमार ने अपने इस दांव से एक बार फिर सियासत के केंद्र में खड़े नजर आ रहे हैं।

आरक्षण की वकालत

हालांकि आरक्षण के खिलाफ राजनीति करने वाली वाली कांग्रेस ने भी कर्नाटक चुनाव से अपनी रणनीति बदल दी है। राहुल गांधी हर मौके पर जातीय जनगणना और ओबीसी आरक्षण की वकालत करते नजर आ रहे हैं। उन्होंने पहले ही आरक्षण के दायरे को बढ़ाकर दलितों-पिछड़ों को सरकारी नौकरियों में ज्यादा भागीदारी देने की बात कही है। इसके अलावा कांग्रेस ने चुनावी राज्यों में जातिगत जनगणना कराने का वादा भी किया है। उम्मीद यह भी है कि कुछ कांग्रेस शासित राज्यों में बिहार की ही तरह आरक्षण के दायरे को बढ़ाने का प्रस्ताव भी पास किया जा सकता है।

विपक्ष का सबसे बड़ा दांव

ऐसे में यह 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले विपक्ष का सबसे बड़ा दांव होगा। बता दें कि सूत्रों के मुताबिक नीतीश कुमार अब पूरे देश में आरक्षण पर बिहार मॉडल को पेश करने की कोशिश करेंगे। वह यह बताने की कोशिश करेंगे की उन्होंने जो कहा वो किया। उन्होंने जातीय जनगणना कराई, फिर उसके बाद जिसकी जितनी संख्या भारी के आधार पर आरक्षण देने का भी काम किया।

नीतीश कुमार का कद

फिलहाल नीतीश कुमार का कद केंद्रीय राजनीति में बढ़ना लालू प्रसाद यादव के लिए भी शुभ संकेत होगा। क्योंकि वह तेजस्वी को एक बार फिर मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बिठाना चाहते हैं। हालांकि लंबे समय से सत्ता में रहने के कारण के नीतीश कुमार के खिलाफ एंटी इनकंबेंसी का डर भी आरजेडी को सता रहा है। फिलहाल बीजेपी नीतीश कुमार के इस दांव को बखूबी समझ रही है और इसकी काट तलाशने की कोशिश भी कर रही है।

मां लक्ष्मी की प्रतिमा ले जा रहे थे तभी मस्जिद पर गिर गया अबीर, खूब चले ईंट-पत्थर

बस्ती, 10 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले से हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां मस्जिद पर अबीर गिर गया, जिससे हिंदू-मुस्लिम आमने-सामने आ गए। इस दौरान दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर जमकर ईंट-पत्थर बरसाए। मामले की जानकारी जैसे ही पुलिस को मिली, पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि इस दौरान दोनों पक्षों के करीब आधा दर्जन लोग घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस के बड़े अधिकारी फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस अधिकारियों ने मामले की जांच की। पुलिस ने ही घायलों को अस्पताल में भर्ती करवाया। फिलहाल घटला स्थल पर पुलिस फोर्स तैनात कर दी गई है। दरअसल ये पूरा मामला रुधौली थाना क्षेत्र के तिगोडिया गांव से सामने आया है। मिली जानकारी के मुताबिक, लोग मां लक्ष्मी की प्रतिमा को स्थापित करने के लिए ले जा रहे थे। गांव के लोग नाचते-गाते हुए मां लक्ष्मी की प्रतिमा को ले जा रहे थे। इस दौरान अबीर भी लोग उड़ा रहे थे। आरोप है कि इस दौरान मस्जिद भी पड़ी और अबीर का थोड़ा रंग मस्जिद पर गिर गया। ये देखते हुए मुस्लिम पक्ष के लोग जमा हो गए और विरोध करने लगे। इसी दौरान लाठी-डंडे भी निकल पड़े। इस दौरान दोनों पक्षों में बहस हो गई और देखते-देखते इस विवाद ने हिंसा का रूप ले लिया। दोनों पक्षों में खूब लाठी-डंडे चले और जमकर पत्थरबाजी हुई।इस दौरान करीब आधा दर्जन लोग घायल हो गए। इस पूरे मामले पर जानकारी देते हुए दीपेंद्र नाथ चौधरी (अपर पुलिस अधीक्षक) ने बताया, "मूर्ति ले जाते समय यह घटना हुई है।

5वीं क्लास की लड़की को चॉकलेट थमा बोला आई लव यू जान, मनचला पहुंचा जेल

मेरठ, 10 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले में पांचवी क्लास की छात्रा को प्रपोज करना 15 साल के लड़के को भारी पड़ गया। इस युवक ने बच्ची को चॉकलेट देने के बहाने छेड़खानी की। फिर बाद में अपने प्यार का इजहार करते हुए आई लव यू भी बोल दिया। इसके विरोध में पांचवी क्लास की छात्रा के परिजन शिकायत करने युवक के माता-पिता के पास पहुंच गए। छेड़खानी करने वाले युवक के पिता ने पीड़ित परिजनों के साथ दुर्व्यहार करके वहां से भगा दिया। वहीं, इस पूरे मामले पर मेरठ के एसएसपी ने बताया कि नाबालिग लड़के को गिरफ्तार कर लिया गया। साथ ही आरोपी के पिता को भी गिरफ्तार करने की तैयारी है। उन्होंने कहा कि ये पूरा मामला मेरठ के भावनपुर थाना क्षेत्र का है। जहां पड़ोस के रहने वाले 15 साल के मुस्लिम लड़के ने 5वीं कक्षा की बच्ची को प्रपोज किया। आरोप है की है चॉकलेट देने के बहाने युवक छेड़खानी भी करता था।

बच्ची ने घर वालों को बताई पूरी बात

जब बच्ची स्कूल जा रही थी तो लड़का वहां पहुंचा। बच्ची को चॉकलेट के साथ एक लव लेटर जिसमें आई लव यू जान लिखा था। वो थमा दिया। बच्ची ने घर आ कर पूरी बात अपने माता-पिता को बताई। इसके बाद पीड़ित बच्ची के माता-पिता ने युवक के घरवालों से बात कर पूरे मामले की जानकारी देने की कोशिश की, लेकिन बच्ची के पिता के आरोपों के अनुसार लड़के के पिता ने गाली-गलौज कर के वहां से भगा दिया।

बच्ची के पिता के साथ बदसूलकी होने के बाद बच्ची के परिजनों और अन्य लोगो में गुस्सा फूट पड़ा। आरोपियों की गिरफ्तारी के खिलाफ नारेबाजी करते हुए जाम लगा दिया गया। परिजनों ने ये भी आरोप लगाया कि चौकी इंचार्ज ने शिकायत करने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की। मामले को बढ़ता देख पुलिस बल और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और परिजनों को रात में आश्वासन देख शांत कराया। घटना के तूल पकड़ने के बाद एसएसपी रोहित सिंह सजवान ने कार्रवाई करने के सख्ती से आदेश दिए। आरोपी लड़के को गिरफ्तार कर गुरुवार को जेजे कोर्ट में पेश किया गया। वहीं, एसएसपी ने बताया कि वादी पक्ष के द्वारा आरोपी लड़के के पिता के खिलाफ भी गाली-गलौज और मारपीट करने का आरोप लगा है। आरोपी पिता के खिलाफ भी केस दर्ज होने बाद गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

बीच सड़क पर आग का गोला बनी चलती कार, फिर सीएनजी टैंक फटने से हुआ जोरदार धमाका

मेरठ, 10 नवंबर (एजेंसियां)। मेरठ में चलती कार में भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। कार बीच सड़क पर धूं-धूं कर जलने लगी, इसे देखकर अफरा-तफरी मच गई। मौके पर मौजूद लोगों ने अपनी जान पर खेलकर दो कार सवार युवकों को जलती कार से बाहर निकाला। इसी बीच कार में लगा सीएनजी सिलेंडर फटने से जोरदार धमाका हो गया।

सड़क पर चलती कार में आग लगने की घटना मेरठ के लोहियानगर थाना इलाके में बिजली बंबा बाई-पास की है। यहां एक सीएनजी से चलने वाली कार में बीच सड़क आग लग गई। कार सवार ने तुरंत गाड़ी रोकी, लेकिन देखते ही देखते कार से ऊंची-ऊंची लपटें उठने लगीं। मौके पर मौजूद लोगों ने कार सवारों को बचाया। उसके बाद फायर ब्रिगेड को मामले की सूचना दी गई।

धोखाधड़ी के मामले लखीसराय डीटीओ गिरफ्तार

घर आई पुलिस और कैमूर ले गई; अग्रिम जमानत याचिका भी खारिज

लखीसराय, 10 नवंबर (एजेंसियां)। धोखाधड़ी के एक मामले में कैमूर जिले की पुलिस शुक्रवार की सुबह लखीसराय के डीटीओ मु. जियाउल्लाह को गिरफ्तार कर अपने साथ कैमूर ले गई। डीटीओ की गिरफ्तारी की खबर मिलते ही प्रशासनिक महकमे एवं आमलोगों में चर्चा तेज हो गई। कैमूर के एसडीपीओ शिवशंकर कुमार के नेतृत्व में पुलिस ने शहर के नया बाजार से डीटीओ को उनके निजी आवास से गिरफ्तार किया। डीटीओ के विरुद्ध निगरानी पटना की विशेष अदालत में मामला चल रहा था। बीते आठ नवंबर को पटना निगरानी की विशेष अदालत ने डीटीओ मु जियाउल्लाह की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी। इसके बाद कैमूर पुलिस ने डीटीओ को गिरफ्तार किया। डीटीओ मु जियाउल्लाह लखीसराय में पदस्थापन से पहले कैमूर जिला में डीटीओ थे। कैमूर के शहंशाह खान नामक एक

युवक ने कैमूर के तत्कालीन डीटीओ मु जियाउल्लाह से संपर्क किया तो डीटीओ ने बालू का ठेका दिलाने के नाम पर शहंशाह खान से अपने चचरे भाई जमीर उल्लाह अंसारी के खाते में 40 लाख रुपये और अपने अंगरक्षक शमशेर के खाते में 80 हजार रुपये जमा कराए थे। शहंशाह खान ने इसकी सूचना आर्थिक अपराध इकाई के एडीजी को दी। जांच के बाद यह पाया गया कि डीटीओ पर लगाये गए आरोप सही है। इसके बाद एडीजी की अनुशंसा पर कैमूर एसपी के आदेश पर भभुआ थाना कांड संख्या 794/23 के तहत धोखाधड़ी का केस दर्ज किया गया, जिसमें लखीसराय के डीटीओ जो पूर्व में कैमूर में डीटीओ थे। इनके अलावा उनके चचेरे भाई जमीर उल्लाह अंसारी, अंगरक्षक शमशेर को आरोपित बनाते हुए भादवि की धारा 421, 406,409, 120 बी पीसी एक्ट में केस दर्ज किया गया था। डीटीओ ने विशेष कोर्ट में अग्रिम जमानत की याचिका दाखिल किया था, जिसमें कोर्ट ने सुनवाई के बाद डीटीओ की अग्रिम जमानत आवेदन को खारिज कर दिया। इसके बाद कैमूर पुलिस डीटीओ को गिरफ्तार कर अपने साथ ले गई।

दिवाली से पहले ही बिहार की हवा खराब, पटना सहित प्रदेश की वायु गुणवत्ता का स्तर खतरनाक; एक्यूआई 300 के पार

पटना, 10 नवंबर (एजेंसियां)। दिवाली से पहले ही प्रदेश की हवा खराब हो गई है। प्रदेश की हवा में धूलकण की मात्रा इतना ज्यादा बढ़ गई है कि लोगों को सांस संबंधी समस्याएं होने लगी हैं। राज्य के अधिसंख्य शहरों में प्रदूषण का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 300 से ऊपर चला गया है, जो मानव स्वास्थ्य के लिए अत्यंत खतरनाक माना जाता है।

इस संबंध में बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद के अध्यक्ष डा। डीके शुक्ला का कहना है कि प्रदेश के कई शहरों में प्रदूषण की स्थिति काफी खराब है। ऐसे में जिला प्रशासन एवं नगर निकायों को प्रदूषण नियंत्रण के लिए समुचित कदम उठाने का निर्देश दिया गया है। इसके लिए खासकर सड़कों की साफ-सफाई, समय-समय पर पानी का छिड़काव करना होगा।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

शनिवार, 11 नवंबर, 2023 5

युविचार

आप में कितनी भी प्रतिभा क्यों न हो, प्रयास और अभ्यास के बिना सब व्यर्थ है !

भाजपा में पिछड़ी जातियों, महिलाओं को कोई प्राथमिकता नहीं : तुला उमा

हैदराबाद, 10 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा नेता तुला उमा, जिन्हें शुरू में पार्टी प्रतिनिधि के रूप में वेमुलावाड़ा निर्वाचन क्षेत्र के लिए चुना गया था, लेकिन पार्टी के टिकट से इनकार कर दिया गया था, ने पिछड़े वर्गों के लिए उनके खोखले वादों को उजागर करते हुए पार्टी नेतृत्व के खिलाफ कुछ तीखी टिप्पणियां की हैं। संयोगवश, उमा को भाजपा के वरिष्ठ नेता चौधरी विद्यासागर राव के बेटे विकार राव के पक्ष में चुनावी मुकाबले से बाहर कर दिया गया।

उमा ने बताया कि भाजपा की पार्टी में बीसी और महिलाओं के लिए कोई प्राथमिकता नहीं है। हालांकि, भाजपा ने सत्ता में आने पर बीसी को मुख्यमंत्री बनाने का बड़ा वादा किया है, लेकिन वह केवल एक खोखला वादा है। पिछड़े वर्गों को समर्थन देने के लिए केवल बयान देना ही पर्याप्त नहीं है। पार्टी को अपने एक्ट से अपनी ईमानदारी साबित करनी चाहिए। अब तक, उन्हें वेमुलावाड़ा के उम्मीदवार के बदलाव के बारे में सूचित नहीं किया गया है, उन्होंने बताया कि वह अभी भी इस उम्मीद के साथ इंतजार कर रही हैं कि उन्हें बी-फॉर्म मिलेगा। उन्होंने कहा कि उन्हें बीसी कोटा के तहत एक अवसर प्रदान किया गया है और उम्मीद है कि पार्टी अपने वादे पर कायम रहेगी। उमा ने विकास राव को बी-फॉर्म जारी किए जाने पर प्रतिक्रिया देते हुए ये टिप्पणी की। शुक्रवार को वेमुलावाड़ा में मीडियाकर्मियों से बातचीत के दौरान वह रो पड़ीं।

भाजपा ने वेमुलावाड़ा में उमा की जगह विकास राव को बनाया उम्मीदवार

हैदराबाद, 10 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजन्ना-सिरसिला के वेमुलावाड़ा में भाजपा ने प्रत्याशी बदल दिया है। पहले टिकट तुला उमा को दिया गया था। अब वरिष्ठ भाजपा नेता चौधरी विद्यासागर राव के बेटे चौधरी विकास राव को आवंटित किया गया है और बी-फॉर्म भी जारी किया गया है। प्रारंभ में, भाजपा ने वेमुलवाड़ा टिकट के मुद्दे को लंबित रखा और बाद में अपनी चौथी सूची में तुला उमा को टिकट देने की घोषणा की। हालांकि पार्टी ने उन्हें टिकट देने की घोषणा की थी, लेकिन उमा को बी-फॉर्म नहीं दिया गया था। वे पहले ही नामांकन के तीन सेट दाखिल कर चुकी थीं। एक आश्चर्यजनक घटनाक्रम में, वेमुलावाड़ा के लिए उनकी उम्मीदवारी की घोषणा के अलावा, नामांकन दाखिल करने के आखिरी दिन शुक्रवार को विकास राव को बी-फॉर्म भी जारी किया गया था। वरिष्ठ भाजपा नेता इटेला राजेंदर की अनुयायी उमा, राजेंदर के साथ भाजपा में शामिल हुईं। उन्होंने पहले करीमनगर जिला परिषद अध्यक्ष के रूप में काम किया था। उन्होंने वेमुलावाड़ा के टिकट पर उम्मीदें लगायीं और पिछले कुछ वर्षों से निर्वाचन क्षेत्र में काम कर रही हैं। इसी बीच पेशे से डॉक्टर विकास राव भी इसी विधानसभा क्षेत्र में काम कर रहे है। वह पिछले कुछ वर्षों में सरकारी अस्पतालों को एम्बुलेंस दान करने के अलावा चिकित्सा शिविरों का आयोजन करते रहे हैं। पार्टी नेताओं के परिवार के सदस्यों को टिकट आवंटित नहीं करने के अपने सिद्धांत का पालन करते हुए, भाजपा ने शुरू में विकास राव को टिकट देने से इनकार कर दिया और उमा को आवंटित कर दिया। हालाँकि, पार्टी ने अचानक अपना निर्णय बदल दिया। दूसरी ओर काफी दिनों से लंबित पेद्दापल्ली विधानस सभा का टिकट अंततः दुग्याला प्रदीप राव को आवंटित किया गया।

असंतुष्ट पार्टी नेताओं से मिले केसी वेणुगोपाल

हैदराबाद, 10 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एआईसीसी महासचिव केसी वेणुगोपाल आगामी विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी की राज्य इकाई के बचाव में आए हैं। उन्होंने पार्टी के असंतुष्ट नेताओं के साथ बैठक की, जो पार्टी का टिकट हासिल करने में विफल रहे। उन्होंने पार्टी के सत्ता में आने के बाद उनके उज्ज्वल भविष्य का वादा किया। केसी वेणुगोपाल ने एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष वेंकट, युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष शिवसेना रेड्डी, बलराम नाइक और मेयर पारिजात नरसिम्हा रेड्डी सहित 20 असंतुष्ट नेताओं को आश्वासन दिया। केसी ने कहा कि पार्टी से टिकट नहीं मिलने पर उन्हें निराश नहीं होना चाहिए।

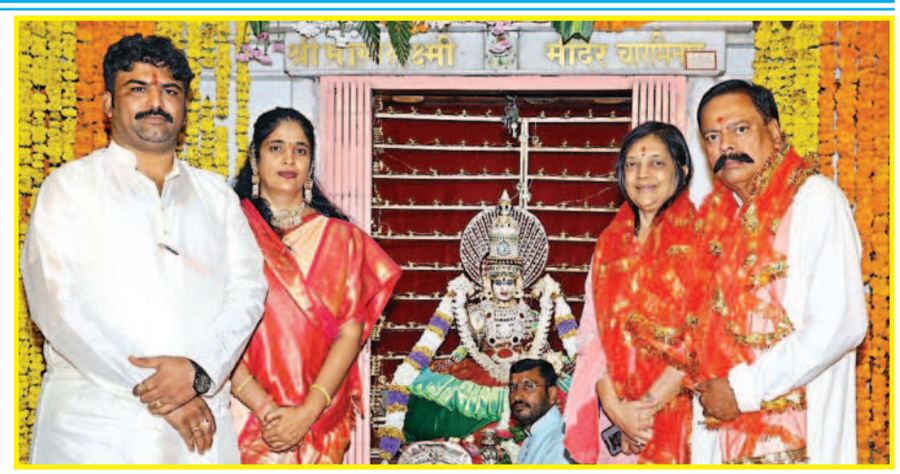

शुक्रवार को धनतेरस पर चारमीनार स्थित प्रसिद्ध भाग्यलक्ष्मी माता मंदिर में पूजा-अर्चना करने पहुंचे पूर्व सांसद व अभा वैश्य महासम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. गिरीश कुमार संघी, श्रीमती अलका संघी का सम्मान मंदिर ट्रस्ट की ट्रस्टी सुश्री शशिकला ने किया।

हरीश ने ईटेला से दिल्ली से फंड लाने को कहा

हैदराबाद, 10 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंत्री टी हरीश राव ने हुजूराबाद विधायक ईटेला राजेंदर पर अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने और अपने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों की सेवा करने में पूरी तरह से विफल रहने का आरोप लगाया। उन्होंने भाजपा नेता को तेलंगाना के बजाय हुजूराबाद निर्वाचन क्षेत्र के विकास के लिए दिल्ली से धन लाने का सुझाव दिया है। चुनाव अभियान के तहत, हरीश राव ने शुक्रवार को हुजूराबाद विधानसभा क्षेत्र का दौरा किया और बीआरएस विधायक उम्मीदवार पी कौशिक रेड्डी के समर्थन में प्रचार किया।

इस अवसर पर, हरीश राव ने केंद्र सरकार से धन लाने और अपने विधानसभा क्षेत्र को विकसित करने में विफल रहने के लिए स्थानीय विधायक इटेला राजेंदर की आलोचना की। हरीश राव ने कहा कि इटेला राजेंदर बीआरएस सरकार की आलोचना करने के लिए भाजपा नेताओं और केंद्रीय मंत्रियों को दिल्ली से तेलंगाना ला रहे हैं, लेकिन विधायक चुने जाने के बाद से उन्होंने अपने निर्वाचन क्षेत्र के विकास के लिए कुछ नहीं किया है। उन्होंने मुख्यमंत्री के चन्द्रशेखर राव के खिलाफ गजवेल विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने के लिए ईटेला राजेंदर की भी आलोचना की और कहा कि राजेंदर खुद को एक महान नेता महसूस करते हैं लेकिन वह मुख्यमंत्री के सामने कुछ भी नहीं हैं।

हरीश राव ने इटेला राजेंदर पर आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री किरण कुमार रेड्डी और फिल्म स्टार और जन सेना पार्टी के अध्यक्ष पवन कल्याण के साथ काम करने का भी आरोप लगाया, जिन्होंने तेलंगाना राज्य के गठन का विरोध किया है।

केटीआर ने कांग्रेस से मुस्लिम जनगणना के अपने प्रस्ताव को वापस लेने की मांग की

हैदराबाद, 10 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष और मंत्री केटी रामा राव ने मुस्लिम जनगणना कराने के प्रस्ताव को लेकर कांग्रेस पार्टी पर जमकर निशाना साधा और मांग की कि इस प्रस्ताव को तुरंत वापस लिया जाना चाहिए।

शुक्रवार को यहां तेलंगाना भवन में मीडिया को संबोधित करते हुए केटी रामा राव ने कहा कि अल्पसंख्यकों के लिए जनगणना आवश्यक नहीं थी और बीसी जनगणना में अल्पसंख्यकों को शामिल करने का कोई मतलब नहीं होगा। उन्होंने अल्पसंख्यक घोषणापत्र जारी करने पर तेलंगाना कांग्रेस इकाई की आलोचना की और कहा कि कांग्रेस पार्टी शांतिपूर्ण राज्य तेलंगाना में वोटों के लिए खेल खेल रही है। कांग्रेस पार्टी केवल चुनाव जीतने के उद्देश्य से बीसी और अल्पसंख्यकों के लिए घोषणा पत्र जारी कर रही है। केटीआर ने कहा कि वास्तव में, इन वर्गों के लिए न्याय करने का उसका कोई वास्तविक इरादा नहीं है। इसके अलावा, कांग्रेस बीसी और अल्पसंख्यकों के बीच लड़ाई पैदा करने की साजिश रच रही है। यह कहते हुए कि अल्पसंख्यकों को संविधान में विशेष अधिकार प्राप्त हैं, उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी घोषणा के नाम पर अल्पसंख्यकों के अधिकारों पर डाका डालने की कोशिश कर रही है।

मंत्री ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने अतीत में अल्पसंख्यकों से इसी तरह के झूठे वादे किए थे लेकिन चुनाव में इसे खारिज कर दिया गया। अब, अल्पसंख्यक घोषणा के नाम पर, कांग्रेस पार्टी एक बार फिर समुदाय को धोखा देने की कोशिश कर रही है और लोगों को कांग्रेस की घटिया रणनीति से सावधान रहना चाहिए।

बीआरएस पूर्ववर्ती नलगोंडा जिले की सभी 12 विधानसभा सीटें जीतेगी : जगदीश रेड्डी

सूर्यापेट, 10 नवंबर (स्वंतत्र वार्ता)। ऊर्जा मंत्री जी जगदीश रेड्डी ने शुक्रवार को विश्वास जताया कि बीआरएस पूर्ववर्ती नलगोंडा जिले की सभी 12 विधानसभा सीटों पर जीत हासिल करेगी। तुंगतुर्ती विधानसभा क्षेत्र के शालिगोवरम में आयोजित एक मीडिया सम्मेलन में बोलते हुए, जगदीश रेड्डी ने कहा कि कुछ राजनीतिक नेताओं ने अपने स्वार्थ के लिए थुंगथुरथी में राजनीतिक झड़पों को प्रोत्साहित किया और इसमें कई लोगों की जान चली गई।

थुंगथुरथी का प्रत्येक गाँव राजनीतिक झड़पों में मारे गए व्यक्तियों के स्मारक तोरणों के साथ स्वागत करेगा। यह याद दिलाते हुए कि थुंगथुरथी के लोग 2014 से पहले सुरक्षित पेयजल से वंचित थे, बीआरएस सरकार ने हर घर में सुरक्षित पेयजल की आपूर्ति के अलावा कालेश्वरम परियोजना के माध्यम से दो लाख एकड़ में सिंचाई की सुविधा प्रदान की।

धनतेरस पर शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वेलर्स में भारी भीड़

हैदराबाद, 10 नवंबर (स्वंतत्र वार्ता)। धनतेरस एवं दीपावली पर्व पर सोमाजीगुडा स्थित शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वेलर्स में चलाये जा रहे डबल धमाका ऑफर ने सभी को आकर्षित किया है। आज शुक्रवार को धनतेरस पर में शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वेलर्स में खरीददारों की भारी भीड़ दिखी। भारी उत्साह के साथ अलंकारप्रेमियों ने आभूषण तथा अन्य मूर्तियों की खरीददारी की। वर्तमान में शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वेलर्स में विशाल सिल्वर कलेक्शन सभी के आकर्षण का केन्द्र बने हुए हैं।

ज्वेलर्स के मालिक गौतम सेहलोत ने बताया कि उपभोक्ताओं के लिए धनतेरस एवं दीपावली पर्व पर विशेष रूप से चलाये जा रहे डबल धमाका ऑफर के अंतर्गत चांदी के रसोईघर के सामान से लेकर, सजावटी सामान, ड्राइ फ्रुट बॉक्स, जग, ग्लास सेट, थाली वाटका सेट, लेमन सेट, मेवादानी, हवाई जहाज, रेलगाडी, बैलकाडी, मंदिर, पूजा थाली, लक्ष्मीजी, गणेशजी की प्रतिमा, 999 शुद्ध चांदी के सिक्के 1 ग्राम से लेकर 1 किलोग्राम तक उपलब्ध है।

उन्होंने दावा करते हुए कहा कि दक्षिण भारत में उनके पास सबसे बडा कलेक्शन है। चांदी के साथ-साथ सोना एवं डायमंड में भी भव्य कलेक्शन उपलब्ध है जहां 100 से अधिक हॉलमार्क दुल्हन सेट, 1500 से अधिक नेकलेस का कलेक्शन, 1500 से अधिक चूडियों का कलेक्शन है जिसे जयपुर, कोलकाता, जूनागढ, बीकानेर, जोधपुर, मुंबई आदि शहरों के विशेष कारीगरों द्वारा जडित आभूषणों की श्रृंखला है। धनतेरस पर सोना और चांदी खरीदने की परंपरा है क्योंकि सोना भगवान धन्वंतरि और कुबेर का धातु है।

आईआईटी हैदराबाद और मोनाश विश्वविद्यालय के बीच हुआ समझौता

शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में मिलकर करेंगे काम

हैदराबाद, 10 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शैक्षणिक क्षेत्र और अनुसंधान में सामान्य रुचि के क्षेत्रों के लिए आईआईटी हैदराबाद (आईआईटीएच), भारत और मोनाश विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जाने का महत्वपूर्ण अवसर देखा गया। केन्द्रीय शिक्षा मंत्री व कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान और ऑस्ट्रेलिया के शिक्षा मंत्री जेसन डीन क्लेयर की उपस्थिति में आईआईटी गांधीनगर में पहली ऑस्ट्रेलिया-भारत शिक्षा कौशल परिषद की बैठक के दौरान एमओयू पर प्रोफेसर बी एस मूर्ति, निदेशक, आईआईटीएच और प्रोफेसर सुसान इलियट एएम, कुलपति, मोनाश विश्वविद्यालय द्वारा हस्ताक्षर किए गए। हस्ताक्षर समारोह में सचिव उच्च शिक्षा, भारत सरकार के संजय मूर्ति और भारत में ऑस्ट्रेलियाई उच्चायुक्त, एच.ई. फिलिप ग्रीन ओएएम आदि कई लोग शामिल रहे। यह दोनों देशों के लिए साझेदारी के महत्व को प्रदर्शित करता है। इस अवसर पर आईआईटीएच-ऑस्ट्रेलियाई जुड़ाव पर प्रकाश डालते हुए आईआईटीएच के निदेशक प्रोफेसर बीएस मूर्ति ने कहा कि आईआईटीएच का ऑस्ट्रेलिया के साथ पहले से ही ज्वाइट डॉक्टोरल प्रोग्राम (जेडीपी) के माध्यम से स्विनबर्न यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी और डीकिन यूनिवर्सिटी, मेलबर्न जैसे प्रमुख विश्वविद्यालयों के साथ एक महत्वपूर्ण संबंध है।

दीपावली त्योहार की छुट्टी बदली, अब 13 नवंबर को

हैदराबाद, 10 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सरकार ने दिवाली त्योहार के लिए 13 नवंबर (सोमवार) की सामान्य छुट्टी को 12 नवंबर (रविवार) से बदल दिया है। मालूम हो कि पिछली घोषणा के मुताबिक 12 नवंबर को दिवाली का सामान्य अवकाश घोषित किया गया था। राज्य सरकार ने शुक्रवार को एक आदेश जारी कर दिवाली की छुट्टी 13 नवंबर कर दी है। सरकार ने आदेश में कहा है कि त्योहार की छुट्टी के दिन की बदली हुई तारीख को स्कूलों के साथ-साथ सरकारी विभागों, संगठनों और निजी प्रतिष्ठानों द्वारा भी लागू किया जाना चाहिए।

महेन्द्रा हिल्स स्थित पहाडी श्याम मंदिर में ग्यारस के उपलक्ष्य में सांवरे के बांवरे के तत्वावधान में आयोजित अर्जी लखदातार से भजन कार्यक्रम में भजन प्रस्तुत करते हुए सागर व्यास। अतिथियों एवं भजन गायक का स्वागत करते हुए पहाडी श्याम मंदिर के परामर्शदाता अरुण डाकोतिया, रुपेश सिंघानिया, रवि गोयनका एवं अन्य।

घोषणा के कुछ घंटों बाद भाजपा द्वारा संगारेड्डी उम्मीदवार को बदलने से तनाव

संगारेड्डी, 10 नवंबर (स्वंतत्र वार्ता)। संगारेड्डी निर्वाचन क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार को कुछ ही घंटों में बदलने से तनाव पैदा हो गया, क्योंकि पार्टी नेता राजेश्वर देशपांडे ने उनकी जगह पुलिमामडी राजू को उम्मीदवार बनाए जाने पर अपनी जिंदगी खत्म करने की धमकी दी। भाजपा ने शुक्रवार सुबह देशपांडे को संगारेड्डी से अपना उम्मीदवार घोषित किया, लेकिन कुछ ही घंटों बाद बिना कोई कारण बताए उनकी जगह पुलिमामिडी राजू को उम्मीदवार बना दिया गया। राज्य इकाई के अध्यक्ष जी. किशन रेड्डी से फोन पर बात करते हुए देशपांडे ने जानना चाहा कि भाजपा ने उन्हें कार्यालय में क्यों आमंत्रित किया और उन्हें बी-फॉर्म क्यों दिया और कुछ ही घंटों के भीतर दूसरे उम्मीदवार को भी बी-फॉर्म पेश किया।

देशपांडे ने किशन रेड्डी पर उन्हें धोखा देने का आरोप लगाया और आत्मदाह की धमकी दी। उन्होंने जनता की मौजूदगी में रुंधे स्वर में रेड्डी से कहा कि अगर पार्टी ने मुझे टिकट देने से इनकार कर दिया तो मैं मर जाऊंगा। मैंने पार्टी के साथ क्या अन्याय किया था? उन्होंने सवाल किया कि आप कुछ ही घंटों में मेरा नाम बदलकर मुझे अपमानित क्यों कर रहे हैं?

बाद में, देसपांडे समर्थकों ने जिला भाजपा कार्यालय में तोड़फोड़ की और राज्य और राष्ट्रीय स्तर के नेताओं के फ्लेक्सी बैनर हटा दिए।

कैडर ने पुलिमामिदी राजू के वाहन पर भी हमला किया, जब वह रिटर्निंग ऑफिसर के कार्यालय जा रहे थे, जिससे पुलिस को कार्यकर्ताओं को तितर-बितर करना पड़ा। कुछ देर के लिए कस्बे में तनाव बढ़ गया, लेकिन पुलिस की सख्ती से स्थिति पर काबू पा लिया गया। देशपांडे ने 2018 के चुनावों में भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ा और 7,000 से कुछ अधिक वोट पाने के कारण उनकी जमानत जब्त हो गई।

CAUTION NOTICE

The general public are hereby informed that my client Smt.Nakka Hymavathi W/o. Shankar Yadav is the absolute owner and possessor of the Plot No.268 Northern part and 269 southern part, admeasuring 111 Sq.Yds in Sy No.731, Situated at Nadergul village, Balapur Mandal, under Badangpet Municipal Corporation, Ranga Reddy District and she acquired the same through the registered sale deed No.4690/2001, dated 31-03-2004. It is represented by my client that, her necessities she put the plot in market for sale, on 28-10-2023 she went to Vanasthalipuram to show the original documents to the purchaser, after showing the same, she went to bus stop near sushma theatre to go her home, there she lost her Original link AGPA document No.3277 of 2004 Dt: 08-03-2004 and link sale deed No.7197 of 2003, Dt:20-06-2003are lost/ misplaced/ not traceable and my client has made all efforts to trace the said documents but could not trace out, inspite of the best efforts and whoever finds and posses the same may hand over to the under signed and the finder will be suitable rewarded and my client is contemplating to initiate appropriate action before the police.

If any person/s misuses the said document, it will be at his/her/their own risk and peril subject to the legal action at the hands of my client and such transaction, if any, will be null and void.

B.NAVEEN KUMAR, Advocate,
9-5-20, Rishik Towers,
Beside Sub-Registrar Office, Champapet,
Hyderabad. Ph: 9440667509.

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 11 नवंबर - 2023

सरकार को कडी फटकार

देश की राजधानी दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण और राजधानी की खराब होती हवा पर चिंता जताते हुए सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को दिल्ली और पंजाब सरकार को फटकार लगाते हुए कहा कि हमें नतीजे चाहिए। ऑड ईवन पर सरकार फैसला करे। कोर्ट ने साफ तौर पर चेताया कि पराली जलाने पर हर हाल में रोक लगनी चाहिए। क्या कारण है कि कोर्ट की दखल देने के बाद ही इस पर काम होता है। कोर्ट ने तो यहां तक पूछा कि सरकार इसका स्थायी समाधान क्यों नहीं निकाल पा रही है। कोर्ट ने कहा कि हम कोई विशेषज्ञ नहीं हैं, लेकिन हमें समाधान चाहिए। शुक्रवार की सुबह बारिश होने और हवा में प्रदूषण कुछ कम होने पर जस्टिस संजय किशन कौल का कहना है कि लोगों को सिर्फ प्रार्थना करनी है, कभी हवा आती है और मदद मिलती है, तो कभी बारिश होती है। उन्होंने कहा कि भगवान ने लोगों की प्रार्थनाएं सुनी होंगी और इस बारिश के लिए सरकार को धन्यवाद नहीं दूंगा। बता दें कि दिल्ली में ठंड आते ही दम घुटने लगता है। हवा इतनी जहरीली हो जाती है कि सांस संबंधी गंभीर समस्याएं होने लगती हैं। लेकिन सरकारों को इन सब की तनिक भी फिक्र नहीं पडता। हो हल्ला मचने पर नियम बनाने की औपचारिकता निभाई जाती है और समय बीतने के साथ ही सारे नियम धरे के धरे रह जाते हैं। दिल्ली की हवा जहरीली होने की गंभीर समस्या से निपटने के लिए आप सरकार ने जो कदम उठाए हैं वो अवैज्ञानिक, अप्रमाणित और यहां तक कि कब के त्याग दिए गए उपाय हैं। इसे देखकर सांस की तकलीफ महसूस कर रही दिल्ली हैरत में पड़ गई है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में रजिस्टर्ड कैबों को दिल्ली में आने से रोकना, भले ही उनमें से अधिकांश सीएनजी पर चलते हों, प्रदूषण पर बहुत कम प्रभाव डालेंगे, लेकिन इससे कैब चालकों और यात्रियों को बड़ी असुविधा होगी। यह पीएम2.5 के स्तर को कम करने के लिए उतना ही अप्रभावी है जितना कि गलत तरीके से लागू की गई ऑड-ईवन स्कीम। पिछले साल भी निर्माण कार्य रोक दिया गया था, लेकिन इस प्रतिबंध में सरकारी मेगा प्रॉजेक्ट्स को शामिल नहीं किया गया था। हर वर्ष ठंड के दस्तक देते ही बेमन से बनाई गई नीति से निराशा ही होती है। मौसम के पैटर्न, हवा की गति और मानव गतिविधि के प्रभाव के आधार पर पूरे वर्ष के लिए योजना बनाई जानी चाहिए। देखा गया है कि अक्सर लक्ष्यों के अनुरूप उचित साधनों पर विचार किए बिना नियम बनाए जाते हैं और सरकारें अक्सर नतीजों का अनुमान लगाने में विफल रहती हैं। 2020 में जानलेवा कोरोना को देखते हुए संपूर्ण लॉकडाउन का अचानक विस्तार करने के फैसले ने अर्थजगत की बुनियाद ही हिला दी थी, जिससे देश आज तक उबर नहीं पाया है। सरकारों को अंदाजा ही नहीं था कि लॉकडाउन की घोषणा के बाद लाखों प्रवासी पैदल ही घर का रुख कर लेंगे। इसी वजह से उन्होंने इसके लिए कोई तैयार नहीं की थी। बाद में आंकड़ा मिला कि करीब 1.14 करोड़ प्रवासियों ने पैदल मार्च किया था। यह किसी नीति के अनचाहे नतीजों के सबसे दिल दहला देने वाली मिसालों में से एक था। इसी तरह के नीति-निर्माण से लंबे समय तक चलने वाली आपदा के रूप में कई तरह की पाबंदियां हमारे सामने खडी हो जाती हैं। हालांकि यह स्पष्ट है कि पाबंदी केवल एक राज्य की अवैध शराब अर्थव्यवस्था को पनपने में मदद करता है और अधिक लोगों को मादक पदार्थों के सेवन की ओर धकेलता है, फिर भी बिहार जैसे राज्य इसे जारी रखते हैं। महाराष्ट्र में जब कोविड के लॉकडाउन के बाद शराब की दुकानें फिर से खुलीं, तो राज्य ने एक दिन में 11 करोड़ रुपए का संग्रह किया। लेकिन पटना ने भारी-भरकम राजस्व स्रोत से कोई समझौता नहीं किया। इंटरनेट अचानक बंद करने से भी जनता को सार्वजनिक लाभ से वंचित कर दिया जाता है। 2012 और 2023 के बीच भारत में सरकारों ने 752 इंटरनेट शटडाउन का आदेश दिया, जो दुनिया में सबसे अधिक है। अर्थशास्त्रियों की नजर से कई निगेटिव एक्सटर्नलिटीज पैदा करने वाली ऐसी नीति की एकमात्र विशेषता, यह है कि लोग, चाहे वो प्रवासी हों या इंटरनेट यूजर या फिर यात्री, सबकी लागत बढ़ जाती है। एनसीआर के कार्यालयों और घरों के बाहर धुंध की चादर और कुछ नहीं बल्कि धुंधले नीति निर्माण का ही प्रतिबिंब दिखाई दे रहा है।

राजस्थान में भाजपा का मुख्यमंत्री कौन ?

अशोक भाटिया

भाजपा की नेता और राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने झालावाड़ में एक जनसभा में अपने सांसद पुत्र दुष्यंत सिंह के भाषण और उस पर जनता के रिस्पांस की तारीफ़ें करते हुए कहा, 'झालावाड़ ने सांसद दुष्यंत सिंह को इतना सिखा दिया है कि अब मैं रिटायर हो सकती हूँ।'उनके भाषण में इतनी सी बात सुनकर भाजपा के भीतर काफ़ी हलचल होने लगी और उनका यह बयान वायरल हो गया लेकिन वसुंधरा राजे ने अगले दिन झालरापाटन से नामांकन दाख़िल करने के दौरान कहा, "मैं रिटायर होने वाली नहीं हूँ। सेवा का कर्म जारी रहेगा। मैंने सांसद दुष्यंत सिंह की राजनीतिक परिपक्वता से खुश होकर माँ के नाते कहा कि वे झालावाड़-बारां में अच्छा काम कर रहे हैं।" लेकिन यह सवाल एक सहज जिज्ञासा के रूप में इस बार शुरू से ही पूछा जा रहा है, यह बताइए, अगर वसुंधरा राजे मुख्यमंत्री पद का चेहरा नहीं होती हैं तो फिर कौन? इन दिनों राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी राजनीति को अंदर ही अंदर मथ रही है। ऐसा कोई दिन और भूभाग नहीं जहाँ यह प्रश्न न पूछा जा रहा हो। अब लगभग पूरे टिकट बँट चुके हैं और बिसात बिछ चुकी है लेकिन यह तय नहीं है कि भाजपा की सरकार बनेगी या कांग्रेस की। यह भी तय नहीं कि कौन जीतेगा और कौन हारेगा? इसके बावजूद ₹मुख्यमंत्री कौन' वाला प्रश्न मानो हर रिंद, हर साकी, हर खुम, हर पैमाने और हर मयखाने का सवाल हो गया है।और मज़ेदार क़िस्सा ये है कि अब छोटे-बड़े हर नेता के आसपास के लोग इलाक़ों में चुनाव जीतने का ज़ोर लगाते हुए कहने लगे हैं, 'आप ज़ोर लगाओ। इस बार साहब या मैम का नंबर आ सकता है!'राजस्थान विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने अभी तक अपने मुख्यमंत्री पद के चेहरे को घोषित नहीं किया है लेकिन सूत्रों के अनुसार वसुंधरा राजे मुख्यमंत्री फेस हो सकती हैं। भाजपा के एक नेता ने बताया कि पार्टी जल्द ही राजस्थान में मुख्यमंत्री उम्मीदवार के रूप में वसुंधरा राजे का नाम घोषित कर सकती है। अब तक राजस्थान में भाजपा की रणनीति एकदम अलग थी क्योंकि भाजपा किसी को मुख्यमंत्री फेस घोषित नहीं कर रही थी। चुनाव नतीजों के बाद मुख्यमंत्री चेहरे पर फैसला होने की खबर थी। आखिर भाजपा ने अपनी रणनीति में बदलाव कैसे किया, पार्टी का हृदय परिवर्तन कैसे हो गया और राजस्थान में वसुंधरा राजे भाजपा के लिए जरूरी है या मजबूरी हैं, इस तरह के सवाल उठ रहे हैं। भाजपा ने राजस्थान में करीब एक महीने पहले एक सर्वे कराया था। सर्वे सीक्रेट था, जिसकी रिपोर्ट भी सीक्रेट ही रखी गई। रिपोर्ट की जानकारी पार्टी के चंद बड़े नेताओं के बीच ही थी। रिपोर्ट में राजस्थान में भाजपा की चुनावी संभावनाओं का पूरा हिसाब था। रिपोर्ट में लिखा था कि राजस्थान में भाजपा कांग्रेस से आगे चल रही है। यह भी बताया गया कि कांग्रेस के मुकाबले भाजपा मामूली अंतर से आगे है। इस रिपोर्ट में एक और बड़ी बात थी, जिसे देखकर भाजपा राजस्थान की इलेक्शन स्ट्रेटजी पर दोबारा विचार करने और उसमें बड़े बदलाव के लिए सोचने लगी।पड़ताल में यह बात सामने आई कि अगर वसुंधरा को मुख्यमंत्री फेस बनाया जाए तो भाजपा को फायदा हो सकता है यानी वोट के मामले में भाजपा को कांग्रेस के मुकाबले निर्णायक बढ़त मिल सकती है। भाजपा की रिपोर्ट जैसे ही दिल्ली पहुंची, इसका असर दिखने लगा। जो भाजपा मुख्यमंत्री फेस के तौर पर किसी को एक्सेप्ट करने से बच रही थी, वो अब मॉडल के तौर पर वसुंधरा का नाम ले रही है। बता दें कि नावां में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार (7 नवंबर) को अपनी रैली के दौरान पूर्व की वसुंधरा सरकार का जिक्र करते हुए राजस्थान की मौजूदा गहलोत सरकार पर निशाना साधा।भाजपा में अमित शाह जैसे दिग्गज अगर कुछ कहते हैं तो उसका मतलब होता है और असर होता है। चंद दिन पहले तक सामूहिक नेतृत्व की बात करने वाले अमित शाह अगर आज वसुंधरा सरकार की चर्चा कर रहे हैं तो समझिए कि यह उसी रिपोर्ट का असर है क्योंकि 2018 के विधानसभा चुनाव में 13 सीट ऐसी थीं जहां हार जीत का अंतर 1 फीसद से कम था। 10 सीट ऐसी थीं जहां 2 फीसद से भी कम वोट से हार-जीत का फैसला हो गया और 15 सीट ऐसी थी जहां 3 फीसद से भी कम वोट से हार जीत हो गई।ऐसे में जहां पर इतना कम मार्जिन हो, भाजपा के दिग्गजों को लगा कि ऐसा रिस्क नहीं लेना चाहिए। ये कुल मिलाकर 38 सीटें हुईं यानी 200 सदस्यों वाली राजस्थान विधानसभा में करीब-करीब हर पाचंवी सीट पर जीत-हार का फैसला बेहद कम मार्जिन से होता है। राजस्थान जैसे स्टेट में जहां हर पांच साल में सरकार बदलने का रिवाज रहा है वहां 38 सीटें बेहद अहम हैं, इसलिए भाजपा को अब राजस्थान में वसुंधरा की अहमियत का अंदाजा होने लगा है। हम जिस रिपोर्ट का जिक्र बार-बार कर रहे हैं, यह उसी का नतीजा है कि भाजपा वसुंधरा को बैक सीट से फ्रंट सीट पर लाने को तैयार नजर आने लगी है। इस मुद्दे पर राजनीतिक विश्लेषक कहते है कि ऐसा लगता है कि वसुंधरा के नेतृत्व में ही भाजपा चुनाव लड़ेगी। वसुंधरा को लेकर भाजपा लीडरशिप के इस हृदय परिवर्तन को समझना इसलिए भी जरूरी है क्योंकि उसके प्लान में वसुंधरा के लिए कोई जगह नहीं दिख रही थी। वसुंधरा अगस्त से ही करीब-करीब साइडलाइन लग रही थीं। यह बात जयपुर में हुए घटनाक्रम से समझी जा सकती है। भाजपा ने 17 अगस्त को राजस्थान विधानसभा चुनाव के लिए दो समितियां बनाईं। चुनाव प्रबंधन कमेटी की कमान पूर्व सांसद नारायण पंचारिया को सौंपी गई, पार्टी के 21 नेताओं को इसका मेंबर बनाया गया, स्टेट मेनिफेस्टो कमेटी की कमान अर्जुन राम मेघवाल को सौंपी गई, इसमें 25 सदस्य शामिल किए गए और वसुंधरा को इन दोनों समितियों में जगह नहीं दी गई। आम तौर पर पार्टियां अपने दिग्गज नेताओं के लिए टिकट का ऐलान पहली लिस्ट में करती हैं जबकि वसुंधरा को टिकट के लिए दूसरी लिस्ट का इंतजार करना पड़ा। जब स्टार प्रचारकों की लिस्ट आई तो उसमें भी वसुंधरा को 24वें नंबर पर रखा गया। उनके 10 समर्थकों के टिकट काट दिए गए। इनमें उनके करीबी यूनुस खान भी हैं जो चुनावी मैदान में अब निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर उतर चुके हैं। मतलब ये कि किसी ने कुछ कहा नहीं लेकिन हर तरफ से यही संकेत मिले कि वसुंधरा का गेम ओवर हो चुका है। वसुंधरा खुद भी इसी तरह के मैसेज दे रही थीं लेकिन अचानक उनका अंदाज-ए-बयां बदल गया।3 नवंबर को वसुंधरा राजे ने झालावाड़ में कहा था, "...मुझे लग रहा है कि मैं अब रिटायर हो सकती हूं। अगले ही दिन (4 नवंबर) उन्होंने एक सभा में कहा, "आपको ये बहुत क्लियर करना चाहती हूं कि कहीं नहीं जा रही हूं मैं, अभी नॉमिनेशन फाइल करके ही निकल रही हूं। कहीं रिटायरमेंट की बात मत अपने ध्यान में रखना।" पार्टी और राजनीति को लेकर वसुंधरा के बनते बिगड़ते मूड की वजह क्या है? इसका संकेत जयपुर में 27 सितंबर को मिला। उस दिन जयपुर में शाम 7 बजे से रात के दो बजे तक एक मीटिंग हुई जिसमें अमित शाह, जेपी नड्डा और पार्टी के दूसरे दिग्गज भी थे लेकिन वसुंधरा नहीं थीं। उनकी नाराजगी के चर्चे चल ही रहे थे। इसलिए तरह-तरह की अटकलें भी लग रही थीं लेकिन वसुंधरा अचानक पहुंचीं।वह बैठक में सिर्फ 15 मिनट रहीं और मुस्कुराती हुई चली गईं। वसुंधरा के करीबी बताते हैं कि उसी मीटिंग के बाद महारानी को भरोसा हो गया था कि पार्टी ने भले ही मुख्यमंत्री पद का दावेदार घोषित नहीं किया लेकिन अंत में बाजी उनके पक्ष में ही रहेगी। वैसे देखा जाय तो मुख्यमंत्री फेस बनने के लिए भाजपा में दावेदार और भी है। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के साथ ही कई ऐसे नाम हैं जो अपने-अपने तरीके से खुद को इस रेस में मान रहे हैं। इनमें आमेर से एमएलए और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सतीश पूनिया, केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत के नाम शामिल हैं।इनके अलावा राजस्थान के सियासी गलियारे में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के नाम की भी सुगबुगाहट है। इनके अलावा स्थानीय नेता गुलाब चंद कटारिया, राजेंद्र राठौर और किरोड़ी लाल मीणा, धर्म का कमंडल और जाति का मंडल लेकर चलने वाले बाबा बालकनाथ , अर्जुन मेघवाल जैसे नेता भी शामिल हैं जो अपने हिसाब से खुद के लिए अभियान चला रहे हैं। हालांकि इनमें कोई भी नेता खुलकर अपनी दावेदारी पर बात नहीं कर रहा है। इनमें एक नाम हाल में और जुड़ गया राजकुमारी दीया का जो राजस्थान के राजसमंद से सांसद हैं। वह जयपुर के पूर्व महाराज भवानी सिंह की बेटी हैं।

चुनावपूर्व सर्वेक्षण: हकीकत और फ़साना

डॉ. चक्रपाल सिंह

चुनावपूर्व सर्वेक्षणः हकीक़त और फ़साना
डॉ। चक्रपाल सिंह

पांच राज्यों की विधान सभा के लिए चुनावी प्रक्रिया जोरों पर है। मिजोरम में चुनाव संपन्न भी हो चुके हैं। अंतिम चुनाव परिणाम तो 03 दिसंबर 2023 को ही आएंगे। लेकिन, राजनैतिक पर्यवेक्षक, बुद्धिजीवी, लेखक, पत्रकार तथा सैफोलॉजिस्ट इत्यादि इत्यादि चुनाव पूर्व सर्वेक्षणों द्वारा संभावित चुनाव परिणामों का अनुमान लगाने में व्यस्त हैं। आलम ये है कि नित्य नए सर्वेक्षण और उसके निष्कर्ष प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक एवं सोशल मीडिया में आना शुरू हो चुके हैं। कुछ के आना वाकी हैं। यह सिलसिला चुनाव तिथियों की औपचारिक घोषणा होने से पूर्व जारी है। दूसरी तरफ विभिन्न राष्ट्रीय व क्षेत्रीय दलों में दावों-प्रतिदावों, आरोपों-प्रत्यारोपों की गलाकाट चुनावी प्रतियोगिता अपने चरमोत्कर्ष पर है। चुनावी आपाधापी के गलगंजन में बुनियादी जन समस्याओं की आवाज़ गुम है या फिर सिरे से गायब है। जनता में उदासीनता छाई हुई है। सड़कों पर सरपट दौड़ती गाड़ी एवं भोंपुओं की कनफोडू ध्वनि भी इस निराशा जनित उदासीनता को नहीं तोड़ पा रही है। इसके कारण भी ठोस हैं .थोती घोषणा तथा झूठे वायदों के चलते जनता की नजरों में जनप्रतिनिधियों की साख इस स्तर तक गिर चुकी है कि अब उनकी बातों, भाषणों व विचारों को गंभीरता से सुनने, उन पर ऐतबार करने को जनता कतई तैयार नहीं है। आज सिद्धांत, विद्यांत, आदर्श व वादर्श की बात करना जनता की नजर में घोर अनैतिक, राजनीतिक छद्मता, बौद्धिक बेईमानी व जालसाजी साबित हो चुके हैं। जनता के प्रति नेताओं की चिंताएं खोखली व अवास्तविक नजर आती हैं। क्योंकि ये सब राजनैतिक स्वार्थ एवं सत्ता मोह से प्रेरित एवं निर्देशित हैं , जिसमें नीति एवं नीयत के अंतर्विरोध की बू आती है। आरक्षण, आरक्षण के अन्दर आरक्षण, आरक्षण के बाहर आरक्षण जैसी अनगिनत राजनीतिक तुरुप की कुटिल चालों में नीति एवं नीयत के अंतर्विरोधों की बदबू ने जनता को नेताओं से मुँह फेरने के लिए बाध्य कर दिया है। इस स्थिति में विश्व के विशालतम लोकतंत्र की चुनावी नब्ज को सर्वेक्षण के वैरो मीटर द्वारा निश्चित डिग्री (अंकों) में नाप पाना संभव नहीं लगता है। फिर यह किसी सच से कम सच नहीं है कि भारत के दूर दराज गांवों व कस्बों में फैले, विभिन्न भौगोलिक, सामाजिक व आर्थिक परिवेश में रह रहे 20 या 25 हज़ार मतदाताओं की राय संपूर्ण मतदाताओं की राय का प्रतिनिधित्व कभी नहीं कर सकती है। स्पष्ट कर दें कि मतदाता यानी जनता पतीले में खौलते पानी में पकता चावल नहीं है। जिसमें से एक चावल निकाला, मसला और पूरी पतीली के चावलों के पके होने का अनुमान लगा लिया। मतदाता जीता जागता इंसान है, जिसकी अपनी बुद्धि, विवेक, सोचने विचारने की क्षमता है और वह अपनी इस क्षमता का प्रयोग टाट के घेरे में मतदान केंद्र पर रखी ईवीएम का बटन दबा कर करता है। बार बार चुनाव तथा अपराधिक होती राजनीति तथा जानमाल की जोखिमपूर्ण भयावह स्थितियों एवं परिस्थितियों ने उसे इतना चतुर तो बना ही दिया है कि वह अपने अंतिम फैसले की अभिव्यक्ति ईवीएम पर ही करता है। जिसकी सही सही जानकारी किसी को नहीं देना वर्तमान माहौल में उसके सुरक्षित जीवन के लिए अनिवार्य भी है। यही कारण है कि हर चुनाव में ये सर्वेक्षण गलत साबित होते हैं। कभी किसी का, तो कभी किसी का अनुमान सही बैठता है। लेकिन किसी के अनुमान हरबार सही नहीं बैठते हैं । यदि ये सर्वेक्षण वास्तविक वैज्ञानिक विधियों पर आधारित होते हैं, तो इनके अनुमान में अंतर क्यों होता है ? ऐसा तो है नहीं कि हर एक सर्वेक्षण अलग अलग वैज्ञानिक सांख्यिकी विधि का प्रयोग करता है। जब विधि एक है, तो अनुमान भी लगभग समान होने चाहिए। लेकिन ऐसा कभी होता नहीं है। कहने का अर्थ सिर्फ इतना है कि जीते जागते इंसान को चावल की तरह नहीं जांचा परखा जा सकता है, लेकिन इस मत (जनता) का दुर्भाग्य ही यही है कि उसे हमेशा बेजान चावल की तरह ही समझा गया है, जो पतीली में खौलते पानी में भात ! बनने के लिए मजबूर है। विडंबना, तो ये है कि इन सर्वेक्षणों का आधार आमजन की भात ! बनने की मजबूरियां नहीं हैं। मुद्दा विहीन होते जा रहे चुनावों में एक बार फिर क्षेत्र, जाति एवं धर्म आधारित समीकरण 21 वीं सदी की गंभीर होती समस्याओं जैसे आर्थिक असमानता तथा असमान शिक्षा की लगातार चौड़ी होती जा रही खतरनाक खाई, बढ़ती जनसंख्या, गरीबी, बेरोजगारी, भारतीय कृषि, किसान एवं उद्योग पर कसते निजीकरण एवं भूमंडलीकरण के शिकंजे पर हावी नजर आ रहे हैं। इनको लेकर चुनावी मुद्दा बनाना किसी की प्राथमिकता में नहीं है। न ही इन मुद्दों पर कोई भी चुनावपूर्व सर्वेक्षण करने को तैयार है। कोई भी सरकारों की पांच वर्ष की उपलब्धियों पर जनता की राय जानना ही नहीं चाहता है। कोई भी सरकारों व उनके मुखियाओं से यह पूछने का नैतिक साहस नहीं दिखाता है कि उसके घोषणा पत्र में किए गए कितने वादे ज़मीन पर नजर आ रहे हैं? आखिर! क्यों नहीं पूछे जाने चाहिए? और क्यों नहीं पूंछे जाते हैं? सिर्फ और सिर्फ भावनात्मक मुद्दों के द्वारा जनता को छल, चुनावी वैतरणी पार करने की नापाक कोशिश जारी हैं आंकड़ों के भयानक बियाबान में आम जनता की आवाज, उसकी सोच, समस्या एवं दर्द भटका दिए गए हैं। स्थिति यह है कि मतदान होने व चुनाव के अंतिम परिणाम आने से पूर्व ही सरकारें बनाई व बिगाड़ी जा रही हैं। सर्वेक्षण जिसके पक्ष में जा रहे हैं, वे इसे अपनी लोकप्रियता एवं संभावनाओं के प्रमाण के तौर पर जनता को विश्वास दिलाने में उपयोग कर रहा है। जिसके विरुद्ध जा रहे हैं, वह चुनाव आयोग के पास इन पर प्रतिबंध लगाने की बात कर रहा है। वो बात अलग है कि सर्वेक्षण के इस खेल में सभी अपने अपने स्तर पर शामिल हैं। इन भ्रमपूर्ण स्थितियों के मध्य पढ़ा लिखा मध्यम वर्ग खुले मस्तिष्क से वस्तुस्थिति का आंकलन व समय का इंतजार करने के बजाय सर्वेक्षणों के निष्कर्षों के शव विच्छेदन करने में लगा हुआ है। यह जानते व समझते हुए भी कि ये सर्वेक्षण न केवल एक पेशेवर अंदाज में किए जाते हैं बल्कि विभिन्न दलों के समर्थक ग्रुपों द्वारा लक्षित राजनीतिक उद्देश्यों एवं दलगत स्वार्थों हेतु प्रायोजित किए जाने की कुसंस्कृति का अभिन्न हिस्सा भी हो चुके हैं।

भारत में हो रहे एकदिवसीय क्रिकेट विश्व कप में ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने मंगलवार को अफगानिस्तान के खिलाफ जो पारी खेली, वह अनोखी थी। उस नाबाद 201 के रन की पारी को वर्षों तक याद रखा जाएगा। 292 रन का पीछा करते हुए 100 रन पर सात विकेट गंवा चुकी ऑस्ट्रेलियाई टीम को जीत दिलाना किसी चमत्कार से कम नहीं है। यह कर के दिखाया है ग्लेन मैक्सवेल ने। चोटिल होने के बावजूद अफगानिस्तान के गेंदबाजों के सामने चट्टान की तरह खड़े रहे। दर्द से कराहते रहे। लड़खड़ाते रहे। जरूरत पड़ी तो धीरे-धीरे मानों रेंगते हुए रन भी दौड़ते रहे, लेकिन हार नहीं मानी और नतीजा हम सभी के सामने है। आज हर किसी के जुबान पर मैक्सवेल का नाम है। हीरो ऐसे ही तो बनते हैं। बीते दिन जिस-जिस ने ऑस्ट्रेलिया-अफगानिस्तान का मैच देखा वह आने वाली पीढ़ियों को इसके बारे में जरूर बताएगा। इस मैच की कहानी और मैक्सवेल के जज्बे के जरिए उन्हें प्रेरित करने की कोशिश करेगा। जीवन में आने वाले उतार-चढ़ाव का सामना करने के लिए मैक्सवेल जैसे हीरो की कहानी की ही तो जरूरत होती है। यह कुछ वैसा ही था, जैसा कपिल देव ने 1983 के विश्व कप में जिम्बाब्वे के खिलाफ किया था। उस वक्त 17 रन पर पांच विकेट गंवा चुकी टीम इंडिया के लिए कपिल देव संकटमोचक बने थे। उनकी 175 नाबाद पारी ने हार की कगार पर खड़ी टीम को विश्व चैंपियन बनने का भरोसा दिलाया था। हमारे परिजन जो उस वक्त शायद हमारी उम्र के या हमसे छोटे रहे होंगे, हमें उनकी कहानियां सुनाकर ही तो प्रेरित करते हैं। हम आने वाली पीढ़ी को जो किस्से सुनाएंगे, उसमें मैक्सवेल की यह पारी भी होगी। सिर्फ खिलाड़ी ही नहीं, आम आदमी भी इससे बहुत कुछ सीख सकता है। हमारे रोजमर्रा की जिंदगी में कई अड़चनें आती हैं। कई हम आसानी से स्वीकार कर लेते हैं और कई बार उसका डटकर सामना करते हैं। ऐसे में जो लोग हार मानने को मजबूर हो जाते हैं, उनके लिए मैक्सवेल का करनामा बूस्टर जैसा हो सकता है। बस जरूरत है तो उसे आत्मसात करने की।

मैक्सवेल की नाबाद 201 रन की पारी ने उनकी छवि ही बदल कर रख दिया है। अब तक कहा जाता था कि मैक्सवेल जिस मैच में चलते हैं, उसे जिताकर ही दम लेते हैं, लेकिन अब जब तक मैक्सवेल क्रीज पर रहेंगे, उनके देश और उनके फैंस की जीत की उम्मीद बरकरार रहेगी। हमारी भारतीय टीम में पूर्व क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर और महेंद्र सिंह धोनी जैसे खिलाड़ियों ने भी तो कुछ ऐसा ही किया था। अभी विराट कोहली भी तो यही कर रहे हैं। मैक्सवेल अब तक ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करने वाले विध्वंसक बल्लेबाज के तौर पर जाने जाते थे, पर अब उनके नाम के साथ करिश्माई बल्लेबाज का तमगा भी जुड़ जाएगा। सचिन, धोनी और कोहली जैसे खिलाड़ियों की फेहरिश्त में उनका नाम भी लिया जाएगा।

मैक्सवेल की पारी ने कई पुराने ऐसे किस्सों को ताजा कर दिया है, जिसे आज भी याद किया जाता है। मेरे अब तक के जीवनकाल में कुछ ही ऐसी पारियां हैं, जिनकी यादें आज भी जहन में हैं। यहां हम 2011 के धोनी के उस विश्व विजयी छक्के की बात नहीं करेंगे, जिसने पूरे भारत को जश्न मनाने पर मजबूर कर दिया था। हम याद करेंगे दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज ग्रेम स्मिथ की उस पारी को, जहां उन्होंने टूटे हुए हाथ के साथ ऑस्टेलियाई गेंदबाजों की आग उगलती गेंदों का सामना किया था। वाकया है 2009 का, जब अफ्रीकी टीम ऑस्ट्रेलिया का दौरा कर रही थी। सिडनी में खेले गए तीसरे टेस्ट मैच अफ्रीका हार की कगार पर थी। उनके कप्तान के बाएं हाथ में फ्रैक्चर था, वे रिटायर्ड हर्ट होकर वापस पवेलियन जा चुके थे, लेकिन जब टीम को उनके देश को उनकी जरूरत पड़ी तो वह मैदान में उतरे। चोट के बावजूद मिचेल जॉनसन और पीटर सिडल का सामना किया। स्मिथ अपनी टीम को जीत तो नहीं दिला सके, लेकिन उनका दृढ़ संकल्प उनका देश के प्रति समर्पण का जज्बा आज भी जेहन में है।

कुछ ऐसा ही जज्बा और समर्पण कल मैक्सवेल ने दिखाया। उन्होंने अपनी ताकत पर भरोसा रखा। ताबड़तोड़ बल्लेबाजी से ही तो उनकी पहचान बनी थी। उन्होंने इस पर भरोसा रखा और अफगानी गेंदबाजों की जमकर क्लास ली। उन्होंने पैट कमिंस के साथ 202 रन की पार्टनरशिप की। मैक्सवेल के करिश्मे का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि इस 202 रन की साझेदारी में 179 रन मैक्सवेल के थे। मैक्सवेल 21 चौके और 10 छक्के जड़े।

ज्योतिर्मय जीवन का पर्व है दीपावली

मुनि चैतन्य कुमार अमान

दीपावली का पर्व ज्योतिका पर्व है, प्रकाश का पर्व है। भारतीय परम्परा में एक मात्र दीवाली का ऐसा पर्व है जो जन जीवन को अन्धकार से प्रकाश की ओर ले जाने वाला पर्व है। यद्यपि अन्धकार मे कोई भी रहना नहीं चाहते सबको ही प्रकाश प्रिय है। यह प्रकाश का पर्व सबको ज्योतिर्मय बनने की प्रेरणा देता है। जिस दिन हमारी अन्तर आत्मा पर आई हुई कर्मो की कालिमा दुर हट जाएगी उस दिन शाश्वत और अन्तहीन आलोक जगमगा उठेगा। आज पूरा संसार अज्ञान के अन्धकार में भटक रहा है। अज्ञान खलु कष्टं अज्ञान कष्ट कर है। आंतरिक अंधकार आदमी को चौरासी लाख जीवा योनि में भटकता रहता है।

दीपावली के अवसर पर लोग दीपकों की कतार से घरों को रोशन करते हैं। परन्तु मिट्टी के दीप जले तो क्या, न जले तो क्या भले तो क्या, जीवन में दीप जलाओ तो दीवाली है। सचमुच मोहमाया के सघन अंधकार को मिटाकर ही आलोक प्रसारित किए जा सकता है।

मिट्टी का एक प्रज्ज्वलित दीप सैकड़ों-हजारों दीपकों जला सकता है। बशर्ते उसमें स्नेह (तेल) और बाती ले। यदि जीवन में ज्ञान का स्नेह और श्रद्धा की बाती हो तो उस आत्मदीप जलते ही भीतर का परमात्मा ज्योतित हो उठेगा। भगवान महावीर का दिव्य भव्य जीवन चरित्रहर बार सुनने को मिलता है। राज महलों में जन्म लेने वाला एक बालक राज्य वैभव को त्याग कर साधना के बीहड़ पथ पर चल पड़ता है। मौन तप और ध्यान साधना के द्वारा अज्ञान का पर्दा दूर हट जाता है और कैवल्य को प्रकट कर लेता है। उस अलौकिक पुरुषने जनता -जर्नादन में धर्म ज्ञान के बीजों को वपन कर शान्ति का मार्ग प्रशस्त करता है। असीमित संग्रह वृति, सत्ता प्राप्ती की लोलुपता, शस्त्रास्त्र की अंधी दौड़ में मानव खतरनाक मोड़ पर खड़ा है इससे मानव जीवन को सुरक्षित रह पाना असंभव प्रतीत हो रहा है। यदि मानव को सुरक्षित और शान्तिमय जीवन जीना है तो उसे महावीर की अहिंसा और निःशस्त्रीकरण की नीति कोअपनाना ही होगा।

कार्तिक कृष्णा अमावस्या की रात्रि अंधकार से प्रकाश, मृत्युसे अमरत्व, असत से सत की ओर ले जाने वाली रात्रि है। भगवान महावीर का निर्माण, गणधर गौवन को केवल ज्ञान वाली शुभ रात्रि है। सनातन परम्परा के श्री राम के वनवास पूर्णता के पश्चात अयोध्या आगमन की रात्रि है।जीवन में आनन्द हर्ष उल्लास और आमोद-प्रमोद का संचार करने वाला दीपावली का पर्व अविधा अज्ञान के मूलोच्छेदन का पर्व है। किन्तु जो लोग अनाप शनाप अर्थ (धन) को खर्च कर आतिशबाजी करते है वे असंख्य जीवों की हिंसा का कारण बनते है वे वातावरण को प्रदुषित करते है।स्वास्थ्य की दृष्टि से शारीरिक तथा मानसिक व भावनात्मक नुकसान कर आत्मा को कर्मों से भारी बनाते है।आज अपेक्षा है उस महाज्योति महावीर की स्मृति स्तुति करें उनके आदर्शों को जीवन में आत्म सात करें। जिससे व्यक्तिगत जीवन, पारीवारिक व स्वास्थ्य की दृष्टि से अच्छा रह सकेगा।

जीते-जागते कब्रिस्तान

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

देशभर में पहुँचे हुए लोग पहुँचे हुए शौक पालते हैं। मसलन घर में कुत्ता-बिल्ली पालते हैं और वृद्धाश्रमों में बड़े-बूढ़े। कुत्ते-बिल्ली दिखने और लगने में बड़े क्यूट होते हैं जबकि बड़े-बूढ़े बड़े बोरिंग और पकाऊ। घर में डॉगी पालने के ठाठ होते हैं और बड़े-बूढ़ों को साथ में रखने से किच-किच होती है। सुबह-शाम जहाँ-तहाँ जब देखो तब पक-पक करते रहते हैं। डॉगी और किटी का गोद में बैठना, पीठ पर चढ़ना और पैरों को चाटना कितना सुहाता है। वहीं बूढ़ों के मुँह लगना तो दूर उनके नज़दीक जाना भी कितना डिस्गस्टिंग होता है। छीः-छीः ऐसे लोगों का साथ में रखना मतलब घर आने वाले लोगों के सामने नाक कटाने के बराबर है। इसीलिए ऐसे लोगों के लिए वृद्धाश्रम ही ठीक होते हैं। दोनों को पालने के अपने अलग-अलग फायदे हैं और दोनों की देखभाल में भी काफी अंतर होता है। किंतु इन्हें जानवर कहने की भूल बिल्कुल मत करना। बल्कि डॉगी की देखभाल में जहां अधिक समय देना होता है, वहीं, किटी की देखभाल में कम समय लगता है। वहीं बूढ़ों को पालने में जमीन-आसमान भी कर दें तब भी त्रिशंकु बनकर लटकना पड़ता है। द यंग जनरेशन फॉर प्रिवेंशन ऑफ ओल्ड पिपुल के मुताबिक, इंसान के बच्चों से भी डॉगी या किटी के बच्चे बड़े प्यारे लगते हैं। बूढ़े तो खूसड़ लगते हैं। ऐसे में जरूरी है कि अगर आपके घर में किटी के बच्चे यानी किटन हैं, तो उन्हें थपकी दे-देकर सुलाइए। कोशिश करें कि किटन को ज्यादा बाहर भी लेकर न जाएं। दरअसल, बाहर ले जाने से किटन को कई तरह की बीमारियां लग सकती हैं। बूढ़ों को बाहर रखो या भीतर कुछ फर्क नहीं पड़ता क्योंकि उनके होने न होने का कोई मतलब नहीं है। इसीलिए ऐसों के लिए वृद्धाश्रम ही सही जगह होती है। वहाँ एक जैसे लोग घुमा-फिरा के एक जैसी बातें करते हैं, क्योंकि उनकी समस्या एक जैसी होती है। देखभाल किसी भी डॉगी-किटन के लिए बेहद जरूरी है। ऐसे में जरूरी है कि उन्हें डॉक्टर के पास ले जाएं और उनकी देख-रेख करें। बूढ़ों का क्या है। जितना जीना था जी लिया, अब तो उनके मरने की बारी है। उनकी देखभाल करना मतलब दवादारू में पैसे बेकार करने के बराबर है। किटी को दिन में चार बार खाना देना चाहिए। यदि आपके घर में डॉग और बिल्ली दोनों हैं, तो ध्यान रखें कि, बिल्ली को डॉग का खाना खिलाने से बचें। ऐसे में जरूरी है कि उसे हमेशा बिल्लियों वाला खाना ही खिलाएं। बूढ़ों का क्या जूठन भी चल जाएगा। नहीं भी देंगे तो कुछ कहने वाले थोड़े न है। वैसे भी जो बूढ़े बन जाते हैं उन्हें सिर्फ सुनने की आदत डाल लेनी चाहिए। अच्छी साफ-सफाई डॉगी-किटी के लिए बेहद जरूरी होती है। बूढ़ों के लिए सफाई की जरूरत नहीं होती है। क्योंकि उनके बच्चे बूढ़ों की पूरी तरह से सफाई करने के सारे इंतजाम करके रखते हैं। जब भी बिल्ली के शरीर से बदबू आने लगे, तब आप उसे ठंडे पानी से नहला सकते हैं। बता दें कि, गर्म पानी बिल्ली के शरीर को नुकसान पहुंचा सकता है। इसके अलावा बिल्ली के बालों को रोज ब्रश करना चाहिए।

दीपावली 12 को, 5 राजयोगों में होगी लक्ष्मी पूजा

घर
दुकान, ऑफिस और कारखाने में पूजन के मुहूर्त, आसान स्टेप्स में विधि और आरती

दीपावली पूजन के मुहूर्त

सर्वश्रेष्ठ मुहूर्त	शाम 5:40	से	रात 8:16
घर में पूजा के लिए	शाम 5:41	से	रात 8:57
दुकान, ऑफिस और कारखानों के लिए	दोपहर 1:15	से	दोपहर 2:58
	शाम 5:41	से	रात 8:57
प्रतियोगी परीक्षा देने वालों के लिए	रात 9:00	से	रात 10:34
सन्यासियों और साधकों के लिए	रात 12:19	से	रात 2:32

लक्ष्मी जी की आरती

ॐ जय लक्ष्मी माता मैया जय लक्ष्मी माता।
तुमको निसदिन सेवत, हर विष्णु विधाता॥
ॐ जय लक्ष्मी माता....

उमा, रमा, ब्रम्हाणी, तुम जग की माता।
सूर्य चद्रंमा ध्यावत, नारद ऋषि गाता॥
ॐ जय लक्ष्मी माता....

दुर्गारूप निरंजन, सुख संपत्ति दाता।
जो कोई तुमको ध्याता, ऋद्धि सिद्धी धन पाता॥ ॐ जय लक्ष्मी माता....

तुम ही पाताल निवासनी, तुम ही शुभदाता। कर्मप्रभाव प्रकाशनी, भवनिधि की त्राता॥ ॐ जय लक्ष्मी माता....

जिस घर तुम रहती हो, ताँहि में हैं सद् गुण आता सब सभव हो जाता, मन नहीं घबराता॥ ॐ जय लक्ष्मी माता....

तुम बिन यज्ञ ना होता, वस्त्र न कोई पाता।
खान पान का वैभव, सब तुमसे आता॥
ॐ जय लक्ष्मी माता....

शुभ गुण मंदिर सुंदर क्षीरनिधि जाता।
रत्न चतुर्दश तुम बिन, कोई नहीं पाता॥
ॐ जय लक्ष्मी माता...

महालक्ष्मी जी की आरती, जो कोई नर गाता। उँर आंनद समाता, पाप उत्तर जाता॥
ॐ जय लक्ष्मी माता....

दीपावली 12 नवंबर को है। इस बार लक्ष्मी पूजा के लिए 6 मुहूर्त हैं, जो दोपहर 1.15 से रात 2.32 तक रहेंगे। इनमें हर वर्ग के लोग (घर, दुकान, ऑफिस और कारखाने में) अपने हिसाब से खास मुहूर्त में पूजा कर सकते हैं।

इस बार दीपावली पर कई ऐसे शुभ योग भी बन रहे हैं, जो लक्ष्मी पूजन से लेकर नए कामों की शुरुआत के लिए शुभ रहेंगे। दीपावली पर आठ शुभ योग बन रहे हैं। इनमें पांच राजयोग और अन्य 3 शुभ योग रहेंगे। ऐसा संयोग पिछले 700 साल में नहीं बना।

समृद्धिदायक अष्टमहायोग में लक्ष्मी पूजन...दीपावली पर गजकेसरी, हर्ष, उभयचरी, काहल और दुर्धरा नाम के पांच राजयोग बन रहे हैं। जो शुक्र, बुध, चंद्रमा और गुरु की स्थिति से बनेंगे। इनके अलावा महालक्ष्मी, आयुष्मान और सौभाग्य भी बन रहे हैं। लक्ष्मी पूजा के वक्त ऐसा संयोग सदियों में बना है।

पुराणों में दीपावली का जिक्र...

स्कंद और पद्म पुराण के मुताबिक इस दिन दीपदान करना चाहिए। ब्रह्म पुराण कहता है कि कार्तिक अमावस्या की आधी रात में लक्ष्मी अच्छे लोगों के घर आती हैं इसलिए घर की सफाई और सजावट के बाद दीपावली मनाने की परंपरा है।

श्रीमद्भागवत और विष्णुधर्मोत्तर पुराण के मुताबिक समुद्र मंथन से कार्तिक महीने की अमावस्या पर लक्ष्मी प्रकट हुई थीं। इसके बाद लक्ष्मी पूजन की परंपरा शुरू हुई।

ब्रह्म पुराण की कथा के मुताबिक महाराज पृथु ने पृथ्वी दोहन कर इसे धन-धान्य से समृद्ध बनाया, इसलिए दीपावली मनाते हैं।

मार्कंडेय पुराण कहता है, जब धरती पर सिर्फ अंधेरा था तब एक तेज प्रकाश के साथ कमल पर बैठी देवी प्रकट हुईं। वो लक्ष्मी थीं। उनके प्रकाश से ही संसार बना इसलिए इस दिन लक्ष्मी पूजा की परंपरा हैं। वहीं, श्रीराम के अयोध्या लौटने के स्वागत में दीपावली मनाने की परंपरा है।

पूजा की सामग्री

दीपावली की पूजा विधि

गणेश जी को प्रणाम करें।
दाएं हाथ में जल लेकर तीन बार आचमन करें।

पूजा में बैठे सभी लोगों को तिलक लगाएं।
पूजा का संकल्प लें।

दीपक के पास फूल और अक्षत चढ़ाकर प्रणाम

गौरी-गणेश पूजन

भगवान गणेश और देवी गौरी की मूर्ति पर जल चढ़ाएं।

कलावा, जनेऊ, चंदन, अक्षत, फूल और माला चढ़ाएं। इत्र लगाएं।

धूप-दीप दर्शन करवाएं। भोग लगाएं। घंटी बजाकर जल छोड़ें। पान चढ़ाएं।

ऋतुफल, दक्षिणा चढ़ाएं। आरती करें।
फूल चढ़ाएं। प्रार्थना करें।

कलश पूजन

कलश पर जल चढ़ाएं।
जनेऊ चढ़ाकर कलश पर स्वस्तिक बनाएं।

अक्षत, फूल, चंदन, इत्र और पूजन सामग्री चढ़ाकर धूप-दीप लगाएं।

नैवेद्य चढ़ाकर आचमन के लिए जल छोड़ें।

ऋतुफल, पान चढ़ाएं। आरती करते हुए घंटी बजाएं।

लक्ष्मी पूजन

हाथ में फूल लेकर लक्ष्मीजी का ध्यान करें फिर मूर्ति पर चढ़ा दें।

मूर्ति पर चार बार जल चढ़ाएं। उसके बाद एक बार सामने की ओर छोड़ दें।

चंदन, अक्षत, फूल माला, अबीर, गुलाल, सिंदूर, इत्र, वस्त्र और श्रृंगार सामग्री चढ़ाएं।

नैवेद्य, ऋतुफल, खील-बताशे चढ़ाएं। पान अर्पित करें। जल छोड़ें और दक्षिणा चढ़ाएं।

देवी पूजन का मंत्र
ॐ श्रीं श्रीये नमः

नरक चतुर्दशी के दिन करें ये खास काम

इस साल नरक चतुर्दशी 11 और 12 नवंबर 2023 को मनाई जाएगी। यह हर साल कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि पर पड़ती है। इसे दिवाली से एक दिन पहले और धनतेरस के एक दिन बाद मनाया जाता है। कहीं कहीं इसे रूप चौदस, नरक चौदस और काली चौदस के नाम से भी जाना जाता है। हिंदू धर्म में नरक चतुर्दशी का विशेष महत्व है। इसको लेकर कई मान्यताएं भी हैं, जो इसे खास बनाती है।

कहा जाता है कि इस दिन घरों में माता लक्ष्मी का आगमन होता है। इसलिए घर की सभी दिशाओं को सही से साफ किया जाता है। हालांकि, नरक चतुर्दशी मनाए जाने के पीछे धार्मिक मान्यता भी हैं। कहते हैं कि नरक चतुर्दशी के दिन भगवान श्रीकृष्ण ने नरकासुर राक्षस का वध किया था। वहीं इस दौरान नरक से बचने के लिए भी कुछ खास उपाय किए जाते हैं। आइए जानते हैं उन उपायों के बारे में।

यम के नाम का दीया

नरक चतुर्दशी के दिन यम के नाम का दीपक जलाने की परंपरा है। माना जाता है कि इस दिन यम देव की पूजा करने से अकाल मृत्यु का डर खत्म होता है।

तेल से मालिश

नरक चतुर्दशी के दिन सुबह उठकर पूरे शरीर में तेल की मालिश करें। इसके बाद स्नान कर लें। कहा जाता है कि चतुर्दशी को तेल में लक्ष्मी जी और सभी जलों में मां गंगा निवास करती हैं। इसलिए तेल मालिश के बाद स्नान करने से देवियों का आशीर्वाद मिलता है।

कालिका मां की पूजा

नरक चतुर्दशी को काली चौदस के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन माता कालिका की पूजा करने से दुख मिट जाते हैं।

भगवान कृष्ण की पूजा

नरक चतुर्दशी के दिन भगवान श्रीकृष्ण की पूजा करना शुभ माना जाता है। ऐसा करने से व्यक्ति की मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

14 दीपक जलाए

इस दिन 14 दीये जलाने का काफी महत्व है। आप इन दियों को निम्नलिखित जगहों पर रखे दें-
पहला दीया रात में घर से बाहर दक्षिण की ओर मुख कर कूड़े के ढेर के पास रखा जाता है।
दूसरा दीये को आप सुनसान देवालय में रख दें। ध्यान रहें इसे घी से जलाए। ऐसा करने से कर्ज से मुक्ति मिल सकती है।
तीसरे दीये को मां लक्ष्मी के समक्ष जलाए और चौथा दीया माता तुलसी के समक्ष जलाते हैं।
ध्यान रहें इस दौरान पांचवां दीया घर के दरवाजे के बाहर जलाता है और छठा पीपल के पेड़ के नीचे।
आप सातवां दीया किसी मंदिर में जलाए। वहीं आठवां दीया घर में जहां कूड़ा रखा जाता है उस जगह पर जलाए।
नौवां दीया घर के बाथरूम में जलाए और दसवां दीया घर की छत की मुंडेर पर।
ग्यारहवां दीया घर की छत और बारहवां दीया खिड़की के पास जलाए।
तेरहवें दिये को बरामदे में जलाकर रख दें। चौदहवां दीया रसोई में जलाए।
अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करें

नहीं छोड़ सकती थी विज्ञापन में काम करने का 'मौका' : सौंदर्या शर्मा

हरुख खान, अक्षय कुमार और अजय देवगन शाही में एक पान मसाला ब्रांड के लिए फ्रेशनर का विज्ञापन करने को लेकर जम कर आलोचना का शिकार हुए है। इस एड में उनके साथ सौंदर्या शर्मा भी नजर आ रही हैं। अक्षय कुमार ने इस मामले में सफाई देते हुए कहा है कि वह कॉन्ट्रैक्ट में हैं और यह पहले का शूट किया गया एड वीडियो है।

इस एड के लिए सौंदर्या शर्मा को भी सोशल मीडिया पर जम कर खरी-खोटी सुननी पड़ी और अब उन्होंने इस एड को लेकर हो रहे विवाद पर चुप्पी तोड़ते हुए बताया है कि आखिर उन्होंने क्यों यह एड की। उन्होंने सबको दो टूक शब्दों में बता दिया है कि अजय देवगन, शाहरुख खान और अक्षय कुमार जैसे फिल्म इंडस्ट्री के तीन दिग्गजों के साथ काम करने को लेकर वह बहुत उत्साहित थीं और यह मौका उनके लिए बहुत मायने रखता था। सौंदर्या का यह भी कहना है कि उन्होंने कभी भी किसी गलत या हानिकारक चीज को प्रमोट करने के बारे में था नहीं सोचा।

सौंदर्या ने कहा, जब मुझे वह एड ऑफर किया गया तो सबसे पहले उ न्हों ने शा हरुख स र, अजय स र औ र अक्षय है सर का जिक्र किया। मैंने सोचा कि क्या यह पर सच है क्योंकि ऐसा पहले कभी नहीं हुआ और में उन तीनों सितारों के साथ स्क्रीन शेयर करना एक एक्ट्रैस के रूप में मेरे लिए अभूतपूर्व बात होगी। फिर उन्होंने माऊथ फ्रैशनर का जिक्र किया। एक पल के लिए मैंने सोचा ठीक है ।

उन्होंने आगे कहा, व्यक्तिगत रूप से मुझे लगता है कि मेरे अंदर की 'बच्ची' इस तथ्य को ले क र वास्तव में उत्साहित हो गई थी कि हे भगवान मैं इन सितारों को स्क्रीन प र देखकर बड़ी हुई हूं।' मेरे लिए तो यह एक सपने के सच होने जैसा था। यह मेरे लि ए ब हु त ब ड़ी बा त थी।

सौंदर्या ने यह भी कहा कि कभी-कभी हमें उन अवसरों को अपनाने के लिए अपनी व्यक्तिगत मान्यताओं और विचार प्रक्रियाओं को अस्थायी रूप से अलग करने की जरूरत होती है, जि न का वास्तव में हम सपना देखते हैं और वे हमें सच में उ त्सा हि त करते हैं। उन्होंने कहा कि वह तो बस उन तीनों के साथ काम करना चाहती थीं।

नहीं सोचा बहुत कुछ

उन्होंने आगे कहा, मैं एक ईमानदार इंसान हूं। किसी ब्रांड या उत्पाद के गलत पहलू को प्रचारित करने के बारे में मैंने कभी नहीं सोचा था। मैं तो बहुत उत्साहित थी । सौंदर्या ने अपनी बात पर जोर देते हुए यह भी कहा, मुझे तो यह लगता है कि आपको मुझसे पूछना चाहिए कि क्या मैं इतनी मूर्ख हो सकती हूं कि ऐसी किसी चीज के लिए मना कर दूं, जहां मुझे उन लोगों के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर करना का मौका मिल रहा हो जिन्हें एक कलाकार के रूप मैंने हमेशा से अपना आदर्श माना । तो यही मेरा एकमात्र विचार था और मैं बस इस बात खुश रहना चाहती थी और मैंने उस क्षण इसके बारे बहुत अधिक नहीं सोचा।

अब तक का करियर

सौंदर्या ने 'रांची डायरीज' और 'थैंक गॉड' सहित कुछ फिल्मों में काम किया है लेकिन पिछले साल सलमान खान के रियलिटी शो 'बिग बॉस 16' में भाग लेने के बाद उसकी लोकप्रियता तेजी से बढ़ी। उसने 'रक्तांचल' और 'कर्म युद्ध' जैसी कुछ वैब सीरीज में भी काम किया है। वह 'मस्त बरसात', 'बड़े दिन से ', 'खूबसूरत' जैसे म्यूजिक वीडियोज का हिस्सा रही है। सौंदर्या अपने फैशन स्टेटमैंट और बोल्ड लुक्स को लेकर भी सोशल मीडिया पर छाई रहती है। आने वाले दिनों में वह हॉलीवुड की एक फिल्म भी करती दिख सकती है। कुछ महीने पहले अपने अगले प्रोजैक्ट पर काम करने के चलते वह लॉस एंजल्स गई थी और वहां हॉलीवुड के एक नामी फिल्ममेकर से भी मिली थी।

दिल्ली की रहने वाली

सौंदर्या दिल्ली की रहने वाली है। उसने स्कूल और कॉलेज की पढ़ाई दिल्ली से ही की है। सौंदर्या ने डेंटल स्टडीज में बैचलर की पढ़ाई पूरी की है यानी वह एक प्रोफैशनल डैंटिस्ट भी है लेकिन उसकी किस्मत में एक्टिंग करना लिखा था।

रावण बनने के लिए 150 करोड़ रुपए लेगें यश

पैन इंडिया फिल्म' के. जी.एफ.' के बाद कन्नड़ सुपरस्टार यश की लोकप्रियता देश-दुनिया में फैल चुकी है। अब खबर है कि काफी सोच- विचार के बाद वह बॉलीवुड में धमाकेदार एंट्री के लिए मन बना चुका है। उसने इसके लिए निर्देशक नितेश तिवारी के महत्वाकांक्षी प्रोजैक्ट 'रामायण' को साइन किया है।

इस संबंध में सबसे अधिक चौंकाने वाली खबर तो यह है कि इसके लिए यश फिल्म निर्माताओं से बतौर फीस लगभग 150 करोड़ रुपए लेने जा रहा है।

सूत्रों की मानें तो फिल्म के लिए नितेश तिवारी ने रणबीर कपूर को राम, साई पल्लवी को सीता और यश को रावण के रोल के लिए कास्ट किया है। फिल्म की शूटिंग अगले साल फरवरी तक शुरू हो सकती है।

इतना ही नहीं, कहा जा रहा है कि यश ने इस फिल्म को खुद बॉलीवुड में एंटी के तौर पर चुना है और इसके लिए 100 से 150 करोड़ रुपए के

बीच चार्ज कर रहा है। उसकी फीस 100 करोड़ रुपए कम से कम होगी, जो उसकी शूटिंग के दिनों के बढ़ने के हिसाब से और बढ़ती जाएगी। बॉडी बनाने पर शुरू किया काम रामायण में यश एकदम अलग तरह की लुक में नजर आएगा। इस बारे में उसने अपनी टीम से विचार करना भी शुरू कर दिया है। साथ ही अपनी बॉडी बनाने पर वह काम शुरू कर चुका है। इस वक्त यश साऊथ और बॉलीवुड दोनों ही फिल्म इंडस्ट्रीज के बीच टाइम मैनेज कर रहा है। 'रामायण' के अलावा उसके पास' के जी.एफ.' का तीसरा पार्ट भी है। यह साल 2025 तक रिलीज होनी है। इसके लिए यश अगले साल के अंत तक शूटिंग शुरू करेगा।

अक्षरा हासन ने खरीदा इक आशियाना न्यारा '

साऊथ सुपरस्टार कमल हासन और अभिनेत्री सारिका की छोटी बेटी अक्षरा हासन ने साल 2015 में फिल्म 'शमिताभ' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। इस फिल्म में उसने 'बिग बी' यानी अमिताभ बच्चन और धनुष के साथ अभिनय किया था। फिल्म में उसके अभिनय की काफी सराहना हुई थी। अब तक कई हिन्दी और तमिल फिल्मों का हिस्सा रह चुकी अक्षरा कुछ समय से बड़े पर्दे से दूर है। हालांकि, अपनी निजी जिंदगी के कारण वह अक्सर सुर्खियों में बनी रहती है और इन दिनों वह मुम्बई में एक घर खरीदने को लेकर चर्चा में है। सूत्रों के अनुसार अक्षरा ने मुंबई के खार इलाके में एक लग्जरी प्रोजैक्ट में 15.75 करोड़ रुपए में एक फ्लैट खरीदा है। अक्षरा का नया घर 2,354 वर्ग फुट में फैला है और 15 मंजिला एकता वर्व टावर की 13वीं मंजिल पर स्थित है। रजिस्ट्रेशन डॉक्यूमेंट्स के अनुसार इस फ्लैट के साथ तीन कार पार्क करने की जगह भी उसे पार्किंग में मिली है। अक्षरा के फ्लैट में संलग्न बालकनी है और उसने इस फ्लैट को खरीदने के लिए 94.50 लाख रुपए बतौर स्टैम्प ड्यूटी भुगतान किया है।अक्षरा अपनी मां सारिका के साथ मुंबई में रहती है। कमल हासन और सारिका ने 2002 में तलाक ले लिया था। पिछले साल एक तमिल फिल्म में नजर आई अक्षरा अभिनय के अलावा अलग-अलग सामाजिक कामों के लिए जानी जाती है। जल्द ही वह एक और तमिल फिल्म में नजर आएगी।

मुझमें व कंगना में 'बड़ा अंतर' है : फातिमा सना शेख

हाल ही में फिल्म 'धक धक' में नजर आई फातिमा सना शेख जल्द ही फिल्म 'सैम बहादुर' के साथ अपने अभिनय का दम खम दिखाने के लिए तैयार है। मेघना गुलजार निर्देशित इस फिल्म में वह भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका निभा रही है। कंगना रनौत भी फिल्म ' एमरजैंसी' में इंदिरा गांधी की भूमिका में दिखेगी इसलिए इस किरदार को लेकर फातिमा और कंगना की तुलना हो रही है।

इस रोल को लेकर फातिमा ने कंगना के साथ तुलना किए जाने के बारे में बात करते हुए कहा कि जहां वह अपनी सक्रिप्ट के अनुसार अपना किरदार निभा रही है, वहीं कंगना अपना किरदार अलग तरह से निभा रही हैं। अगर दो कलाकार एक ही भूमिका निभा रहे हैं तो तुलना है। होना स्वाभाविक है और इसमें कुछ गलत नहीं है दोनों दृष्टिकोण सही हो सकते हैं। यह सब चरित्र की भावना के बारे में है।

उसने 'एमरजैंसी' में कंगना की लुक के बारे में भी बात की। फातिमा ने कहा, मैंने कंगना की लुक देखी है और यह वास्तव में अच्छी है। सभी को उनकी लुक पसंद आई।

दरअसल, एक भी शख्स ऐसा नहीं था, जिसे उनकी इंदिरा गांधी वाली लुक पसंद न आई हो। बालों और मेकअप के साथ वह बहुत अच्छी दिख रही थीं और देखने में वह पूर्व प्रधानमंत्री की

तरह लग रही थीं।

'सैम बहादुर ' में किरदार के लिए तैयारी के लिए फातिमा ने इंदिरा के बारे में बहुत कुछ पढ़ा। उसने कहा कि कंगना उस समय का इंदिरा का किरदार निभा रही हैं, जब वह काफी बड़ी थीं और वह खुद उससे पहले के समय से उनका किरदार निभा रही है। इंदिरा गांधी का सफर दिलचस्प है और लोगों को स्वतंत्रता सेनानियों, शासकों और सम्राटों के बारे में अधिक बात करनी चाहिए, क्योंकि सभी को पता चले कि क्या हुआ।

मैं ईरान से होने के नाते एक ईरानी हूं, फिर भी दिल है हिंदुस्तानी... : एल्नाज नौरोजी

फिर भी 'दिल है हिंदुस्तानी'

मैं ईरान से होने के नाते एक ईरानी हूं, फिर भी मुझमें कुछ तो भारतीय है। मुझे नहीं पता यह क्या है लेकिन मुझे लगता है जैसे मैं यहीं की हूं।

ईरान में जन्मी और जर्मनी में पली-बढ़ी एल्नाज जैसे मैं यहीं की हूं। नौरोजी ने अनुराग कश्यप और विक्रमादित्य मोटवाने की वैब सीरीज 'सैक्रेड गेम्स' से डेब्यू करके अपनी एक अलग पहचान बनाई। इसके बाद वह 'मेड इन इंडिया' और 'नागिन जैसी कमर हिला' म्यूजिक एलबमों से लेकर 'हैलो चार्ली', 'जुग जुग जीयो', 'कंधार' जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी है। गत दिनों उसने वैब सीरीज 'मेड इन हैवन' के दूसरे सीजन को लेकर भी काफी चर्चा बटोरी। अन्य देश से भारत आकर इतनी लोकप्रियता और सफलता अर्जित करने वाली एल्नाज को आज खुद पर गर्व है और वह इतना प्यार देने तथा उसे खुले दिल से अपनाने के लिए भारतीयों की शुक्रगुजार भी है ।

2015 में भारत आने पर एक नए देश में घर जैसा स्वागत होने पर वह इस देश और इसके लोगों के साथ गहरा जुड़ाव महसूस करती है। वह गर्व से कहती है, मैं ईरान से होने के नाते एक ईरानी हूं, फिर भी दिल है हिंदुस्तानी... मुझमें कुछ तो भारतीय है। मुझे नहीं पता यह क्या है लेकिन मुझे लगता है

इतने वर्षों तक भारत में रहने के बाद मैंने आजादी को महत्व देना सीख लिया है। वास्तव में, इसका अर्थ समझने की मेरी यात्रा तब शुरू हुई जब मैंने जर्मनी में रहना शुरू किया, और जब से मैं भारत में रह रही हूं तब से यह भावना और भी मजबूत हो गई है। ऐसा इसलिए है क्योंकि मैंने लोगों को ईरान में उनके बुनियादी अधिकारों के लिए लड़ते देखा है। अब, मैं जहां भी जाती हूं, वहां स्वतंत्रता को महत्व देती हूं। भारत एक बहुत उदार देश है। मैं इसका सम्मान करती हूं और यह महत्वपूर्ण है। मैं कामना करती हूं कि मे रे दे श के लोगों को भी यह आ जा दी जल्द मिले। चाहती है ईरानी और भारतीय रीति-रिवाज से शादी करना अपनी पि छ ली वैब सीरीज 'मेड इन हैवन 2' में एक दुल्हन का रोल करने वाली एल्नाज बताती है कि असल जिंदगी में वह काफी रोमांटिक इंसान है। वह शुरू में शादी नहीं करना चाहती थी, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में उसका हृदय परिवर्तन हो गया है।

वह कहती हैं, अगर आपने मुझसे कुछ साल पहले शादी के बारे में मेरे विचार पूछे होते तो मैं कहती नहीं, मैं शादी नहीं करना चाहती ! अब, मुझे लगता है कि समय के साथ मेरे विचार बहुत बदल गए हैं। मैं काफी रोमांटिक इंसान हूं और मुझे लगता है कि आ ज क ल रोमांटिक लो गों का मि ल ना का फी दुर्लभ है। मैं निश्चित तौर पर शादी करना चाहती हूं। मुझे लगता है कि मैं भारतीय और ईरानी रीति-रिवाजों के साथ शानदार अंदाज में शादी करना चाहूंगी।

इस वजह से लेखिका से निर्माता बनीं ताहिरा कश्यप, निर्देशक ने इंटरव्यू में बताई वजह

बॉलीवुड इंडस्टी की जानी-मानी निर्देशक ताहिरा कश्यप फिल्मों से ज्यादा बयानों को लेकर चर्चा में रहती हैं। लेखिका ताहिरा कश्यप ने फिल्म 'शर्माजी की बेटी' का निर्देशन कर निर्माता के रूप में शुरूआत की है। हाल ही में, एक इंटरव्यू में निर्देशक ने अपनी फिल्म के बारे में बात की, जिसे मामी फिल्म फेस्टिवल 2023 में सराहा गया था। बता दें कि ताहिरा कश्यप अभिनेता आयुष्मान खुराना की पत्नी हैं।

मामी फेस्टिवल में मिली स्टैंडिंग ओवेशन

हाल ही में एक मीडिया बातचीत में, ताहिरा कश्यप ने बताया कि इस फिल्म को स्टैंडिंग ओवेशन मिला, जब दो बार मामी मुंबई फिल्म फेस्टिवल में पेश किया गया। निर्माता ने आगे बताया कि जब फिल्म को स्टैंडिंग ओवेशन मिला तो मेरा दिल खुशी से भर गया। खासतौर पर इसलिए क्योंकि यह एक ऐसी फिल्म है, जिसमें महिलाओं को प्रमुखता से दिखाया गया है।

महिलाओं पर आधारित हैं कहानी

ताहिरा कश्यप ने बातचीत को आगे बढ़ाते हुए कहा, 'मेरा फिल्म निर्माता बनने का एकमात्र कारण लोगों के दिलों तक पहुंचना था। मैं चाहती हूं कि इस स्थिति में हर कोई दयालु बने। सहानुभूति होनी चाहिए। 'शर्माजी की बेटी' फिल्म महिलाओं पर आधारित फिल्म है, जो विभिन्न आयु वर्ग की महिलाओं के इर्द-गिर्द घूमती है।'

निर्देशक ने कही यह बात

निर्देशक ने बताया कि इस फिल्म के सभी किरदारों में उनका ही एक हिस्सा है। ताहिरा कश्यप ने कहा, 'फिल्म के सभी किरदारों में थोड़ा-बहुत मेरा अंश है। मैंने अपनी किशोरावस्था को जीया है'। उन्होंने कहा कि जब उन्होंने फिल्म फेस्टिवल में फिल्म दिखाई, तो कुछ लड़के लडकियां मेरे पास आए, जो लगभग 19 वर्ष के होंगे। उन सभी ने अपना अनुभव साझा कर बताया कि उन्हें भी ऐसा ही लगता है। इस फिल्म को देख उन सभी ने तारीफ की।

12वीं फेल के असल हीरो मनोज कुमार शर्मा से मिले विक्रांत, पोस्ट साझा कर आईपीएस को दिया धन्यवाद

अभिनेता विक्रांत मैसी अपनी बेहद अलग विषयों पर आधारित फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। इस समय अभिनेता अपनी हालिया रिलीज फिल्म '12वीं फेल' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म को दर्शकों से ही नहीं, बल्कि सेलेब्स से भी सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। अब फिल्म की सफलता के बाद हाल ही में, विक्रांत मैसी ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर एक पोस्ट साझा कर फिल्म के असल जीवन के नायक आईपीएस मनोज कुमार शर्मा का आभार व्यक्त किया है।

विक्रांत मैसी को '12वीं फेल' की सफलता के बाद के साथ अपने अभिनय करियर में एक अच्छा ब्रेक मिला है। अभिनेता ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर असल जीवन के नायक मनोज कुमार शर्मा आईपीएस को हार्दिक धन्यवाद दिया है। तो चलिए जानते हैं कि अभिनेता ने क्या लिखा है।

विक्रांत मैसी ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, सर, आप मेरे हीरो हैं। आप मेरे आदर्श हैं। यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे आप जैसे सरल और नेक इंसान का किरदार सिल्वर स्क्रीन पर निभाने का मौका मिला।

विक्रांत ने आगे लिखा, न केवल मेरे लिए बल्कि इस देश में लाखों लोगों के लिए रोल मॉडल बनने और मुझे वास्तविक जीवन में अपना #Restart पल देने के लिए मैं हमेशा आपका ऋणी रहूंगा।

बता दें कि निर्माता विधु विनोद चोपड़ा की फिल्म 12वीं फेल 27 अक्तूबर 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म में विक्रांत मैसी के अलावा मेधा शंकर, संजय बिश्नोई और हरीश खन्ना भी हैं। इस फिल्म को दर्शकों और आलोचकों से सकारात्मक समीक्षा मिल रही है। विधु विनोद की '12वीं फेल' आईपीएस अधिकारी मनोज कुमार शर्मा की वास्तविक जीवन की कहानी से प्रेरित है।

पाक की गोलीबारी में वीरगति को प्राप्त हुए बीएसएफ जवान ने बचाई थी दर्जनों सैनिकों की जान

नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)। जम्मू में गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास पाकिस्तानी रेंजर्स की अकारण गोलीबारी में वीरगति को प्राप्त हुए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के हेड कांस्टेबल लाल फाम कीमा को गुरुवार को अंतिम विदाई दी गई। लाल फाम कीमा के कमांडिंग ऑफिसर रहे सुखमिंदर ने एक पोस्ट में लिखा है कि वह एक 'निडर' सैनिक थे, जिन्होंने एक बार जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के करीब एक आतंकवादी रोधी अभियान के दौरान अपने दर्जनों साथियों की जान बचाई थी। जम्मू-कश्मीर में 1998 की सर्दियों में एक अभियान के दौरान गूल गांव में मिट्टी के घर के अंदर छिपे एक आतंकवादी को मार गिराने के लिए कीमा ने अपनी एलएमजी खाली कर दी थी।

1996 में बीएसएफ में शामिल हुए थे कीमा

कीमा के तत्कालीन कमांडिंग ऑफिसर (सीओ) ने उस ऑपरेशन को याद करते हुए एक भावनात्मक पोस्ट लिखा, जिसे बीएसएफ के कई अधिकारियों ने सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म्स पर शेयर किया।

भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे जम्मू के रामगढ़ सेक्टर में गुरुवार को पाकिस्तानी रेंजर्स की बिना उकसावे वाली गोलीबारी में 50 साल के कीमा वीरगति को प्राप्त हो गए थे। आइजोल के रहने वाले हेड कॉन्स्टेबल कीमा 1996 में सीमा सुरक्षा बल में शामिल हुए थे और वर्तमान में बीएसएफ की 148वीं बटालियन में तैनात थे, जिसे अंतरराष्ट्रीय सीमा की हिफाजत का जिम्मा सौंपा गया है।

'25 साल से सुना रहा हूं बहादुरी के किस्से'

कीमा के पूर्व सीओ सुखमिंदर (पोस्ट में केवल पहले नाम का उल्लेख किया गया है) ने उन्हें याद करते हुए कहा कि जब उन्होंने सीमा पर एक बीएसएफ जवान की मौत की खबर सुनी, तो इस अकारण गोलीबारी में अपने पुराने सहयोगी के मारे जाने के डर के चलते उनके मन में उथल-पुथल मच गई। पूर्व सीओ ने कहा कि वह युवा अधिकारियों और सैनिकों को बीते कई वर्षों से 'एलओसी पर लगभग 25 साल पहले चलाए गए एक अभियान के दौरान कीमा द्वारा दिखाई गई बहादुरी और सतर्कता के किस्से सुनाते आ रहे हैं।'

सीओ ने सुनाई खतरनाक ऑपरेशन की कहानी

इस पोस्ट में जिक्र किया गया है कि आतंकी मिट्टी के एक घर के अंदर छिपे हुए थे और सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ के बाद उन्होंने फिदायिन हमला कर खुद को उड़ा लिया, ताकि आसपास मौजूद बीएसएफ जवानों को भी मारा जा सके। पोस्ट के मुताबिक, घर के अंदर से धुंआ निकल ही रहा था कि बीएसएफ की टीम उसमें घुस गई और 3 आतंकियों को मृत पाया। पोस्ट में पूर्व सीओ ने कहा कि तभी अचानक जोर से चिल्लाने की आवाज आई कि 'तुम साला पिन निकलेगा।' इसके बाद एलएमजी से जोरदार गोलीबारी हुई और सभी खुद को बचाने के लिए छिपने लगे।

और कीमा ने बचा ली दर्जनों सैनिकों की जान

पूर्व सीओ ने लिखा,'गोलीबारी करने वाले कोई और नहीं, बल्कि लाल फाम कीमा ही थे। दरअसल, उन्होंने आखिरी सांसें ले रहे एक आतंकी को ग्रेनेड से पिन हटाते हुए देख लिया था। मिट्टी के घर में धमाके के बाद जब बाकी जवान अंदर घुसकर तलाशी में व्यस्त थे, तब कीमा हमेशा की तरह सतर्क रहते हुए सभी गतिविधियों पर नजर रखे हुए थे। अपनी सतर्कता के कारण ही उन्होंने ग्रेनेड से पिन निकालते आतंकी को देख लिया था।' पूर्व सीओ के अनुसार, अगर आतंकी पिन निकालने में कामयाब हो जाता, तो दर्जनों सैनिकों को अपनी जान गंवानी पड़ती और सफल ऑपरेशन के लिए की गई सारी मेहनत मिट्टी में मिल जाती।

पहाड़ों पर तेज बर्फबारी से एमपी में बढ़ेगी सर्दी

भोपाल, 10 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में ठंडक बढ़ने लगी है। पश्चिम विक्षोभ के कारण जम्मू कश्मीर लद्दाख, गिलगित, बाल्टिस्तान और मुजफ्फराबाद में 11 नवंबर को हल्की से मध्यम बारिश ऊंची पहाड़ियों पर बर्फबारी होने की संभावना है। मौसम विभाग में हिमाचल प्रदेश की कुछ हिस्सों और उत्तराखंड के निचले इलाकों में बारिश और ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी होने की संभावना जताई है। जिसके कारण प्रदेश में भी तापमान में कमी आएगी और सर्दी का सितम बढ़ेगा। वेस्टर्न डिस्टरबेंस के एक्टिव होते ही राजधानी की ओर से आने वाली ठंडी हवाओं के रुकने से अब यहां तापमान बढ़ने लगा है इसके चलते भोपाल में अगले तीन दिन तक तापमान के बढ़ने का अंदेशा है। अभी फिलहाल दिन का तापमान गर्म रहेगा, जबकि रात ठंडा। अभी रात का पर 17 डिग्री के आगे पहुंच गया है वहीं शहर में लगातार पांच में दिन भी पारा 33 डिग्री के पार है।

क्यों बदल रहा है मौसम

उत्तरी भारत में वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) के एक्टिव होने से ठंडी हवाएं मध्य प्रदेश में नहीं आ पा रही है। यह सिस्टम अगले तीन दिनों तक एक्टिव रहेगा इस वजह से दिन में गर्मी का असर है 12 नवंबर से भोपाल समेत प्रदेश के हिस्सों में रात में ठंड का असर बढ़ने की उम्मीद है 20 से 25 नवंबर के बीच ठंड अपना असर दिखाएगी।

भोपाल में रिकॉर्ड गर्मी

नवंबर में भोपाल में रिकॉर्ड गर्मी पड़ रही है। दिन का तापमान लगातार बढ़ रहा है वही 9 नवंबर को रिकॉर्ड 34 डिग्री तक टेंपरेचर पहुंच गया था। अगले 24 घंटे के बारे में मौसम विभाग का अनुमान है कि आसमान में हल्के बादल छाए रहेंगे और दिन में गर्मी के साथ उमस का भी असर देखने को मिलेगा।

हीरो मोटोकॉर्प के चेयरमैन पवन मुंजाल की 24.95 करोड़ की संपत्ति ईडी ने जब्त की

नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय ने शुक्रवार को कहा कि उसने हीरो मोटोकॉर्प के कार्यकारी अध्यक्ष पवन कांत मुंजाल के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत उनकी 24.95 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त कर ली है। केंद्रीय एजेंसी ने एक बयान में कहा, दिल्ली स्थित मुंजाल की तीन अचल संपत्तियों को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत अस्थायी रूप से कुर्क किया गया है। इसमें कहा गया है कि मुंजाल हीरो मोटोकॉर्प लिमिटेड के सीएमडी और चेयरमैन हैं और उनकी संपत्ति करीब 24.95 करोड़ रुपये है। ईडी ने अगस्त में मुंजाल और उनकी कंपनियों के खिलाफ

पीएमएलए मामला दर्ज करने के बाद छापेमारी की थी, जो राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) के आरोप पत्र का संज्ञान लेने के बाद दायर किया गया था, जिसमें उन पर अवैध रूप से भारत से विदेशी मुद्रा/मुद्रा ले जाने का आरोप लगाया गया था। ईडी ने कहा, अभियोजन पक्ष की शिकायत में आरोप लगाया गया है कि 54 करोड़ रुपये के बराबर विदेशी मुद्रा/विदेशी मुद्रा अवैध रूप से भारत से बाहर ले जाया गया था।

भारत-बांग्लादेश सीमा के करीबी गांव से नकली नोटों का कारोबार

कोलकाता, 10 नवंबर (एजेंसियां)। पुलिस ने नकली नोटों के मामले में दो अलग-अलग मामलों में गिरफ्तारी की है और दोनों ही मामलों में गिरफ्तार आरोपी का कनेक्शन भारत-बांग्लादेश सीमा के करीब एक गांव मालदा से है। अब यह सवाल उठ रहा है कि यह सच में कोई संयोग है या फिर मालदा में इस तरह के अपराधों को बड़े पैमाने में अंजाम दिया जा रहा है। कोलकाता पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने बड़ी कार्रवाई में एक बड़े नकली भारतीय मुद्रा नोट (एफआईसीएन) रैकेट का भंडाफोड़ किया है। साथ ही टीम ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है और 12 लाख रुपये से अधिक मूल्य के नकली नोट बरामद किए

हैं। सिटी पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि इस सिलसिले में गिरफ्तार किए गए व्यक्ति की पहचान 23 वर्षीय अल्ताफ शेख के रूप में की गई है। पुलिस अधिकारी ने कहा कि उसके कब्जे से नकली भारतीय मुद्रा नोटों के कुल 2400 पीस बरामद किए गए हैं, जिनमें से प्रत्येक का फेस वैल्यू 500 रुपये है। गिरफ्तार आरोपी पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा के करीब बैष्णबनगर का निवासी है। पुलिस अब एफआईसीएन की इतनी बड़ी खेप के सोर्स को जानने के लिए उससे पूछताछ कर रही है। जांच अधिकारियों को बांग्लादेशियों से जुड़े एक अंतरराष्ट्रीय एफआईसीएन रैकेट के शामिल होने का संदेह है। दो महीने से भी कम समय के अंतराल में यह तीसरी बार है जब शहर में एफआईसीएन रैकेट का भंडाफोड़ हुआ है। इससे पहले 10 अक्टूबर को एसटीएफ ने नकली नोटों की बड़ी खेप के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया था। उनके पास से 500 रुपये फेस वैल्यू के कुल 600 नकली नोट बरामद किए गए थे। इस सिलसिले में गिरफ्तार किए गए दो लोगों की पहचान रेजाउल करीम और जमीरुल के रूप में की गई थी। वे मालदा जिले के बैष्णबनगर इलाके के निवासी थे। इसी साल 18 सितंबर को अधिकारियों ने एक व्यक्ति को 500 रुपये फेस वैल्यू के 300 नकली नोटों के साथ गिरफ्तार किया था। संयोग से, गिरफ्तार व्यक्ति भी मालदा में भारत-बांग्लादेश सीमा के करीब एक गांव का निवासी था। सिटी पुलिस अधिकारी ने कहा कि 2,000 रुपये के नोटों को चरणबद्ध तरीके से बंद करने के साथ एफआईसीएन डीलर फिर से 500 रुपये के जाली मूल्य की जाली मुद्राओं के प्रचलन में वापस आ गए हैं, जो हाल की सभी बरामदगी से स्पष्ट है।

कर्नाटक में नाबालिग लड़की से गैंगरेप वीडियो बनाकर किया ब्लैकमेल

मांड्या, 10 नवंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के मांड्या जिले में नाबालिग लड़की से सामूहिक बलात्कार कर उसका वीडियो बनाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह घटना मद्दुरु शहर पुलिस स्टेशन की सीमा में हुई और गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान पुनीथ, मंजूनाथ और सिद्दराजू के रूप में हुई। पुलिस के अनुसार पिछले महीने मैसूरु में दशहरा समारोह के दौरान पुनीत की पीड़िता से दोस्ती हुई थी और बाद में वे एक-दूसरे के साथ घनिष्ठ हो गए। पुलिस ने बताया कि 4 नवंबर को वह उसे मद्दुरु के एक लॉज में ले गया। जहां उसने अपने अन्य दो दोस्तों के साथ मिलकर बलात्कार किया।

महाराष्ट्र में चोरों के हौंसले बुलंद

पुलिस दल पर गाड़ी चढ़ाकर भागने का किया प्रयास, दो सिपाही घायल

पालघर, 10 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पालघर जिले में एक गिरोह द्वारा चुराए गए मवेशियों को कथित तौर पर ले जा रहे वाहनों को रोकने के प्रयास में दो पुलिसकर्मी घायल हो गए। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारी के मुताबिक, दो कथित मवेशी चोरों को गिरफ्तार किया गया है जबकि तीन गाय और एक भैंस को उनके चंगुल से छुड़ाया गया है। अधिकारी ने बताया कि गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस के एक गश्ती दल ने दो वाहनों (इनोवा और स्कोर्पियो कार) और कई मोटरसाइकिलों को रोका, जो तड़के करीब पांच बजे जिले में मनोर की ओर जा रहे थे।

कार सवार चोरों ने रफ्तार तेज कर भागने का किया प्रयास

अधिकारी के मुताबिक, इनोवा कार ने रफ्तार तेज कर भागने का प्रयास किया। इसके बाद जब उपनिरीक्षक रवींद्र वानखेड़े ने गाड़ी को रोकना चाहा तो कार उन्हें कुचलती हुई एक पुल की रेलिंग से जा टकराई। अधिकारी ने बताया कि पुलिसकर्मी राकेश पाटिल ने अन्य वाहन को रोकने का प्रयास किया, जिसमें उनके हाथ में चोट आई है। अधिकारी ने बताया कि पुलिसकर्मियों को चोट आने के बावजूद दल ने इनोवा, स्कोर्पियो और दो मोटरसाइकिलों को जब्त कर लिया।

दो को गिरफ्तार कर लिया गया

पालघर (देहात) के जिला पुलिस उपाधीक्षक बालासाहेब पाटिल ने बताया कि चुराए गए मवेशियों को लाने-ले जाने में शामिल नौ लोगों में से दो को गिरफ्तार कर लिया गया है जबकि अन्य अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकले। पालघर पुलिस ने भारतीय दंड संहिता, शस्त्र अधिनियम और पशु क्रूरता निवारण अधिनियम के तहत हत्या के प्रयास सहित दो मामले दर्ज किए हैं।

आरजेडी विधायकों पर बीजेपी एमएलए श्रेयसी सिंह का बड़ा आरोप

कहा- 'जहरीला प्रदार्थ मिलाकर लड्डू बांटा जा रहा था

पटना, 10 नवंबर (एजेंसियां)। पूर्व सीएम जीतन राम मांझी को लेकर दिए गए सीएम नीतीश के बयान से अभी बिहार की राजनीति गरमाई हुई है। इसको लेकर एनडीए के नेता सदन के बाहर सीएम नीतीश से इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। वहीं, इस विवाद पर बीजेपी विधायक श्रेयसी सिंह ने शुक्रवार को कहा कि नीतीश कुमार का संस्कार गिर गया है। जहरीला प्रदार्थ मिलाकर लड्डू बांटा जा रहा था कि हमलोग का दिमाग खराब हो जाए। नीतीश कुमार विधानसभा में नियम का पालन नहीं करते हैं। मुख्यमंत्री और विधानससभा स्पीकर दलित की बात नहीं सुनते हैं। मांझी उलूल-जुलूल बात नहीं करते हैं। यह सरकार महिला विरोधी है और एससी विरोधी है।

'मुख्यमंत्री नीतीश कुमार तो दोषी हैं ही'

बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने कहा कि विधानसभा के अभिरक्षक अध्यक्ष हुआ करते हैं। इस बात का दुख है कि सदन के अध्यक्ष (अवध बिहारी चौधरी) सत्ता पक्ष के पक्ष में अपना सारा निर्णय दे रहे हैं, जो इस संविधान और जनतंत्र के लिए घातक है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार तो दोषी हैं ही, लेकिन हमारे अध्यक्ष भी उनसे कम दोषी नहीं हैं। बता दें कि विधानसभा में आरक्षण संशोधन विधेयक को लेकर गुरुवार को चर्चा हो रही थी। पूर्व मुख्यमंत्री मांझी ने इस दौरान चर्चा में भाग लेते हुए जातीय सर्वे पर ही सवाल उठा दिया। उन्होंने कहा कि क्या सरकार कभी इसका विश्लेषण किया है कि आरक्षण का लाभ लोगों को मिल रहा है। इतना सुनते ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भड़क गए और खड़ा होकर बोलने लगे। उन्होंने कहा कि जीतन राम मांझी को कोई ज्ञान नहीं है। मेरी मूर्खता की वजह से सीएम बन गए। उन्होंने आगे बीजेपी की ओर इशारा करते हुए कहा कि ये गवर्नर बनना चाहता है, पहले भी आप लोगों के पीछे घूमता था, बनवा दीजिए गवर्नर। वहीं, इस बयान को लेकर शुक्रवार को बीजेपी विधायक व मांझी विधानसभा परिसर में धरने पर बैठ गए हैं। नीतीश से इस्तीफे की मांग कर रहे हैं।

दिल्ली में 35% बढ़े बुजुर्गों के साथ लूटपाट के मामले, इस साल 14 बुजुर्गों की हुई हत्या

नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में होना वाले अपराध के मामले अब बुजुर्गों के साथ होने वाली लूटपाट की तरफ बढ़ गये हैं। चाहे साइबर ठग हों या फिर रेकी करने के बाद घर में घुसकर लूटपाट करने वाले बदमाश, इन सबके निशाने पर बुजुर्ग ही होते हैं। जिनको बंदूक की नोक पर रखकर लूट को अंजाम दिया जा सकता है। दिल्ली पुलिस के आंकड़ों के मुताबिक बीते एक साल में ऐसे अपराधों में 35 प्रतिशत की बढोतरी हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस साल अगस्त में तीन बाइक सवार लोगों ने सागरपुर में फिजियोथेरेपी के लिए जा रहे 74 वर्षीय मोहन लाल छाबड़ा पर हमला कर दिया। उन्होंने उनको बार-बार चाकू मारा और उनके गहने-नकदी लेकर भाग गए, जब वह गिरे तो उनकी मौत हो चुकी थी। छाबड़ा उन 14 लोगों में से एक थे जिनकी बदमाशों ने लूट-पाट के इरादे से हत्या कर दी।

बुजुर्गों के साथ लूटपाट के दर्ज हुए 85 मामले

इस साल की बात करें तो बुजुर्गों के साथ लूटपाट के 85 से अधिक मामले दर्ज किए गये। पिछले साल जनवरी से सितंबर तक सिर्फ 63 मामले ही रजिस्टर किए गये थे, लेकिन इस साल ये आंकड़ा बढ़कर 85 हो गया है। जोकि पिछले साल की तुलना में 35 प्रतिशत अधिक है। इन मामलों में बुजुर्गों के साथ हत्या, हत्या का प्रयास, डकैती, चोरी, साइबर अपराध और यौन उत्पीड़न जैसे मामलों को रेखांकित किया गया है।

'गंभीर चिंता का विषय है बुजुर्गों के साथ ऐसी घटनाओं का होना'

बूढ़े लोगों के साथ बढ़ रही ऐसी आपराधिक घटनाओं को गंभीर चिंता का कारण माना जा रहा है। ऐसा लग रहा है दिल्ली में सबसे ज्यादा बुजुर्ग ही असुरक्षित हैं, घर के कार्मिक वर्ग के लोगों में भी इसको लेकर चिंता है क्योंकि यह अपराध विशेषकर उनके साथ हो रहे हैं जो अशक्त हैं।

होटल के कमरे में फांसी के फंदे पर लटकी मिली चार दिन पुरानी लाश, भोपाल का रहने वाला था युवक

दमोह, 10 नवंबर (एजेंसियां)। दमोह कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत कचोरा मार्केट के पास सत्कार लॉज के कमरा नंबर 23 में रात एक युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल शुरू की। हैरानी की बात यह है कि चार दिन से मृतक फांसी पर लटका रहा, लेकिन लॉज संचालक ने रूम चेक नहीं कराया जबकि रूम से बदबू आती रही और आसपास के लोग परेशान होते रहे। जानकारी के अनुसार लॉज के कमरा नंबर 23 में जिस युवक का शव लटका मिला है उसकी पहचान भोपाल कृष्णा नगर निवासी चेतन राम पिता अशोक कुमार ठाकरे 39 के रूप में की गई है। युवक 6 नवंबर की दोपहर 3:10 पर होटल में ठहरने आया था गुरुवार को होटल में दुर्गंध आने पर उसका शव बरामद हुआ।

फायरब्रांड नेत्री को लेकर भाजपा कन्फ्यूज, उमा भारती ने सभा खराब होने की शंका जाहिर की

भोपाल, 10 नवंबर (एजेंसियां)। फायरब्रांड नेता व पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती को लेकर भारतीय जनता पार्टी इस बार पूरी तरह कन्फ्यूज नजर आ रही है। पार्टी तय नहीं कर पा रही है कि वो उमा से इस विधानसभा चुनाव में प्रचार करवाए या नहीं। दरअसल, बात ये है कि पहले खुद उमा भारती का प्रचार न करने का एलान करना। इसके बाद भाजपा का उन्हें स्टार प्रचारक न बनाना और फिर अचानक उमा की सभाएं और दौरा कार्यक्रम तय हो जाना। इसके बाद उमा का एक बार फिर सभा न करने की बात कहना। इस बात की तरफ इशारा करता है कि भाजपा और उमा के बीच कुछ भी ठीक नहीं है और बीजेपी उनको लेकर कुछ निर्णय नहीं ले पा रही है। उमा की भूमिका पर लगातार सस्पेंस बनता नजर आ रहा है।

गोविंद राजपूत का नुकसान बचा

इधर, उमा भारती ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा कि सागर जिले की सुरखी विधानसभा से जो तकनीकी कठिनाई आई कि स्टार प्रचारक अश्विनी वैष्णव वहां थे और मैं मोबाइल से भोपाल से उस सभा में भाषण कर रही थी। वैष्णव जी ने वहां पहुंचकर अपना बड़प्पन दिखाया अन्यथा गोविंद सिंह को लाभ की जगह हानि पहुंच गई होती।

उमा की चिंता

एक अन्य पोस्ट में उमा ने अचानक बने इस प्रचार

दौरे पर बताया कि मेरा तो झांसी में इलाज चल रहा था। मुझे तो यहां बुलवा लिया गया और फिर मैं प्रचार में पहुंच भी नहीं सकी। मुझे बुलाने वाले उम्मीदवारों ने सर्वत्र मेरे आने की चर्चा भी कर दी, अब मैं उनके लिए चिंतित हूं कि सुरखी जैसा सब जगह ना हो जाए।

संकट में नहीं डालना, नहीं करूंगी प्रचार

उमा ने एक अन्य पोस्ट में बताया कि अब मुझे आगे किसी उम्मीदवार को संकट में नहीं डालना। इसलिए अब मेरी कोई सभा नहीं होगी, सिर्फ भगवान से सबकी विजय के लिए प्रार्थना होगी। मैं स्वयं से वचनबद्ध हूं कि देश का,राज्य का और मोदी जी का कभी अहित नहीं करूंगी। 15 तारीख को दोपहर को टीकमगढ़ पहुंच जाऊंगी क्योंकि 17 को सुबह अपने गांव में वोट डालना है।

यमुनोत्री में हुई बर्फबारी

सात जिलों में बारिश और ओलावृष्टि का येलो अलर्ट

देहरादून, 10 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड में आज मौसम ने फिर करवट बदली। पहाड़ से मैदान तक बादल छाए हैं। वहीं, मौसम विभाग की ओर से सात जिलों में बारिश और ओलावृष्टि का येलो अलर्ट जारी किया गया है। ऊंचाई वाले इलाकों में बारिश होने से मैदानी इलाकों में ठंड बढ़ सकती है। मौसम विभाग के निदेशक बिक्रम सिंह के मुताबिक आज उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर, पिथौरागढ़, देहरादून, टिहरी में बारिश के साथ ओलावृष्टि भी हो सकती है। वहीं, अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हल्की बर्फबारी भी हो सकती है।

यमुनोत्री में बर्फबारी

यमुनोत्री धाम सहित आसपास के इलाकों में बर्फबारी हुई। वहीं, यमुना के मायके खरशालीगांव, जानकीचट्टी, नारायण पुरी, फूलचट्टी हनुमान चट्टी क्षेत्र में बारिश, बड़कोट क्षेत्र में बारिश का मौसम बना हुआ है। बर्फबारी के चलते धाम में ठंड बढ़ी। यमुनोत्री धाम से पुरोहित सुनील उनियाल ने बताया कि धाम में डेढ़ घंटे से बर्फबारी हो रही है। जिससे धाम में ठंड बढ़ गई है।

गंगोत्री धाम में जमने लगे नदी-नाले

गंगोत्री धाम में भागीरथी (गंगा) नदी का जल और नलों का पानी जमने लग गया है। रात का तापमान माइनस 6 से 7 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच रहा है। सुबह और शाम को हाड़ कंपाने वाली ठंड पड़ रही है।

केदारनाथ में माइनस आठ डिग्री पहुंचा तापमान

केदारनाथ में बर्फबारी से शीतलहर का प्रकोप अपने चरम पर है। केदारनाथ में अधिकतम तापमान छह डिग्री और न्यूनतम माइनस आठ डिग्री रहा।

मध्य प्रदेश में अचानक क्यों बढ़ी झाबुआ के 'कड़कनाथ' मुर्गे की मांग? दाम सुन हो जाएंगे हैरान

झाबुआ, 10 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनावों के तहत 17 नवंबर को होने वाले मतदान से पहले झाबुआ के कड़कनाथ मुर्गे की मांग बढ़ने के साथ ही इसके दामों में इजाफा दर्ज किया गया है। काले रंग के पौष्टिक मांस के लिए मशहूर इस मुर्गा प्रजाति को जियोग्राफिकल इंडिकेशन्स (जीआई) का तमगा हासिल है। झाबुआ के कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) के वैज्ञानिक डॉ। चंदन कुमार ने बताया,''ठंड के मौसम की शुरुआत हो गई है और चुनावों का भी समय है। ऐसे में कड़कनाथ की मांग 30 से 40 प्रतिशत बढ़ गई है।'' उन्होंने बताया कि देश भर के पोल्ट्री फार्म संचालक कड़कनाथ मुर्गे की शुद्ध नस्ल के चूजों के लिए झाबुआ का रुख करते हैं।

चुनाव में रहती है ज्यादा डिमांड

इस नस्ल की शुद्धता बचाने की दिशा में काम करने वाले गैर सरकारी संगठन ''सारा सेवा संस्थान समिति'' के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सुधांशु शेखर ने बताया कि उनकी संस्था के चलाए जाने वाले दो किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के पोल्ट्री फार्म में चुनावों के दौरान कारोबार बढ़ गया है। उन्होंने बताया, ''चुनावों के दौरान मांग में उछाल से कड़कनाथ के एक वयस्क मुर्गे का दाम बढ़कर 1,200 से 2,000 रुपये के बीच पहुंच गया है जो पहले 800 से 1,200 रुपये के बीच बिक रहा था। मांग बढ़ने के कारण हमें इसकी आपूर्ति तेज करनी पड़ी है।''झाबुआ में भील आदिवासियों की बड़ी आबादी रहती है जहां मुर्गा आहार और अर्थव्यवस्था का अविभाज्य अंग है। आदिवासी समुदाय में देवी-देवताओं और पुरखों के लिए किए जाने वाले अलग-अलग अनुष्ठानों में मुर्गे की बलि का रिवाज है। झाबुआ मूल के कड़कनाथ मुर्गे को स्थानीय जुबान में कालामासी कहा जाता है। इसकी त्वचा और पंखों से लेकर मांस तक का रंग काला होता है। कड़कनाथ प्रजाति के जीवित पक्षी, इसके अंडे और इसका मांस दूसरी मुर्गा प्रजातियों के मुकाबले महंगी दरों पर बिकता है।

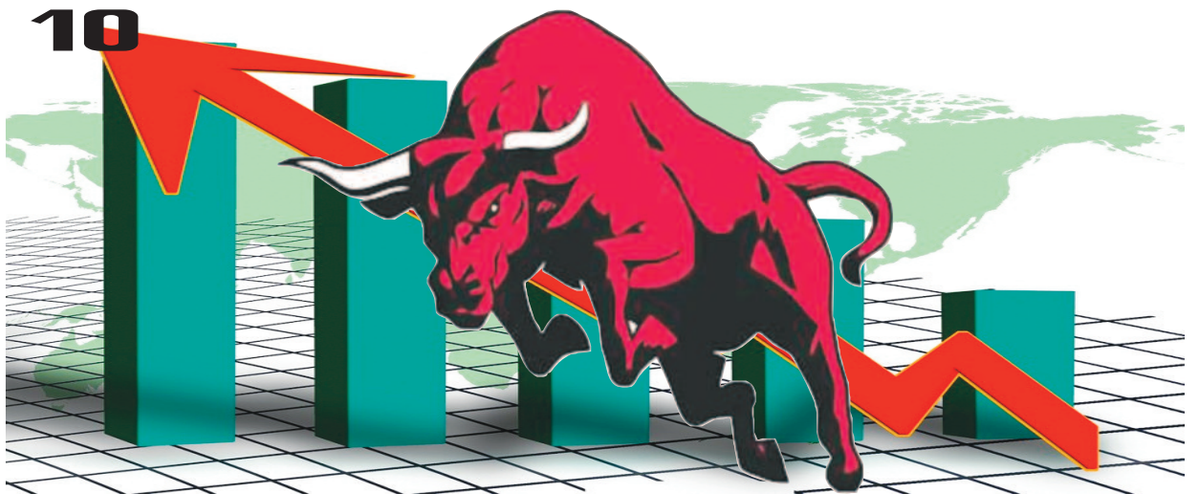

पूर्व आरबीआई गवर्नर रघुराम राजन बोले - मौजूदा आर्थिक विकास दर पर्याप्त रोजगार सृजन के लिए है नाकाफी

नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय अर्थव्यवस्था जिस रफ्तार से मौजूदा समय में विकास कर रही है उससे पर्याप्त संख्या में रोजगार का सृजण करना संभव नहीं है। दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले इस देश को पर्याप्त संख्या में रोजगार पैदा करने के लिए सालाना 8 से 8.5 फीसदी की दर से आर्थिक विकास करना होगा। ये कहना है भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन का।

युवाओं को रोजगार की दरकार

चीन की राजधानी बीजिंग में वीडियो लिंक के जरिए अपने संबोधन में रघुराम राजन ने कहा कि देश की आबादी की जरूरतों और रोजगार की आकांक्षों को पूरा करने के लिए ये जरूरी है कि भारत 8 से 8.5 फीसदी के दर से विकास करे। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के मुताबिक मौजूदा दौर की 6 से 6.5 फीसदी आर्थिक विकास दर दूसरे देशों के मुकाबले बेहतर नजर आती है। लेकिन हमें जितनी संख्या में रोजगार की जरूरत है उस हिसाब से आर्थिक विकास की रफ्तार धीमी है। रघुराम राजन ने कहा कि हमारे देश में युवाओं की बड़ी आबादी है जिन्हें रोजगार की आवश्यकता है।

भारत को बनना होगा मैन्युफैक्चरिंग पावर

पूर्व आरबीआई गवर्नर ने कहा कि चीन और वियतनाम जैसे देश जो मैन्युफैक्चरिंग पावर है उनके साथ मुकाबले करने के लिए भारत को अपने वर्कफोर्स को बेहतर तरीके से तैयार करना बेहद जरूरी है। उन्होंने भारत में आईफोन के प्रोडक्शन का हवाला देते हुए कहा कि भारत वैल्यू चेन को बेहतर करने में जुटा है और उसके नतीजे भी दिखने लगे हैं। लेकिन मोबाइल हैंडसेट की पूरी तरह मैन्युफैक्चरिंग करने के मामले में भारत को अभी काफी लंबा सफर तय करना होगा। उन्होंने कहा कि चिप मैन्युफैक्चरिंग के मामले में चीन का इंवोशन शानदार रहा जिसमें भारत बहुत पीछे है।

इंफ्रास्ट्रक्चर पर सरकार ने बढ़ाया खर्च

रघुराम राजन ने कहा कि हम महामारी से रिकवर कर रहे हैं और भारत की अर्थव्यवस्था स्थिर विकास के संकेत दे रही है।

उन्होंने कहा कि आधारभूत ढांचे पर सरकार अब ज्यादा खर्च कर रही है, बैंकों के बैलेंसशीट की सफाई और अपर मिडिल क्लास की ओर बेहतर डिमांड के चलते विकास में तेजी नजर आ रही है।

ग्लोबल बाजार में चीनी के दाम 12 साल के उच्च स्तर पर

क्या भारत में भी बढ़ेंगी कीमतें?

नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में चीनी की कीमत 28 सेंट प्रति पाउंड से बढ़कर 12 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई हैं। भारत से निर्यात में भारी गिरावट और ब्राजील में लॉजिस्टिक दिक्कतों के कारण चीनी की सप्लाई में कमी देखी जा रही है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में चीनी की कीमत लगातार कई सालों के उच्चतम स्तर पर पहुंच रही है। अंतर्राष्ट्रीय चीनी संगठन द्वारा अनुमानित 15-दिवसीय औसत कीमत हाल के हफ्तों में 26 सेंट से ऊपर रही है।

भारत में चीनी के एक्सपोर्ट पर फिलहाल है प्रतिबंध

भारत ने चीनी पर निर्यात प्रतिबंध बढ़ा दिया है। यहां भाव बढ़ने के बाद ऐसा किया गया है। सरकार चाहती है कि कीमत नियंत्रण में रहे, खासकर त्योहारी सीजन के दौरान। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा चीनी उत्पादक देश है और निर्यात में कटौती का असर वैश्विक बाजार पर पड़ता है। भारत ने मिलों को 2022-2023 सीजन के दौरान केवल 6.2 मिलियन टन चीनी निर्यात करने की अनुमति दी थी, जो 30 सितंबर को खत्म हुआ।

2018 के बाद से सबसे कमजोर मानसून इस साल

देश में इस साल 2018 के बाद से सबसे कमजोर मानसून देखा गया है और चालू सीजन में गन्ने के उत्पादन में गिरावट की आशंका है, जिससे कीमत बढ़ने का असर मुद्रास्फीति पर पड़ सकता है। व्यापार अनुमान के अनुसार, भारत में चीनी की कीमत दूसरी तिमाही में साल-दर-साल 5-8 फीसदी बढ़ी है। इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (आईएसएमए) के मुताबिक, 2023-24 विपणन वर्ष में भारत का चीनी उत्पादन 8 फीसदी गिरकर 33.7 मिलियन मीट्रिक टन होने की संभावना है।

चालू सीजन में भी चीनी के एक्सपोर्ट पर बैन की संभावना

इस बात को भी ध्यान में रखना जरूरी है कि कुछ चीनी को इथेनॉल बनाने के लिए उपयोग किया जाता है। चीनी मिलों ने पिछले विपणन वर्ष में इथेनॉल उत्पादन के लिए 4.1 मिलियन टन चीनी का उपयोग किया था और इस वर्ष भी इतनी ही मात्रा आवंटित की जा सकती है। इससे व्यापार जगत में यह आशंका पैदा हो गई है कि घरेलू कीमतों को नियंत्रण में रखने के लिए सरकार चालू सीजन में चीनी का निर्यात बंद भी कर सकती है।

चीनी का सबसे बड़ा उत्पादक ब्राजील लॉजिस्टिक दिक्क्तों से परेशान

अंतरराष्ट्रीय बाजार में चीनी की सप्लाई भी प्रभावित हुई है क्योंकि दुनिया का सबसे बड़ा उत्पादक ब्राजील लॉजिस्टिक समस्याओं का सामना कर रहा है। वहां के बंदरगाह एक अड़चन बनकर उभरे हैं। जहाजों को लोड करने का समय बढ़ गया है और बंदरगाहों पर स्टॉक जमा हो रहा है।

उधर सोया की फसल भी आने से समस्या और भी बदतर हो गई है क्योंकि रेलवे और बंदरगाह दोनों ही बुनियादी ढांचे खेप को संभालने के लिए पर्याप्त नहीं हैं।

डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन में 22% का उछाल

मौजूदा वित्त वर्ष में अब तक 10.60 लाख करोड़ रुपये आए सरकार की झोली में

नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)। मौजूदा वित्त वर्ष 2023-24 में डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन 22 फीसदी के उछाल देखने को मिला है। एक अप्रैल से 9 नवंबर 2023 की अवधि 10.60 लाख करोड़ रुपये डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन रहा है। मौजूदा वित्त वर्ष के लिए बजट में तय लक्ष्य का 58 फीसदी प्रत्यक्ष कर सरकार की झोली में आ चुका है। सीबीडीटी ने डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन का प्रॉविजनल डेटा जारी किया है जिसके मुताबिक मौजूदा वित्त वर्ष 2023-24 में 9 नवंबर, 2023 तक डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन में स्थिर ग्रोथ देखने को मिला है., डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन 12.37 लाख करोड़ रुपये रहा है जो कि बीते वित्त वर्ष के मुकाबले 17.59 फीसदी ज्यादा रहा है। टैक्सपेयर्स को जो रिफंड जारी किया गया है उसे छोड़ दें तो नेट डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन 10.60 लाख करोड़ रुपये रहा है जो कि बीते वित्त वर्ष 2022-23 में समान अवधि के मुकाबले 22 फीसदी ज्यादा रहा है। सीबीडीटी के कुल डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन 2023-24 के बजट अनुमान का 58.15 फीसदी रहा है। डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन में कॉरपोरेट इनकम टैक्स में 7.13 फीसदी का उछाल देखने को मिला है। जबकि पर्सनल इनकम टैक्स में 28.29 फीसदी का उछाल रहा है। अगर सिक्योरिटी ट्रांजैक्शन टैक्स को इसमें जोड़ दें तो कुल पर्सनल इनकम टैक्स कलेक्शन में 27.98 फीसदी का उछाल रहा है।

इनकम टैक्स विभाग ने इस दौरान एक अप्रैल से 9 नवंबर 2023 के बीच 1.77 लाख करोड़ रुपये का रिफंड जारी कर दिया है।

धनतेरस पर मस्क को 8.7 अरब डालर का झटका अंबानी-अडानी के भी हाल बेहाल

नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)। धनतेरस के मौके पर आज जमकर खरीदारी की जा रही है। इस दौरान करीब 50 हजार करोड़ रुपये की बिक्री होने का अनुमान है। लेकिन दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क को इससे बड़ा झटका लगा है। गुरुवार को उनकी नेटवर्थ में 8.7 अरब डॉलर यानी करीब 7,25,48,77,80,000 रुपये की गिरावट आई। इलेक्ट्रिक कार बनाने वाली उनकी कंपनी टेस्ला के शेयर 5.46% की गिरावट के साथ बंद हुए। इससे मस्क की नेटवर्थ में भारी गिरावट देखने को मिली। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक अब मस्क की नेटवर्थ 202 अरब डॉलर रह गई है। इस साल उनकी कमाई में 64.5 अरब डॉलर का इजाफा हुआ है।इस साल सबसे ज्यादा कमाई करने के मामले में मस्क एक बार फिर फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म्स के सीईओ मार्क जकरबर्ग से पिछड़ गए हैं। जकरबर्ग की नेटवर्थ में इस साल सबसे अधिक 70.6 अरब डॉलर की तेजी आई है। वह 116 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में नौवें नंबर पर हैं। गुरुवार को दुनिया के टॉप 10 अमीरों में से सात की नेटवर्थ में गिरावट आई। फ्रांस के बर्नार्ड आरनॉल्ट 166 अरब डॉलर के साथ इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर हैं। जेफ बेजोस (164 अरब डॉलर) तीसरे, बिल गेट्स (129 अरब डॉलर) चौथे और लैरी एलिसन (125 अरब डॉलर) पांचवें नंबर पर हैं।

अंबानी-अडानी का हाल

इस बीच भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी इस लिस्ट में 12वें नंबर पर हैं। गुरुवार को उनकी नेटवर्थ में 83.9 करोड़ डॉलर की गिरावट आई और अब यह 86.1 अरब डॉलर रह गई है। इस साल उनकी नेटवर्थ में 1.04 अरब डॉलर की गिरावट आई है। अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी की नेटवर्थ में भी गुरुवार को 64 करोड़ डॉलर की गिरावट आई और यह 60.6 अरब डॉलर रह गई है। इस साल उनकी नेटवर्थ में रेकॉर्ड 59.9 अरब डॉलर की गिरावट आई है। वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 21वें नंबर पर हैं।

इस दीवाली ये क्रेडिट कार्ड दिलाएंगे आपको शॉपिंग की सबसे अच्छी डील

नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)। फेस्टिव सीजन का सबसे बड़ा त्योहार दीवाली अब शुरू हो चुका है। उम्मीद जताई जा रही है कि इस साल धनतेरस पर लोग बाजार पर खूब धन बरसाने वाले हैं। ऑनलाइन और ऑफलाइन बाजार सज चुके हैं। चारों तरफ ऑफर्स की भरमार है। आज हम आपको बताने जा रहे हैं उन क्रेडिट काड्र्स के बारे में, जो आपको त्योहारों में सबसे शानदार डील, डिस्काउंट और कैशबैक दिला सकते हैं। क्रेडिट कार्ड ने मेट्रो शहरों के बाद अब टियर-2 और 3 शहरों में भी अपनी अच्छी पकड़ बना ली है। छोटे शहरों में भी लोग अब आसानी से क्रेडिट कार्ड से खरीदारी करते हुए नजर आ जाते हैं। यदि आप खुद पर काबू रखकर खर्च करना जानते हैं तो क्रेडिट कार्ड आपके लिए काफी उपयोगी हो सकता है। क्रेडिट कार्ड से शॉपिंग करने पर आपको कैशबैक या रिवॉर्ड पॉइंट मिलते हैं, जो आपका बिल कम करेंगे। इनके जरिए आप अगली शॉपिंग में भी छूट हासिल कर सकते हैं। इन सभी क्रेडिट कार्ड में सीधा कैशबैक मिलता है। साथ ही इनमें से ज्यादातर कार्ड वार्षिक शुल्क भी नहीं वसूलते। एक्सिस बैंक ने फ्लिपकार्ट के साथ मिलकर जो कार्ड निकाला है, उसकी सालाना फीस 500 रुपये है। यदि आप साल में 3.5 लाख रुपये खर्च करते हैं तो उसे भी माफ कर दिया जाता है। यह कार्ड फ्लिपकार्ट से खरीद पर 5 फीसद, क्लियरट्रिप, कल्टफिट, पीवीआर, स्विगी, टाटा प्ले और उबर पर 4 फीसद और अन्य सभी केटेगरी में खरीद पर 1.5 फीसद कैशबैक देता है।

भारत में पहली इलेक्ट्रिक-एयर टैक्सी 2026 तक

इंटरग्लोब एंटरप्राइजेज ने आर्चर एविएशन के साथ पार्टनरशिप की

नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)। भारत में साल 2026 तक पहली इलेक्ट्रिक-एयर टैक्सी चल सकती है। इसके लिए देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो को ऑपरेट करने वाली कंपनी इंटरग्लोब एंटरप्राइजेज ने अमेरिका की 'आर्चर एविएशन' के साथ पार्टनरशिप की है।मोमोरेंडम साइन करने के बाद दोनों कंपनियों ने बयान जारी कर कहा,'इलेक्ट्रिक एयर टैक्सी का ऑपरेशन रेगुलेटरी अप्रूवल और क्लियरेंस पर निर्भर होगा। हमारा लक्ष्य देश के लिए एक रिवॉल्यूशनरी ट्रांसपोर्टेशन सॉल्यूशन प्रोवाइड करना है।'

7 मिनट में 90 मिनट का सफर

आर्चर के इलेक्ट्रिक वर्टिकल टेकऑफ और लैंडिंग मिडनाइट एयरक्राफ्ट के जरिए एयर टैक्सी सर्विसेज दी जाएंगी। कंपनी ने कहा कि कनॉट प्लेस से गुरुग्राम की 27 किलोमीटर की यात्रा में सड़क मार्ग से लगभग 60 से 90 मिनट का समय लगता है। इलेक्ट्रिक-एयर टैक्सी इस दूरी को 7 मिनट में तय कर लेगी। मिडनाइट एयरक्राफ्ट तेजी से बैक-टू-बैक उड़ानें परफॉर्म करने के लिए डिजाइन किया गया है। यह ऐसे इलेक्ट्रिक एयरक्राफ्ट हैं जो हेलीकॉप्टर की तरह वर्टिकल टेकऑफ और लैंडिंग कर सकते हैं। इसे ऑपरेट करने के लिए रनवे की जरूरत नहीं होती है।

200 एयरक्राफ्ट खरीदने के लिए फंड जुटाने की योजना

आर्चर के 200 इलेक्ट्रिक वर्टिकल टेकऑफ और लैंडिंग मिडनाइट एयरक्राफ्ट की खरीद के लिए फंड जुटाने की योजना भी बनाई गई है।

शहरी एयर टैक्सी सर्विस के अलावा लॉजिस्टिक्स, मेडिकल, इमरजेंसी और चार्टर सर्विस के लिए भी इलेक्ट्रिक-एयरक्राफ्ट का इस्तेमाल करने की योजना बना रही है।

एमजी मोटर और वीवो के खातों की हो सकती है जांच

नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)। कॉरपोरेट मामलों का मंत्रालय एमजी मोटर इंडिया और वीवो के खातों की जांच शुरू करने की सिफारिश कर सकता है। आरओसी ने एक साल पहले जांच की थी और उस जांच की रिपोर्ट अब उसने जमा करा दी है। एमजी मोटर की जांच अक्तूबर, 2022 में शुरू हुई थी। उस समय कंपनी ने कहा था, हमें नोटिस मिला है जिसमें 2019-20 की वार्षिक रिपोर्ट में परिचालन के पहले वर्ष के घाटे को लेकर स्पष्टीकरण मांगा है। रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज (आरओसी) ने जो जांच रिपोर्ट सौंपी है, उसमें संदिग्ध लेनदेन का पता चला था। कर चोरी, बिलिंग में गड़बड़ी और अन्य वित्तीय अनियमितताएं मिलीं थी। आरओसी रिपोर्ट के बाद एमसीए जांच के आदेश जारी कर सकता है। यह मामला तब सामने आया है, जब जेएसडब्ल्यू व शंघाई के एसएआईसी मोटर कॉर्प एमजी मोटर में हिस्सेदारी के लिए बातचीत कर रहे हैं।

धनतेरस पर निवेशकों ने जमकर की शेयरों की खरीदारी, हरे निशान में बंद हुआ सेंसेक्स - निफ्टी

नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)। दिवाली पर शेयर बाजार पर होने वाले मुहूर्त ट्रेडिंग से एक दिन पहले कारोबारी सत्र में शेयर बाजार हरे निशान में बंद हुआ है। धनतेरस के मौके पर सुबह से बाजार में उतार चढ़ाव देखा जा रहा था। लेकिन दिन के ट्रेडिंग खत्म होने से पहले बाजार में धनकरेस पर निवेशकों की खरीदारी के चलते बाजार में तेजी लौटी। आज का कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 72 अंकों के उछाल के साथ 64,904 अंकों पर बंद हुआ है। जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 30 अंकों के उछाल के साथ 19,425 अंकों पर बंद हुआ है। आज के कारोबार में बैंकिंग, फार्मा, एफएमसीजी, मेटल्स, एनर्जी, कमोडिटी, ऑयल एंड गैस, सेक्टर के स्टॉक्स में तेजी रही। जबकि आई, ऑटो, मीडिया हेल्थकेयर और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स के शेयरों में गिरावट देखने को मिली है। आज के सत्र में मिड कैप और स्मॉल कैप स्टॉक्स में रौनक रही। निफ्टी में दोनों ही इंडेक्स हरे निशान में बंद हुए। सेंसेक्स के 30 शेयरों में 13 शेयर तेजी के साथ और 17 गिरकर बंद हुए। जबकि निफ्टी 50 शेयरों में 30 शेयर तेजी के साथ और 20 गिरावट के साथ बंद हुए। धनतेरस के मौके पर शेयर बाजार में खरीदारी के चलते निवेशकों की संपत्ति में उछाल देखने को मिला है। आज के ट्रेड में बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों के मार्केट कैपिटलाईजेशन बढ़कर 320.31 लाख करोड़ रुपये पर जा पहुंचा है जो कि पिछले सत्र 319.74 लाख करोड़ रुपये रहा था। आज के ट्रेड में निवेशकों की संपत्ति में 57,000 करोड़ रुपये का उछाल देखने को मिला है। आज के कारोबार में एनटीपीसी 1.62 फीसदी, टेक महिंद्रा 0.88 फीसदी, अल्ट्राटेक सीमेंट 0.80 फीसदी, बजाज फिनसर्व 0.75 फीसदी और पावर ग्रिड 0.69 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है। जबकि महिंद्रा एंड महिंद्रा 1.90 फीसदी, टाइटन 1.45 फीसदी, एचसीएल टेक 1.28 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है।

अगले 18 महीनों में हर छठे दिन एयर इंडिया को मिलेगा एक नया विमान, सीईओ ने सिंगापुर में कही ये बात

नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)। एयर इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और प्रबंध निदेशक कैंपबेल विल्सन ने शुक्रवार को कहा कि एयरलाइन को अगले 18 महीनों में हर छह दिन में नए विमान मिलेंगे। उन्होंने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था की सेवा के लिए एयरलाइन की ओर से 470 विमानों के ऑर्डर दिए हैं। विल्सन ने सिंगापुर में एसोसिएशन ऑफ एशिया पैसिफिक एयरलाइंस के अध्यक्षों की 67वीं सभा को संबोधित करते हुए ये बातें कही। उन्होंने कहा, 'हमारे पास नए विमान हैं, हम कई नए चालक दल और कर्मचारियों की भर्ती कर रहे हैं, प्रशिक्षण व्यवस्था में सुधार कर रहे हैं। हमें अभी और काम करना है। हम अच्छी प्रगति कर रहे हैं। विल्सन ने एक सत्र में कहा कि एयर इंडिया के अधिकांश ग्राहक विश्वसनीयता और समयबद्धता चाहते हैं और चुनौती ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने की है। विल्सन ने कहा कि इसके अलावा, नए विमानों को अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर रखा जा रहा है और अधिकांश ग्राउंडेड विमानों को रीस्टोर कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि टाटा के स्वामित्व वाली एयर इंडिया ने भारतीय अर्थव्यवस्था की सेवा के लिए 470 विमानों का ऑर्डर दिया है, जो 8 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़ रही है और इसे अगले 18 महीनों में हर छह दिन में एक नया विमान मिलने वाला है। उन्होंने अन्य एयरलाइनों के साथ प्रतिस्पर्धा करने और एयर इंडिया के लिए यातायात बढ़ाने का भी विश्वास जताया। एसोसिएशन ऑफ एशिया पैसिफिक एयरलाइंस के महानिदेशक सुभाष मेनन के अनुसार, भारत में वर्तमान हवाई यात्रा की मांग 2019 के स्तर से 20 प्रतिशत अधिक है। उन्होंने कहा कि शेष दुनिया के बाद क्षेत्र की सीमाएं फिर से खुलने के साथ ही एशिया प्रशांत क्षेत्र की हवाई यात्रा में 69 प्रतिशत का सुधार हुआ है, जो सितंबर तक अन्य क्षेत्रों से पीछे है। 2022 में एशिया प्रशांत क्षेत्र में यात्री यातायात में 171 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि क्षमता वृद्धि 130 प्रतिशत धीमी रही। उन्होंने कहा कि अन्य क्षेत्रों की तुलना में एशिया में बाद में हवाई यात्रा में सुधार हुआ, इसलिए कई एशियाई एयरलाइंस यूरोपीय संघ द्वारा आवश्यक स्लॉट का उपयोग करने के लिए यूरोप के लिए सेवाओं को फिर से शुरू नहीं कर सकीं।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य - दक्षिणायने ,ऋतु- हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् -2549,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426876
सूर्योदय - 06-21
सूर्यअस्त - 17-38
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
तिथि- त्रयोदशी - 13 -57- तक उपरान्त चतुर्दशी
मास - कार्तिक कृष्ण पक्ष , शनिवार 11 November
नक्षत्र - चित्रा - 01- 46- तक उपरान्त स्वाति
योग - प्रीति - 16 - 57 - तक उपरान्त आयुष्मान
करण- वणिज - 13 -57 - तक उप- विष्टि
विशेष:- मास शिवरात्रि
व्रत -त्योहार - भद्रा काल-13-58 से

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	तुला में	तुला....	04-38 बजे
चंद्र-	कन्या में	वृश्चिक.	06-48 बजे
मंगल	तुला में	धनु.....	09-01 बजे
बुध-	वृश्चिक पें	मकर..	11-08 बजे
गुरु-	मेष में	कुंभ...	12-58 बजे
शुक्र-	कन्या में	मीन --	14-36 बजे
शनि-	कुंभ में	मेष--	16-12 बजे
राहु-	मीन में	वृष--	17-57 बजे
केतु-	कन्या में	मिथुन..	19-57 बजे
		कर्क...	22-10 बजे
		सिंह...	00-22 बजे
		कन्या..	02-29 बजे

विशेष:- राशिफल ग्हों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 09:10 से 10:35 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	06:21 - 07:45	अशुभ	लाभ	17:38 - 19:15	शुभ
शुभ	07:45 - 09:10	शुभ	उत्पात	19:15 - 20:50	अशुभ
रोग	09:10 - 10:35	अशुभ	शुभ	20:50 - 22:25	शुभ
उत्पात	10:35 - 11:59	अशुभ	अमृत	22:25 - 24:00	शुभ
चंचल	11:59 - 13:25	शुभ	चंचल	24:00 - 01:35	शुभ
लाभ	13:25 - 14:50	शुभ	रोग	01:35 - 03:10	अशुभ
अमृत	14:50 - 16:15	शुभ	काल	03:10 - 04:45	अशुभ
काल	16:15 - 17:38	अशुभ	लाभ	04:45 - 06:21	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आप एक महत्वाकांक्षी व्यक्ति हैं और अपने सपनों का पीछा करने के साथ , आप सुनियोजित तरीके से अपनी चीजो को रखते है । दूसरे इस तरह नहीं है लेकिन दूसरों को ये न बताये और समय पर सब छोड़ दे । इस भावना को त्याग दे अन्यथा लोगों को ये गलतफहमी होगी की आप उनके जीवन में हस्तक्षेप करने की कोशिश कर रहे है ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
यात्रा के अवसरों के लिए बहुत ही खुले दिल से स्वागत करे । ये धन कमाने का एक बेहतरीन मौका है! जो लोग अध्यन कर रहे है उन्हें अप्रत्याशित स्रोतों से अद्भुत अवसर मिल सकते है । आप जिस भी स्थिति में है , आप ये याद रखे की एकता में बल है इसलिए सामूहिक प्रयास ही संतोषजनक परिणाम ला सकता है ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आज का दिन उनके लिए अच्छा है जो की निर्माण के व्यवसाय से जुड़े है । आज के दिन आपको जाँच परख कर निवेश करना है क्योंकि ये अवसर लघु समय के लिए है । अगर आप अपने लिए घर खरीदने की सोच रहे है तो आपको अच्छे प्रस्ताव मिल सकते है । अपने इस चीज़ के लिए जो वित्तीय रणनीति बनाई थी उनका फल अब आपको मिल सकता है ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आपके लिए आज भी अपने प्रियतम के करीब आ पाना मुश्किल रहेगा । वास्तव में आप उनके काफी करीब हैं लेकिन अपनी अपरिपक्वता के चलते आप भावनाओं के बदले में उलझे हुए हैं । आप यह चाहते हैं कि आप दोनों शारीरिक और भावनात्मक दोनों ही स्तरों पर और करीब आने से पहले एक दुसरे को अच्छी तरह से समझ और जान लें ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आप अपने करियर की एक बड़ी सफलता के कगार पर खड़े है। ये आपके निर्णायक निर्णय पर निर्भर करेगा की आप इसे किस दिशा में ले जाना चाहते है। इसके लाभ और हानि पर आपको विश्लेषण करने की जरूरत है। आपका निर्णय आपके जीवन को प्रभावित करेगा और अगर आप सही विकल्प का चुनाव करते हैं, तो आपकी आय में अगले कुछ दिनों में काफी वृद्धि होने की संभावना है।

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,)
आज आपको विभिन्न भूमिकाओं का क्रियान्वन करना पड सकता है इसलिए दोस्तों से मदद लेने में संकोच न करे । वे सफलता के रास्ते पर आपको एक मजबूत समर्थन दे सकते हैं। छात्रों के लिए ये एक अच्छा दिन हो सकता है और उन्हें एक प्रतिष्ठित संस्थान से डिप्लोमा या डिग्री प्राप्त हो सकती है। इन स्थितियों की वजह से उच्च भुगतान नौकरियों में अवसर बढ़ेंगे ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
जो लोग अध्ययन में कार्यरत हैं , उनकी मेहनत का फल पाने के लिए ये एक अच्छा समय है। यही चीज़ काम कर रहे पेशेवरों के लिए भी लागू होती है। सफलता और प्रशंसा आपको मिल सकती हैं। लेकिन अगर आपने कोई निवेश किया है तो उसमे आपको नुकसान हो सकता है , इसलिए निवेश की योजना को आज ठंडे बस्ते में डाल दे और शुभ समय का इंतजार करे ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आज आप अपने करियर को नए सिरे से शुरू करेंगे । आप एक नियोक्ता से दूसरे की तरफ अपना रुख कर सकते है , क्योंकि ये नया अवसर आपको आगे बढ़ने के मौके दे सकता है , लेकिन धोखाधड़ी के प्रस्तावों से सावधान रहे क्यों की कोई आपकी क्षमता और चतुराई का अनुचित लाभ लेने के लिए लंबे समय से प्रयासरत है ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आप अपने कार्यों को करते हुए धैर्य रखते है , पर आज आप में अधिकार की भावना रहेगी । आपको ये एहसास करने की जरूरत है की चीजे अपनी गति से आगे चलेंगी और ज्यादा पाने की चाह आपको पीछे की ओर धकेल सकती है । आपमें हमेशा धैर्य की भावना रही है और हमेशा से निर्धारित मार्ग की तरफ आप अग्रसर रहे है ,।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
बड़े रोजगार के अवसर आप का इंतजार कर रहे हैं! ध्यान से इस बारे में सोचे और आपके पूर्ण संतुष्ट होने पर अपने करियर की दिशा परिवर्तित करे । आपका सहकर्मी नौकरी को त्याग सकता है और उसकी जगह आप किसी जरूरतमंद को अपने यहाँ काम पर लगवा सकते है । हालाँकि आप अवगत नहीं है , लेकिन आपके मूल्य काफी उच्च स्तर के है ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
अगर आपने व्यावसायिक साझेदारी को तोड़ने का फैसला कर लिया है , तो आप एक विनम्र और यथार्थवादी तरीके से ऐसा करे । आपको इस शीत युद्ध के अंत के लिए बहुत प्रभावी ढंग से और आसानी से संवाद स्थापित करना होगा और हो सके तो आपको ही पहल करनी होगी ताकि बर्फ कुछ पिघले ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आज एक नई नौकरी की पेशकश आपके रास्ते में आने की संभावना है। सार्वजनिक क्षेत्र में काम करने वाले लोगों के लिए विशेष रूप से अच्छे अवसर है । आप अपनी नौकरी बदलने के बारे मैं नहीं सोच रहे है और हो सकता है की मौजूदा नौकरी में आप संतुष्ट हो , लेकिन नई नौकरी बेजोड़ अवसरों को अपने साथ लाएगी । यह एक जोखिम भरा कदम हो सकता है ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

सीमा जासूस है या नहीं, 6 महीने बाद भी सस्पेंस

डॉक्यूमेंट पाकिस्तान-नेपाल भेजे, जवाब नहीं आया, इसलिए जांच रुकी

ग्रेटर नोएडा, 10 नवंबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। पाकिस्तान से 4 बच्चों के साथ आई सीमा हैदर जासूस है या नहीं, 6 महीने बाद भी इसकी जांच ही चल रही है। अब तक न उनके मोबाइल फोन की फोरेंसिक रिपोर्ट आई, न ही कोई टेस्ट हुआ है। जांच एजेंसियों ने 4 पेज का एक डॉक्यूमेंट पाकिस्तान, नेपाल और दुबई भेजा है। तीनों देशों के सरकारें इनका वेरिफिकेशन करेंगी, तभी भारत में जांच आगे बढ़ेगी।

जांच एजेंसियों की तरफ से सीमा को क्लीन चिट नहीं मिली है, लेकिन वो ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा में पति सचिन के साथ नॉर्मल लाइफ जी रही हैं। करवा चौथ का व्रत रख रही हैं। यूट्यूब चैनल चला रही हैं। देश भर से लोग उन्हें पैसे भेज रहे हैं। सीमा बताती हैं कि टीवी शो बिग बॉस और द कपिल शर्मा शो से उनके पास ऑफर आया था। कुछ फिल्में भी ऑफर हुई थीं।

सीमा नेपाल के रास्ते 10 मई, 2023 को भारत आई थीं। गैरकानूनी तरीके से भारत आने की वजह से पुलिस ने 4 जुलाई को उन्हें अरेस्ट कर लिया था। पाकिस्तानी होने की वजह से खुफिया एजेंसियां भी जांच में शामिल हो गईं। एक्सपर्ट्स ने शक जताया था कि कुछ ही दिनों में जैसे सीमा भारतीय तौर तरीकों में रच-बस गई है, वैसा मजबूत ट्रेनिंग से ही हो सकता है।

तब सकुचाई सी दिखने वाली सीमा अब कॉन्फिडेंट यूट्यूबर बन चुकी हैं। उनका यू-ट्यूब चैनल मोनेटाइज हो गया है। 9 लाख सब्सक्राइबर हैं। यूट्यूब से एक बार 55 हजार रुपए मिले भी हैं।

सीमा के खिलाफ जांच कहां अटकी है, जांच एजेंसियों को अब तक क्या-क्या मिला है, इस पर केस की जांच कर रहे जेवर थाने के एचएचओ मनोज कुमार सिंह चौहान, जांच में शामिल एजेंसियों यूपी एटीएस, आईबी, रा और एनआईए के अफसरों से बात की। सीमा के वकील एपी सिंह से भी मिले। रा के पूर्व अफसर से भी पूछा कि सीमा जैसे मामलों में जांच की डेडलाइन क्या होती है।

केस का स्टेटस जानने हम सबसे पहले सीमा के वकील एपी सिंह के पास पहुंचे। उनसे पूछा कि सीमा को अब तक क्लीन चिट नहीं मिली, ये मामला कहां अटका है? एपी सिंह कहते हैं, '4 पेज की एक लिस्ट है। इसमें सीमा के पैदा होने से लेकर अब तक के जरूरी-गैरजरूरी सभी डॉक्यूमेंट्स के नाम दर्ज हैं। ये लिस्ट पाकिस्तान, नेपाल और दुबई भेजी गई है। तीनों जगह सभी डॉक्यूमेंट्स का वेरिफिकेशन होगा। उसके बाद ही यहां जांच आगे बढ़ेगी।'

एडवोकेट एपी सिंह कहते हैं, 'हमने जुलाई में ही सीमा के लिए राष्ट्रपति के पास दया याचिका लगाई थी। इसी याचिका में हमने 4 पेज के डॉक्यूमेंट्स की लिस्ट लगाई थी। कहा था कि ये सभी डॉक्यूमेंट्स वेरिफाई करवाए जा सकते हैं। 15 दिन के अंदर राष्ट्रपति ने याचिका होम मिनिस्ट्री को ट्रांसफर कर दी, ताकि वे डॉक्यूमेंट्स वेरिफिकेशन के लिए भेज सकें।'

एडवोकेट एपी सिंह को सीमा ने भाई बना लिया है। वे बताते हैं कि सीमा धीरे-धीरे भारतीय और सनातनी होती जा रही हैं। 15 अगस्त, हर घर तिरंगा, मेरी माटी-मेरा देश जैसे कैंपेन हों या नागपंचमी, करवा चौथ, अहोई अष्टमी, नवरात्रि में 9 दिन का व्रत। सीमा सभी में शामिल रहती हैं।

ग्रेटर नोएडा के जेवर थाने के एसएचओ मनोज कुमार सिंह चौहान इस केस में इन्वेस्टिगेशन

ऑफिसर हैं। मनोज कुमार कहते हैं, 'जांच अभी चल रही है, हम आपको ज्यादा नहीं बता सकते।'

'हमने कुछ डॉक्यूमेंट्स के वेरिफिकेशन की रिक्वेस्ट की है। ये होम मिनिस्ट्री के जरिए पाकिस्तान, दुबई और नेपाल भेजे गए हैं, जहां-जहां सीमा के संबंध हैं। आरोपी जेल में हो, तो 90 दिन की डेडलाइन होती है, लेकिन सीमा बेल पर हैं। इसलिए इसमें कोई डेडलाइन नहीं है। वैसे भी ये केस बहुत सेंसिटिव है।

नेशनल इन्वेस्टिगेटिव एजेंसी, यानी एनआईए के प्रवक्ता ने ऑफिशियली बात नहीं की। इसलिए हमने एजेंसी में हमारे सोर्स से कॉन्टैक्ट किया। उन्होंने बताया कि जांच में कुछ खास नहीं मिला है। इस केस में ऊपर से फिलहाल कोई निर्देश नहीं है। इसलिए जांच जहां थी, वहीं है। इसके बाद हमने इंटेलिजेंस ब्यूरो की पाकिस्तान डेस्क में सोर्स से बात की है। पूछा कि आईबी को सीमा के केस में क्या मिला है, जांच कहां तक पहुंची? जवाब मिला, 'सीमा के खिलाफ कुछ खास नहीं मिला। इसलिए अब हम इस मामले में कुछ नहीं कर रहे। स्टेट पुलिस ही सब कुछ कर रही है।'

रा के पूर्व अधिकारी आरके यादव कहते हैं, 'अगर सीमा जासूस होती, तो अब तक रॉ के हाथ कुछ आ चुका होता। नहीं आया, मतलब वो जासूस नहीं है। वो अपने संबंध की वजह से भारत आई है। हालांकि उसे यहां क्यों रखा है, ये समझ नहीं आ रहा। उसे तो अब तक डिपोर्ट कर देना चाहिए था। आरके यादव कहते हैं, 'क्यों नहीं है, कल को आधा पाकिस्तान यहां आ जाएगा, तो क्या सबको रख लेंगे।

आरके यादव बताते हैं, 'ऐसा तो नहीं आया था। हां, कई बार लोग बॉर्डर पार करके भारत में दाखिल हुए। ये सब आतंकवादी नहीं थे। ये रास्ता भटके लोग थे। हमने उन्हें फौरन डिपोर्ट कर दिया। वे कहते हैं, 'सीमा के केस पर समय खर्च करना वक्त की बर्बादी है। हम अपना टाइम क्यों बर्बाद करें।'

अपने खिलाफ चल रही जांच से बेफिक्र सीमा सचिन और उनके परिवार के साथ रबूपुरा में रह रही हैं। सचिन के घर में उनका अलग कमरा बन गया है। ये पूरे घर में सबसे शानदार है। हम घर पहुंचे, तो देखा कि लाल रंग की चुनरी, पीले रंग का लहंगा, माथे पर बिंदी लगाए, सजी-संवरी सीमा 4 महीने पहले की सीमा से काफी अलग हैं। सीमा के कमरे की दीवार पर राधा-कृष्ण की फोटो लगी है। दूसरी दीवार पर एडवोकेट एपी सिंह, पीएम मोदी और सीएम योगी आदित्यनाथ की फोटो है। अलमारियों में क्रॉकरी, मूर्तियां और सीमा के गहने रखे हैं। बातचीत में सीमा बोलीं- 'मुझे फिल्मों में काम नहीं करना था। मैं अपने यूट्यूब चैनल और रील्स में बिजी हूं। अब तो यूट्यूब चैनल मोनेटाइज भी हो गया है। 3 महीने मेहनत की, तब 9 लाख सब्सक्राइबर हुए हैं। एक बार 55 हजार रुपए भी मिल गए।'

क्या ये कमरा उन्हीं पैसों से बना है?

'नहीं, हमें पूरे देश से मदद मिल रही है। भैया एपी सिंह ने हमारा अकाउंट नंबर अपने इंस्टाग्राम और फेसबुक पर पोस्ट किया था। उसी के जरिए लोगों ने मदद की। किसी ने 100, किसी ने 200, किसी ने 400 रुपए भेजे। कश्मीर के कुलदीप मेरे भाई बन गए हैं। उन्होंने भी बहुत मदद की।' सीमा ने कहा कि भारत आकर उसने आलू की कचरी बनाना सीखा है। मैंने यहीं पहली बार इसके बारे में सुना था। जेठानी ने बनाना सिखा दिया। इसके अलावा साड़ी पहनना सीखा। करवाचौथ वहां भी रखा था, पर पूजा पहली बार की। मुझे तो बस ये पता था कि व्रत में पानी नहीं पीते। यहां पूजा का पूरा तरीका सीखा। लोग कहते हैं कि रोजा से ज्यादा मुश्किल कोई व्रत नहीं होता, वो गलत हैं। हिंदू धर्म में कई व्रत बहुत मुश्किल हैं। यहां की धार्मिक कहानियां जानीं। मैं यहां का धर्म समझ रही हूं।'सीमा ने कहा कि घर के बाहर हमेशा पुलिस रहती है, कभी-कभार पूछताछ के लिए भी आ जाते हैं।

सीमा से बातचीत के दौरान सचिन भी घर में थे, लेकिन वे जल्दी निकल गए। उनके चाचा-चाची का एक्सीडेंट हो गया था, इसलिए वे वहीं जा रहे थे। हम उनसे बात तो नहीं कर पाए, लेकिन सचिन में काफी बदलाव दिखा। उनका हेयर स्टाइल, पहनावा और बात करने का तरीका बिल्कुल बदल गया है।

हैट्रिक को बेताब कक्का

पाटन में भतीजा और जोगी बने राह का कांटा

रायपुर, 10 नवंबर (एजेंसियां)। दुर्ग जिले की पाटन विधानसभा सीट पर मुख्यमंत्री कका व सांसद भतीजे की आमने-सामने की लड़ाई में कूदे जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़-जोगी (जेसीसीजे) के कर्ताधर्ता अमित जोगी ने मुकाबले को दिलचस्प बना दिया है।

प्रदेश की सबसे हॉट सीट की चर्चा हर जगह है पर स्थानीय जनता असमंजस में है कि कक्का को चुनें या भतीजे को? असमंजस यह कि कक्का जीते तो सरकार बनने पर मुख्यमंत्री बनेंगे पर भतीजे का क्या? वहीं, अमित जोगी के यहां से मैदान में उतरने की चर्चा तो खूब है पर उनकी पार्टी की सरकार बनाने की लड़ाई में असरदार भूमिका न होने से जनता में विशेष दिलचस्पी नहीं।

पाटन सीट से सीएम भूपेश बघेल के सामने भाजपा के टिकट पर दुर्ग के सांसद विजय बघेल हैं। विजय रिश्ते में भूपेश के भतीजे हैं। दो दिन पहले पत्रकारों ने

भूपेश से जब यह पूछा कि कक्का-भतीजे में भारी कौन? इस पर उनका जवाब था, रिश्ते में तो हम बाप लगते हैं... यह जवाब इन दिनों खूब वायरल हो रहा है। दोनों यहां से चौथी बार आमने-सामने हैं।

इससे पहले हुए तीन मुकाबलों में से दो भूपेश और एक विजय जीत चुके हैं। भूपेश पहली बार वर्ष 1993 में इसी सीट से विधायक चुने गए थे। इसके बाद से लगातार यहीं से चुनाव लड़ते आ रहे हैं। इस बार वह यहां से सातवीं बार मैदान में हैं।

घोषणाओं पर अमल नहीं भतीजा दे रहा टक्कर

पान दुकान पर मिले किसान नरेश पटेल मानते हैं कि भाजपा प्रत्याशी विजय बघेल अपने कक्का को कड़ी टक्कर दे रहे हैं। उनके अनुसार, सीएम की ओर से की गईं तमाम घोषणाओं पर अमल न होने से यह स्थिति बनी है। यह पूछने पर कि अमित जोगी यहां के चुनाव को कितना प्रभावित करेंगे तो उनका कहना था, क्षेत्र में वह न कभी सक्रिय रहे और न ही उनकी पार्टी का कोई एजेंडा है। ऐसे में वह अधिक से अधिक सतनामी समाज के वोट ही अपने पाले में ला सकेंगे।

कांग्रेस के मुरीद, पर जोगी के जिक्र से चिंतित

पाटन कस्बे के मुख्यमार्ग स्थित चाय की दुकान पर चल रही चुनावी चर्चा में शामिल संजीव वर्मा कांग्रेस की शान में कसीदे पढ़ रहे थे। यह पूछने पर कि भ्रष्टाचार, घोटालों से घिरी सरकार कितनी चलेगी?

उनका कहना था, यह सब भाजपा की देन है। हालांकि, अमित जोगी के जिक्र पर वह थोड़े चिंतित होते हैं। कहा, क्षेत्र में सतनामी समाज का अधिकतर वोट कांग्रेस के पाले में रहता है। अमित यदि एकतरफा वोट बटोर ले गए तो किसका खेल बिगड़ेगा, इसका अंदाजा नहीं लगा सकते।

100 दागी लड़ रहे चुनाव

कांग्रेस के 13, बीजेपी के 12 जेसीसीजे के 11 प्रत्याशियों पर आपराधिक मामले दर्ज, नेताओं ने खुद बताया

रायपुर, 10 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की 70 विधानसभा सीटों में 958 प्रत्याशी मैदान में है। इनमें से 100 प्रत्याशियों के खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज है। यह जानकारी प्रत्याशियों के शपथ पत्र में सामने आई है। इनमें से कांग्रेस 13, बीजेपी 12, आम आदमी पार्टी 12, जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) 11, बहुजन समाज पार्टी 02, गोंडवाना गणतंत्र पार्टी 04, समेत अन्य पार्टियों के और निर्दलीय 17 प्रत्याशी शामिल है। इनके विरुद्ध धन संशोधन निवारण अधिनियम, बदनाम करने, धोखाधड़ी, आईटी एक्ट, बलवा, मारपीट, शासकीय कार्य में बाधा, प्रॉपर्टी विवाद, धोखाधड़ी समेत अन्य मामलों में केस दर्ज हैं। कई उम्मीदवारों ने अपने विरुद्ध आरोप तय होने की जानकारी भी दी है। कुछ उम्मीदवारों के विरुद्ध कोर्ट में चालान भी पेश हो चुके हैं।

अमरजीत भगत बोले- विश्वासघात हुआ तो राजनीति छोड़ दूंगा

एल्युमिना प्लांट और गांववालों में से किसी एक को चुनने के सवाल पर कही बात

सरगुजा, 10 नवंबर (एजेंसियां)। खाद्यमंत्री अमरजीत भगत चिरगा गांव में एल्युमिना प्लांट का विरोध कर रहे लोगों से कहा कि प्लांट और गांववालों में से किसी एक को चुनना पड़े तो राजनीति छोड़ दूंगा, लेकिन आप लोगों के साथ अन्याय नहीं होने दूंगा। सीतापुर से 2003 से लगातार प्रतिनिधित्व कर रहे अमरजीत भगत को इस बार चुनाव में एंटी इनकंबेंसी भी झेलनी पड़ रही है। बतौली क्षेत्र के चिरगा में प्रस्तावित एलुमिना प्लांट का 11 ग्राम पंचायत, चिरगा, मांजा, करदना, कालीपुर, लैंगू सहित आसपास गांव के लोग वर्ष 2019 से विरोध कर रहे है। मांगों को लेकर ग्रामीणों ने अधिकारियों और मंत्री अमरजीत भगत को घेर लिया था। ग्रामीणों ने मंत्री अमरजीत भगत से प्लांट को लेकर स्थिति

स्पष्ट करने को कहा तो उन्होंने जनभावना के अनुसार निर्णय लेने का हवाला देते हुए टाल दिया था। पांच दिनों पूर्व सोशल मीडिया में मंत्री अमरजीत भगत के खिलाफ महिलाओं द्वारा नारा लगाते हुए वीडियो वायरल हुआ था। वायरल वीडियो में बड़ी संख्या में महिलाएं अमरजीत भगत मुर्दाबाद के नारे लगाती दिखीं। उन्होंने हाथ में काले झंडे भी पकड़े हुए थे। वीडियो जारी कर बताया गया कि यह वीडियो चिरगा गांव का है। मंत्री अमरजीत, उनके समर्थकों या कांग्रेस ने इसका खंडन नहीं किया, बल्कि यह जरूर दावा किया कि यह वीडियो प्रायोजित है। महिलाओं को सिखाकर नारे लगवाए गए हैं। चिरगा में मां क़ुदरगढ़ी एल्युमिना रिफाइनरी प्लांट की स्थापना के लिए शासन स्तर पर 227 एकड़ जमीन आबंटित कर दी गई है। इस भूमि का मार्च 2023 में सीमांकन करने पहुंची प्रशासनिक टीम के साथ कलेक्टर एवं एसपी को हथियारबंद सैकड़ों ग्रामीणों ने घेर लिया था। पुलिस ने स्थल का छावनी में बदल दिया था। विरोध को देखते हुए कलेक्टर को यह आवश्वासन देना पड़ा कि वो ग्रामीणों की मांग को लेकर शासन को पत्र लिखेंगे। गांववालों के एक छोटे धड़े को प्लांट के संचालकों ने अपने पक्ष में कर लिया है, लेकिन बहुसंख्यक इसके विरोध में हैं।

हाईकोर्ट ने मांगी प्रगति की जानकारी

विधानसभा नियुक्ति घोटाले में आयोग की रिपोर्ट मिली

रांची, 10 नवंबर (एजेंसियां)। झारखंड विधानसभा में नियुक्ति में हुई गड़बड़ी पर बनी जस्टिस विक्रमादित्य प्रसाद आयोग की रिपोर्ट राज्य सरकार को मिल गई है। जस्टिस एसजे मुखोपाध्याय आयोग से यह रिपोर्ट मिली है। अब सरकार इस मामले पर आगे की कार्रवाई करेगी। यह जानकारी महाधिवक्ता राजीव रंजन ने गुरुवार को हाईकोर्ट को दी। चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्रा और जस्टिस आनंदा सेन की अदालत ने विधानसभा में हुई नियुक्ति घोटाला मामले की सुनवाई करते हुए सरकार को सात दिसंबर तक प्रगति रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया। सरकार द्वारा अब तक की गई कार्रवाई की जानकारी देने का भी निर्देश दिया। निलंबित आईएएस पूजा सिंघल पर आरोप गठन के खिलाफ दायर याचिका पर अब हाईकोर्ट में छठ अवकाश के बाद सुनवाई होगी। पूजा सिंघल की ओर से खूंटी मनरेगा घोटाले में ईडी कोर्ट से डिस्चार्ज अर्जी खारिज करने और आरोप गठन के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई है। बरियातू स्थित सेना की भूमि की खरीद बिक्री घोटाले मामले में आरोपी अमित अग्रवाल और दिलीप घोष की जमानत याचिका पर सुनवाई गुरुवार को झारखंड हाईकोर्ट में हुई। मामले में दिलीप घोष की ओर से बहस पूरी हो गई, जिसके बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया। अमित की बेल पर सुनवाई 28 दिसंबर को होगी।

बृजमोहन बोले- ढेबर के लोग मेरी हत्या करवाना चाहते थे

रायपुर में मदरसे के पास पूर्व मंत्री पर अटैक, भूपेश बोले- हमला प्रायोजित, एफआईआर

रायपुर, 10 नवंबर (एजेंसियां)। रायपुर दक्षिण से विधायक बृजमोहन अग्रवाल के ऊपर गुरुवार देर शाम हमला कर दिया गया। उनका कॉलर पकड़कर घसीटा गया और मारपीट की गई। बृजमोहन अग्रवाल प्रचार के लिए बैजनाथ पारा पहुंचे थे। अग्रवाल ने आरोप लगाया है कि एजाज ढेबर और अनवर ढेबर के लोग उनकी हत्या करवाना चाहते थे। सीएम भूपेश बघेल ने इसे प्रायोजित बताया। मामले में एक पर एफआईआर दर्ज किया गया।

इसकी जानकारी मिलने पर हजारों की संख्या में उनके समर्थक कोतवाली थाने में पहुंच गए। करीब चार घंटे तक नारेबाजी और प्रदर्शन चलता रहा। मौके पर पहुंचे पूर्व सीएम डॉ. रमन सिंह ने कार्यकर्ताओं से धरना-प्रदर्शन खत्म करने का

आग्रह किया, इसके बाद हनुमान चालीसा का पाठ किया गया और समर्थक वहां से निकले।

रमन सिंह ने कहा कि, प्रजातंत्र के इस महान पर्व पर राजनीतिक षड्यंत्र के तहत सरकार और प्रशासन के संरक्षण के बाद तुष्टिकरण का इससे बड़ा नमूना छत्तीसगढ़ में और कुछ नहीं हो सकता। उन्होंने भूपेश बघेल को चैलेंज करते हुए कहा कि अगर आपने रायपुर की जनता को चुनौती दी है तो इसका नतीजा आपको वोटों में दिख जाएगा।

उन्होंने कहा कि, चुनाव के इस दौर में तत्काल कार्रवाई होनी चाहिए थी, मगर इसके बाद भी भूपेश बघेल राजनीति कर रहे हैं। उनके बयान आ रहे हैं, जो शर्मनाक हैं। हम सरकार को चेतावनी दे रहे हैं कि सरकार में परिवर्तन नहीं आया, अब जनता परिवर्तन करने की ताकत रखती है। इस दौरान भाजपा प्रत्याशी मोतीलाल साहू, पुरंदर मिश्रा, राजेश मूणत भी वहां मौजूद थे।

बृजमोहन ने समर्थकों और कार्यकर्ताओं से शांति बनाए रखने की अपील की है। उन्होंने कहा कि, 3 दिसंबर के बाद हम ऐसे गुंडों को बुलडोजर चलाकर हटाएंगे। इसलिए तब तक हमको शांति रखनी है। चुनाव की तैयारी करनी है। इसके बाद सरकार बनानी है।

sउन्होंने कहा कि, हम लोकतंत्र में विश्वास करते हैं। हम शहर की, छत्तीसगढ़ की फिजा बिगाड़ना नहीं चाहते हैं।

चीनी नागरिकों की मदद से हो रही थी साइबर ठगी, गिरफ्तार

रांची, 10 नवंबर (एजेंसियां)। अपराध अनुसंधान विभाग के तहत संचालित साइबर क्राइम थाना की पुलिस ने 95 लाख की ठगी के अभियुक्त जीवन गोपीनाथ गलधर को गुरुवार को जेल भेज दिया। गुरुवार को सीआईडी मुख्यालय में डीजी सीआईडी अनुराग गुप्ता ने बताया कि ताइवान को अड्डा बना कर साइबर अपराधी चीनी ऐप और वहां के निवासियों के माध्यम से भारत में साइबर ठगी कर रहे हैं। गिरफ्तार गलधर ने इसका खुलासा सीआईडी के समक्ष किया है। इन लोगों ने धनबाद के रहने वाले एक व्यक्ति से 95 लाख रुपए की ठगी की थी। इस मामले में जीवन गोपीनाथ गलधर को महाराष्ट्र से पकड़ा गया। वह औरंगाबाद जिले का रहने वाला है। साइबर सेल की टीम ने उसके पास से दो मोबाइल, दो सिम, बैंक ऑफ ताइवान का डेबिट कार्ड, 3300 ताइवानी डॉलर समेत कई अन्य सामान बरामद किए हैं। डीजी सीआईडी ने बताया कि इस कांड में अनुसंधान के क्रम में संलिप्तता के बिंदु पर पड़ताल करते हुए भारतीय अपराध समन्वय केन्द्र और साइबर पुलिस औरंगाबाद महाराष्ट्र के साथ समन्वय स्थापित किया गया। जिसमें पता चला कि गिरफ्तार अभियुक्त जो ताइवान में रह कर चाईनीज नागरिक के साथ मिलकर भारत से ठगी के लिए इस्तेमाल होने वाले एकाउंट्स का बंदोबस्त करता था। पार्ट टाइम जॉब फ्रॉड और क्रिप्टो करेंसी फ्रॉड के माध्यम से आए पैसों को इसने भारत से बंदोबस्त किया।

असीम दास और कॉन्स्टेबल भीम रायपुर कोर्ट में पेश

ईडी कर सकती है रिमांड बढ़ाने की मांग, सट्टा ऐप मामले में हुई थी गिरफ्तारी

रायपुर, 10 नवंबर (एजेंसियां)। महादेव सट्टा एप मामले में प्रवर्तन निदेशालय की रिमांड पर चल रहे कैश कोरियर असीम दास और उसके साथी कॉन्स्टेबल भीम सिंह यादव को शुक्रवार को रायपुर की विशेष अदालत में पेश किया गया। ईडी दोनों की रिमांड बढ़ाने की मांग कर सकती है। 2 नवंबर को ईडी ने असीम दास से 5.39 करोड़ रुपए बरामद करने के बाद उसे गिरफ्तार किया था।

असीम दास और उसके साथी कॉन्स्टेबल भीम सिंह यादव को ईडी ने 3 नवंबर की शाम 5 बजे रायपुर की स्पेशल कोर्ट में पेश किया। दोनों पक्षों की सुनवाई के बाद कोर्ट ने उन्हें 7 दिन की ईडी की रिमांड पर भेज दिया था। रिमांड अवधि पूरी होने के बाद आज फिर से उन्हें विशेष न्यायधीश अजय सिंह राजपूत की कोर्ट में पेश किया जाएगा।

असीम दास पेशे से ड्राइवर है और ऑनलाइन सट्टा एप चलाता है। ईडी को आशंका है कि उसके घर से मिला पैसा ऑनलाइन सट्टा एप का है, जिसे चुनाव में खर्च करने के लिए रखा गया था। 2 नवंबर को ईडी के अधिकारी कार्रवाई के लिए असीम दास के घर का ताला तोड़कर उसके मकान में घुसे थे। इसके साथ ही रायपुर के एक होटल से असीम दास को गिरफ्तार किया गया था। कार्रवाई करते हुए होटल के कमरे और गाड़ी से 3.12 करोड़ रुपए जब्त किए गए थे।

ईडी के वकील ने कहा कि भीम सिंह यादव सुपेला पुलिस में कॉन्स्टेबल है। हमें जानकारी मिली थी कि वह 3 बार दुबई गया था। 2 यात्राओं में वह महादेव एप के प्रमोटर्स से भी मिला। उसकी बुकिंग भी इन लोगों ने ही कराई थी। इसके अलावा जो पैसा आया है, वह भी इलेक्शन के समय में पॉलिटिकल पार्टी को डिस्ट्रिब्यूट हो रहा था।

लिक्विड ऑक्सीजन प्लांट का हाल बुरा

रांची, 10 नवंबर (एजेंसियां)। कोरोना काल में राज्य भर में पीएम केयर्स और राज्य सरकार के फंड से मेडिकल कॉलेजों, जिला अस्पतालों व प्रखंड स्तर पर करीब 122 पीएसए प्लांट, 30 के करीब लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन प्लांट लगाए गए थे। ये प्लांट गंभीर मरीजों को सांस देने के लिए स्थापित किए गए थे। लेकिन, दो साल बाद इनमें से अधिकांश प्लांट के ही सांसों में जंग लगने की स्थिति उत्पन्न हो गई है। रांची स्थित रिम्स और सदर अस्पताल में 13 केएल क्षमता वाली लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन प्लांट लगा। लेकिन, अब तक इस्तेमाल नहीं हो सका है। रिम्स में पीएम केयर्स फंड से बनवाया गया था, इसकी लागत 50 लाख से ज्यादा थी।रिम्स की मल्टी स्टोरी पार्किंग के बगल में इंस्टॉल किए गए प्लांट की स्थिति ऐसी हो गई है कि इसकी पाइपलाइन में जंग लगने शुरू हो गए हैं। जिस कंपनी ने प्लांट का निर्माण किया, उसने डेढ़ साल में एक बार भी इसकी मेंटेनेंस पर ध्यान नहीं दिया है। न ही इस प्लांट का एक बार भी ट्रायल लिया गया है। निर्माण के बाद से ही प्लांट के गेट में ताला लटका हुआ है, जिसमें पूरी तरह जंग लग चुका है। वहां मौजूद सुरक्षाकर्मी ने बताया कि वह पिछले करीब छह माह से ड्यूटी कर रहा है, लेकिन एक भी दिन प्लांट की मेंटेनेंस होते नहीं देखा।

सदर अस्पताल, एलएमओ प्लांट का नहीं हुआ उपयोग सदर अस्पताल में कोविड के दौरान एक लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन प्लांट और एक पीएसए प्लांट का निर्माण किया था। हैरानी कि बात है कि यहां भी एलएमओ टैंक का हाल रिम्स की तरह ही है। यहां भी इंस्टॉलेशन के बाद प्लांट का उपयोग नहीं किया गया है। न ही इसमें ऑक्सीजन रिफिल कराई गई। 2022 में सदर अस्पताल में नए भवन का उद्घाटन किया गया। यहां हर दिन 200 से ज्यादा मरीज भर्ती रहते हैं, इसमें अधिकांश गंभीर रहते है। उन्हें ऑक्सीजन सपोर्ट की जरूरत पड़ती है। आईसीयू में वेंटिलेटर सपोर्ट पर भी मरीज को रखा जाता है, बावजूद एलएमओ का कनेक्शन नए भवन के वार्डों तक नहीं किया गया है।

भारत-अमेरिका के बीच 2+2 बैठक

चीन, इंडो-पैसेफिक पर चर्चा, भारत को फाइटर जेट्स के इंजन, एमक्यू9 ड्रोन देने पर भी होगी बात

वाशिंगटन, 10 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन गुरुवार देर रात भारत दौरे पर पहुंचे। ब्लिंकन ने यहां विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात की। दोनों देशों के मंत्रियों के बीच 2+2 बैठक जारी है।

इससे पहले अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा- भारत एक वैश्विक शक्ति के तौर पर उभरने वाला देश है। अमेरिका शांत और समृद्ध इंडो-पैसेफिक के लिए भारत का सपोर्ट करता है। वहीं भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा- ब्लिंकन के दौरे से भारत और अमेरिका के बीच रणनीतिक साझेदारी को बढ़ावा मिलेगा।

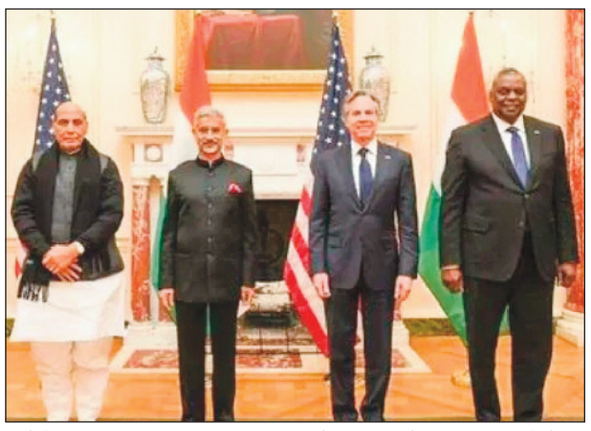

2018 में शुरू हुई थी 2+2 बैठक

ये 5वीं बार है जब भारत और अमेरिका के बीच 2+2 डायलॉग हो रहा है। इससे पहले गुरुवार को अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन बैठक के लिए दिल्ली पहुंचे थे। 2+2 डायलॉग की शुरुआत 2018 में हुई थी। इसका लक्ष्य भारत-अमेरिका के बीच इंडो-पैसेफिक में रक्षा सहयोग बढ़ाना है।

रॉयटर्स के मुताबिक, एक भारतीय अधिकारी ने बताया कि बैठक के दौरान चीन और इंडो-पैसेफिक पर सबसे ज्यादा फोकस रहेगा। इसके अलावा डिफेंस इक्विपमेंट को साथ मिलकर बनाने पर भी चर्चा होगी। इसके अलावा अमेरिका से भारत को फाइटर जेट्स के इंजन और एमक्यू-9 ड्रोन्स सप्लाई करने को लेकर भी बात होगी। साथ ही भारत में फाइटर जेट्स के इंजन और सेमीकंडक्टर बनाने जैसे मुद्दे भी चर्चा का विषय रहेंगे।

राजनाथ सिंह बोले- वैश्विक चुनौतियों के बावजूद आगे बढ़ रही दोस्ती

राजनाथ सिंह ने कहा- वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत और अमेरिका की दोस्ती मजबूत हो रही है। हमारी साझेदारी स्थिर और नियमों से चलने वाले इंडो-पैसेफिक क्षेत्र के लिए बेहद जरूरी है। 2+2 बैठक में हम क्रॉस-कटिंग, रक्षा संबंधों और टेक्नोलॉजी एंड सप्लाई चेन कोलैबोरेशन पर बैठक करेंगे। दोनों देशों के बीच ट्रेड 200 अरब डॉलर से ज्यादा है। आज 2.70 लाख भारतीय छात्र अमेरिका में पढ़ते हैं।

इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन सितंबर में जी20 समिट के लिए भारत आए थे। वहीं जून में पीएम मोदी अमेरिका की स्टेट विजिट पर गए थे। तब भी दोनों देशों के बीच रिश्तों को और मजबूत करने और अलग-अलग क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई थी।

समुद्र में डूबा है सोने से भरा जहाज शुरू हुई तलाश

लंदन, 10 नवंबर (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे कीमती जहाजों में से एक के मलबे की तलाश एक बार फिर तेज की गई है। ब्रिटेन के तट के पास दुनिया के सबसे मूल्यवान जहाजों में से एक 'एल डोराडो ऑफ द सी' की तलाश में है। जिसमें करीब 1 अरब पाउंड का सोना होने का अनुमान है। ऐसा माना जाता है कि गायब हुआ खजाना उस समय इंग्लैंड के पूरे सार्वजनिक कोष का करीब एक-तिहाई था। दुनियाभर के विशेषज्ञों ने इस मूल्यवान जहाज की तलाश में दशकों से लगे हैं।

एल डोराडो ऑफ द सी कहा जाने वाले मर्चेंट रॉयल नाम का ये अंग्रेजी जहाज कॉर्नवाल के तट पर बड़ी भारी मात्रा में धन लेकर डूब गया था। इसके डूबने के समय जहाज पर 100,000 पाउंड सोना, मैक्सिकन चांदी की 400 छड़ें और करीब 5,00,000 स्पेनिश डॉलर थे। जहाज के डूबने की ये घटना करीब 380 साल पहले 1641 में हुई थी।

भारत से रिश्ते सुधारने में जुटा कनाडा

दोनों देशों के विदेश मंत्रियों में हो रही बातचीत

ओटावा, 10 नवंबर (एजेंसियां)। भारत और कनाडा के रिश्ते इन दिनों खराब दौर से गुजर रहे हैं। अब कनाडा की विदेश मंत्री मेलिनी जॉली ने कहा है कि वह भारतीय विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर के संपर्क में हैं और दोनों देशों के रिश्तों को सुधारने की कोशिश जारी है। मेलिनी जॉली ने कहा कि यह समय दोनों देशों के लिए मुश्किल है क्योंकि दोनों देशों के रिश्ते दशकों से मजबूत हैं। कनाडा की विदेश मंत्री को जापान के टोक्यो में जी7 की बैठक में शिरकत करनी है, उससे पहले मीडिया से बात करते हुए मेलिनी जॉली ने उक्त बातें कही। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कनाडा की विदेश मंत्री से भारत से रिश्तों को लेकर सवाल किया गया। इस पर उन्होंने कहा जब भारत की बात आती है तो वह पहले भी कई बार कह चुकी हैं, वह अपने समकक्ष एस जयशंकर के संपर्क में हैं और हम जानते हैं कि यह हमारे संबंधों के लिए खराब समय है लेकिन मुझे विश्वास है कि हम इस मुश्किल समय से निकल जाएंगे। हमारे साझा हित हैं और हम मिलकर इसका समाधान निकाल सकते हैं। बीते दिनों भारत ने कनाडा के 41 राजनयिकों को वापस भेज दिया था। इस पर मेलिनी जॉली ने कहा कि कनाडा के राजनयिकों को भारत से इसलिए आना पड़ा क्योंकि भारत ने उनकी राजनयिक प्रतिरक्षा वापस ले ली थी। ऐसे में हम उनकी सुरक्षा से समझौता नहीं कर सकते थे। क्या अब कनाडा भारत के बीच का विवाद खत्म हो गया है? इसके जवाब में कनाडाई विदेश मंत्री ने कहा कि भारत ने कनाडा के 41 राजनयिकों को वापस भेजा लेकिन कनाडा बदले की कार्रवाई नहीं करेगा। बता दें कि भारत और कनाडा के रिश्तों में उस वक्त खटास आ गई थी, जब कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो ने वहां की संसद में हरदीप सिंह निज्जर की हत्या का आरोप भारत पर लगाया था। हालांकि भारत ने ट्रूडो के आरोपों को निराधार और बेतुका बताया था। इसके बाद भारत ने कनाडा के नागरिकों के लिए वीजा सेवाओं को बर्खास्त कर दिया था। हालांकि बीते महीने भारत ने फिर से वीजा सेवाओं को बहाल कर दिया है।

दुनिया में पहली बार पूरी आंख बदली गई

अमेरिका में 21 घंटे चली सर्जरी, मरीज को 7200 वोल्ट का झटका लगा था, आधा चेहरा भी बदला

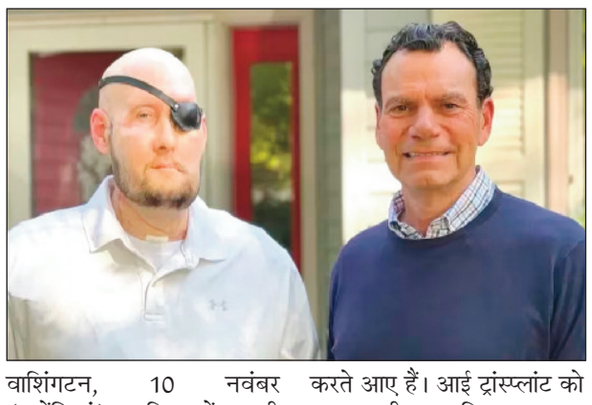

वाशिंगटन, 10 नवंबर (एजेंसियां)। दुनिया में पहली बार आई ट्रांसप्लांट किया गया है। बीबीसी के मुताबिक अमेरिका के न्यूयॉर्क में डॉक्टर्स की टीम ने पहली बार फेस सर्जरी के दौरान किसी इंसान की पूरी आंख को बदल दिया।

ऑपरेशन करीब 21 घंटे चला। करीब 140 डॉक्टरों ने मिलकर यह सर्जरी की। डॉक्टर्स अब तक सिर्फ कॉर्निया (आंख की अगली परत) ट्रांसप्लांट ही करते आए हैं। आई ट्रांस्प्लांट को बहुत बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है, लेकिन अभी यह नहीं कहा जा सकता है कि मरीज की आंख की रोशनी वापस आएगी या नहीं।

ट्रांसप्लांट की गई आंख हेल्दी : डॉक्टर्स

एनवाईयू लैंगोन हेल्थ की सर्जिकल टीम को लीड कर रहे डॉ. एडुआर्डो रोड्रिग्ज ने कहा- ट्रांसप्लांट की गई आंख हेल्दी है। रेटिना- आंख का वो हिस्सा जो दिमाग को इमेज भेजता है, तक ब्लड फ्लो हो रहा है। ये पॉजिटव साइन है। सर्जरी के 6 महीनों में ट्रांसप्लांट की गई आंख की अच्छी तरह से काम करने की उम्मीद है। उसके बाद ही कुछ कहा जा सकेगा कि मरीज देख पाएगा या नहीं।

फेस सर्जरी के दौरान ही हुआ आई ट्रांस्प्लांट

मरीज का नाम एरोन जेम्स है। वो 2021 में हाई वोल्टेज लाइन के करंट की चपेट में आ गए थे। इससे उनके चेहरे का बायां हिस्सा, नाक, मुंह और बाईं आंख बुरी तरह प्रभावित हो गई थी।

डॉक्टर्स ने कहा- जेम्स को 7200 वोल्ट का झटका लगा था। कड़ी मशक्कत के बाद फेस सर्जरी हुई और उनका आधा चेहरा बदला गया।

इसी दौरान बाईं आंख भी बदली गई। बीबीसी के मुताबिक 30 साल के शख्स ने जेम्स को चेहरा-आंख दान किया।

इजराइली सेना ने सीरिया पर एयरस्ट्राइक की

गाजा के सबसे बड़े अस्पताल पर भी हमला, नेतन्याहू फिर बोले- कब्जे का इरादा नहीं

तेल अवीव/न्यूयॉर्क, 10 नवंबर (एजेंसियां)। इजराइल और हमास जंग का आज 35वां दिन है। इस बीच इजराइली सेना ने पुष्टि की है कि उसने सीरिया में एयरस्ट्राइक कीं। सेना ने कहा- सीरिया से इजराइल के ऐलात शहर में एक स्कूल पर हमला किया, जिसके जवाब में हमने कार्रवाई की। हालांकि, सेना ने ये नहीं बताया कि ये हमले किस संगठन पर किए गए।

अलजजीरा के मुताबिक गुरुवार देर रात गाजा के सबसे बड़े अल-शीफा अस्पताल के कॉम्प्लेक्स में इजराइली हमला हुआ। अब तक 6 लोगों की मौत हुई है। आंकड़ा बढ़ने की आशंका है। फिलिस्तीनी हेल्थ मिनिस्ट्री के मुताबिक, अल-शीफा अस्पताल में हजारों लोगों ने शरण ले रखी है।

इस बीच इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने दोहराया कि उनका इरादा गाजा पर कब्जे का नहीं है। उन्होंने कहा- हम गाजा पर कब्जा नहीं चाहते हैं। न ही चाहते हैं कि वहां हमारी सरकार हो। हम बस गाजा को बेहतर भविष्य देना चाहते हैं। गाजा में जमीनी हमले के दौरान अब तक

36 इजराइली सैनिकों की मौत हो चुकी है।

डब्ल्यूएचओ बोला- गाजा में गंभीर बीमारियां फैलने का खतरा

वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन यानी डब्ल्यूएचओ ने एक अहम बयान जारी किया। कहा- जंग के बीच गाजा में सेहत संबंधी गंभीर खतरे पैदा हो रहे हैं। यहां गंभीर बीमारियां फैलने की आशंका है। जंग के बीच इस संगठन का यह पहला बयान है। डब्ल्यूएचओ ने कहा- गाजा में करीब 23 लाख लोग रहते हैं। यहां बुनियादी सुविधाएं जंग की शुरुआत में ही खत्म हो गईं थीं। अगर हालात बहुत जल्द नहीं सुधरे तो यहां गंभीर बीमारियां फैलने का खतरा है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक- डायरिया, चिकनपॉक्स और सांस लेने में दिक्कत होने जैसी बीमारियां बढ़ सकती हैं। यहां इस वक्त पीने लायक पानी तक नहीं है। दुनिया से जो राहत सामग्री भेजी जा रही है वो बेहद कम है। उससे कोई फायदा नहीं होगा।

इजराइली सेना की तरफ से 8 नवंबर से उत्तरी गाजा के लोगों को दक्षिणी हिस्से में जाने के लिए 4 घंटे का वक्त दिया जा रहा है। यहां से अब तक 50 हजार फिलिस्तीनियों ने गाजा छोड़ा है। इजराइली सेना ने एक बयान में कहा था- गाजा के लोगों के लिए यह कदम जरूरी था। हम आम लोगों की सुरक्षा चाहते हैं। इसलिए चार घंटे का वक्त दिया गया है। अब तक तीन बार ये काम किया जा चुका है।

लेबनान से एक बार फिर इजराइल की तरफ एंटी टैंक मिसाइल दागे गए हैं। इजराइली डिफेंस फोर्स यानी आईडीएफ के मुताबिक- जवाबी कार्रवाई में लेबनान से हमले कर रहे हिजबुल्लाह के दो अहम ठिकाने तबाह कर दिए गए।

'टाइम्स ऑफ इजराइल' की एक रिपोर्ट के मुताबिक- गुरुवार दोपहर लेबनान के आतंकी संगठन हिजबुल्लाह ने इजराइल की तरफ एंटी टैंक मिसाइल दागे। चार मिसाइल फायर की गईं। इनमें से एक बिरानित मिलिट्री बेस के करीब गिरी। हालांकि, इससे कोई नुकसान नहीं हुआ। बाकी तीन मिसाइल को आयरन ड्रोन ने मार गिराया। इजराइल ने यहां लेजर डिफेंस सिस्टम भी तैनात किया है। इसके कुछ देर बाद दक्षिणी लेबनान से एक और मिसाइल फायर की गई। इसके निशाने पर इजराइली हेरॉन ड्रोन था। इसे भी मार गिराया गया। माना जा रहा है कि ये सभी मिसाइल ईरान में बनीं हैं और ईरान की मदद से ही इन्हें फायर किया गया।

लेबनान से हुए इन हमलों के बाद इजराइली सेना जबरदस्त जवाब दिया। चंद मिनट में ही साउथ लेबनान में हिजबुल्लाह के दो ठिकानों को पूरी तरह तबाह कर दिया गया। माना जा रहा है कि बहुत जल्द इजराइली सेना जवाबी कार्रवाई का वीडियो भी जारी करेगी।

अमेरिकी वेबसाइट 'यूएस टुडे' की एक स्पेशल रिपोर्ट में दावा किया गया है कि गाजा में इजराइली सेना को एक बहुत बड़ी कामयाबी मिली है। हालांकि, इजराइली सेना ने अब तक इस बात को छिपाकर रखा है।

कनाडा बोला- हम धमकियों को गंभीरता से लेते हैं

आतंकी पन्नू की एयर इंडिया के विमानों को उड़ाने वाली धमकी की भी जांच हो रही

ओटावा, 10 नवंबर (एजेंसियां)। कनाडाई मंत्री का कहना है कि उनका देश हर धमकियों को गंभीरता से लेता है। आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू की एयर इंडिया के विमानों को उड़ाने वाली धमकी को लेकर ट्रांसपोर्टेशन मिनिस्टर पाब्लो रोड्रिग्ज ने कहा- धमकी वाले वीडियो की जांच हो रही है। ये हमारे लिए गंभीर मुद्दा है। हर धमकी की गंभीरता से जांच होती है।

उन्होंने कहा- ये सिर्फ धमकी नहीं थी बल्कि भारतीय बिजनेस के बहिष्कार का आह्वान था। दरअसल, खालिस्तान समर्थक और भारत में प्रतिबंधित संगठन सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) के प्रमुख गुरपतवंत सिंह पन्नू ने एक नया वीडियो जारी कर 19 नवंबर को एयर इंडिया के विमान को उड़ाने की धमकी दी थी।

उसने कहा था- आप 19 नवंबर को एयर इंडिया की फ्लाइट में यात्रा न करें। अगर आप ऐसा करते हैं तो आपकी जान को खतरा हो सकता है। पन्नू ने 19 नवंबर को दिल्ली में इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को बंद करने की धमकी दी थी। इसमें पन्नू ने अपने इरादों के बारे में बताते हुए कहा था कि 19 नवंबर वही दिन है, जिस दिन क्रिकेट वर्ल्ड कप का फाइनल है।

आतंकी पन्नू द्वारा जारी किए गए वीडियो में कहा गया है कि भारत ने सिखों पर अत्याचार किया है। पंजाब को भारत से अलग होने के बाद वह दिल्ली एयरपोर्ट का नाम बदल कर नाम बेअंत सिंह, सतवंत सिंह के नाम पर रखेंगे। आपको बता दें कि बेअंत सिंह और सतवंत सिंह पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के अंगरक्षक थे। इन दोनों ने 31 अक्टूबर को दिवंगत प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी पर गोली चला दी, जिससे उनकी मौत हो गई।

आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को लेकर गुरपतवंत सिंह पन्नू खुलेआम हिंदू-कनाडाई लोगों को धमकी दी थी कि वो भारत लौट जाएं। दरअसल, कनाडा ने भारत पर निज्जर की हत्या के आरोप लगाए हैं। भारत ने इन आरोपों को खारिज किया है जिसके बाद से दोनों देशों के बीच तनाव है।

ग्रैमी अवॉर्ड के पूर्व सीईओ के खिलाफ यौन उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज

वाशिंगटन, 10 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका में एक महिला ने ग्रैमी अवार्ड के पूर्व सीईओ नील पोर्टनाउ के खिलाफ 2018 में उसका यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगाते हुए बुधवार को मुकदमा दर्ज कराया। महिला ने रिकॉर्डिंग अकादमी पर मामले की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए उसे भी अदालत में घसीटा है। महिला का नाम जाहिर नहीं किया गया है।

महिला ने वयस्क उत्तरजीवी अधिनियम के तहत मैनहट्टन में प्रांतीय शीर्ष कोर्ट में मुकदमा दायर किया है। मुकदमे में महिला को अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त एक संगीतकार बताया गया है। उसने आरोप लगाया है कि वह 2018 की शुरुआत में पोर्टनाउ से मिली थी और साल के अंत में उनका साक्षात्कार लेने के लिए न्यूयॉर्क के एक होटल में मिलने पर सहमति जताई थी।

चीन ने तिब्बत को बताया दक्षिण एशिया का प्रवेश द्वार

कहा- दलाई लामा के उत्तराधिकारी को मंजूरी की जरूरत

बीजिंग, 10 नवंबर (एजेंसियां)। चीन ने शुक्रवार को एक श्वेत पत्र जारी किया है जिसमें रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण तिब्बत क्षेत्र को भारतीय सीमा के पास बुनियादी ढांचे के विकास पर जोर दिया गया है। इसमें कहा गया है कि 88 वर्षीय दलाई लामा का कोई भी उत्तराधिकारी देश के भीतर से होना चाहिए और उनके उत्तराधिकारी को उसकी मंजूरी की जरूरत है। श्वेत पत्र में कहा गया, दलाई लामा और पंचेन रिनपोचेस सहित सभी पुनर्जन्मित तिब्बती जीवित बुद्धों की देश के भीतर तलाश की जानी चाहिए। स्वर्ण कलश से लॉटरी निकालने की प्रथा के जरिए फैसला लिया जाना चाहिए और केंद्र सरकार से मंजूरी प्राप्त की जानी चाहिए।

तिब्बत को झिजांग कहने वाला चीन इस बात को लेकर चिंतित है कि भारत के धर्मशाला में निर्वासन का जीवन बिता रहे 80 वर्षीय दलाई लामा अपना उत्तराधिकारी नियुक्त करेंगे, जिसका हिमालयी क्षेत्र में गहरा आध्यात्मिक प्रभाव पड़ सकता है क्योंकि उनकी विरासत तिब्बती लोगों के मन में बसी हुई है। हालांकि, बीजिंग का कहना है कि दलाई लामा के उत्तराधिकारी को उसकी मंजूरी की जरूरत है। पर्यवेक्षकों का कहना है कि वह चिंतित है क्योंकि दलाई लामा द्वारा नामित युवक को हटाने के बाद नियुक्त किए गए नंबर दो आध्यात्मिक नेता वर्तमान पंचेन लामा को तिब्बत में ज्यादा तवज्जो नहीं मिल रही है।

'नए युग में झिजांग (तिब्बत) के शासन पर चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) की नीतियां: दृष्टिकोण और उपलब्धियां' शीर्षक वाले श्वेत पत्र में तिब्बत में अलगाववाद का मुकाबला करने के लिए की गई कार्रवाई को भी रेखांकित किया गया है। इसमें

कहा गया है, 'घुसपैठ, तोड़फोड़ और अलगाव के खिलाफ लड़ाई जारी है और झिजांग अलगाववाद से निपटने के लिए सक्रिय रुख अपना रहा है।' श्वेत पत्र में आगे कहा गया, 'दलाई समूह की प्रतिक्रियावादी प्रकृति को उजागर किया गया है और निंदा की गई है, और क्षेत्रीय सरकार सभी रूपों का विरोध करने के लिए सभी जातियों के लोगों पर बारीकी से निर्भर करती है।' श्वेत पत्र में आगे कहा गया, 'अब इस क्षेत्र के लोगों के दिमाग में यह बात गहराई से बैठ गई है कि एकता और स्थिरता एक आशीर्वाद है, जबकि विभाजन और अशांति आपदा का कारण बनती है। वे देश की एकता, राष्ट्रीय संप्रभुता और जातीय एकजुटता की रक्षा के लिए और अधिक दृढ़ है।' चीन ने तिब्बत के मुद्दों के लिए अमेरिका द्वारा विशेष समन्वयक नियुक्त किए जाने का भी कड़ा विरोध किया है और वॉशिंगटन के इस दावे की आलोचना की है कि बीजिंग को दलाई लामा के उत्तराधिकारी के चयन में दखल नहीं देना चाहिए। मौजूदा दलाई लामा के बारे में चीन ने इस बात को दोहराया कि वह किसी भी तरह से एक धार्मिक व्यक्ति नहीं हैं, बल्कि एक राजनीतिक निर्वासित व्यक्ति हैं, जो लंबे समय से चीन विरोधी अलगाववादी गतिविधियों में शामिल हैं और तिब्बत को चीन से विभाजित करने का प्रयास कर रहे हैं।

सेंसर में खराबी के कारण रोबोट ने बक्सा समझकर इंसान को जकड़ा, मौत

सियोल, 10 नवंबर (एजेंसियां)। दक्षिण कोरिया में एक व्यक्ति के लिए तकनीक जान की दुश्मन बन गई। कोरिया के ग्योंगसांग प्रांत में एक कृषि उपज वितरण केंद्र में ये व्यक्ति रोबोट का शिकार हो गया। दरअसल, रोबोट मिर्च से भरे बक्सों को रख रहा था, लेकिन सेंसर में खराबी की वजह से उसने 40 साल के कर्मचारी को भी बक्सा समझ लिया। उसे पकड़ने के लिए अन्य सामान की तरह इतनी जोर से जकड़ा कि उसकी मौत हो गई। पुलिस ने बताया है कि हादसे के दौरान कर्मचारी मिर्च के बड़े डिब्बों का निरीक्षण कर रहा था। इसी दौरान रोबोट के दबोचने से उसका चेहरा और छाती कुचल गई।

घायल कर्मचारी को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उसकी जान नहीं बच सकी। जांच में दक्षिण ग्योंगसांग प्रांत में स्थित मिर्च छंटाई संयंत्र में लगाए गए इस रोबोट के सेंसर में खराबी आ जाने की बात सामने आई है। रोबोट के सेंसर में खराबी की वजह से ही वह इन्सान और डिब्बे में फर्क करने में कामयाब नहीं हो सका। जिस संयंत्र में ये घटना हुई है, उसके मालिक ने सटीक और सुरक्षित प्रणाली स्थापित करने की बात कही है। अमेरिकी जर्नल ऑफ इंडस्ट्रियल मेडिसिन के अनुसार, अमेरिका में औद्योगिक रोबोट्स अब तक 41 लोगों की जान ले चुके हैं। 83 प्रतिशत हादसे स्थिर रह कर काम करने वाले रोबोट्स की वजह से हुए, रखरखाव के दौरान कई हादसे हो रहे हैं। दक्षिण कोरिया में इसी वर्ष मई में एक ऑटोमोबाइल प्लांट में कर्मचारी को गंभीर रूप से घायल कर दिया था।

देश में लेमिनेशन पेपर की भारी कमी

नहीं छप रहे पासपोर्ट, विदेश जाने वालों में रोष

इस्लामाबाद, 10 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति जग जाहिर है। आए दिन कोई न कोई मामला सामने आता रहे है। पाकिस्तान में लेमिनेशन पेपर की भारी कमी है। जिसका इस्तेमाल पाकिस्तानी पासपोर्ट में किया जाता है। यह पेपर आमतौर पर फ्रांस से आयात किया जाता है। आयातित लेमिनेशन पेपर की कमी के कारण पाकिस्तान में पासपोर्ट की छपाई लंबित है।

एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया कि जिसके कारण पासपोर्ट की छपाई में कमी आ गई है। कई लोगों को इसके कारण

दिक्कतें का सामना करना पड़ रहा है। पेशावर में पासपोर्ट कार्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, वे वर्तमान में प्रति दिन केवल 12 से 13 पासपोर्ट ही बना सकते हैं, जबकि पहले प्रतिदिन 3,000 से 4,000 पासपोर्ट बनते थे। उन्होंने कहा, लोगों को कई महीनों का इतंजार करना पड़ सकता है।

हालांकि, पाकिस्तान ऑब्जर्वर पोर्टल ने आंतरिक मंत्रालय के हवाले से कहा, पाकिस्तान ने लेमिनेशन पेपर का ऑर्डर दे दिया है और उन्हें एक हफ्ते में ऑर्डर मिल जाएगा। इसमें यह भी कहा गया कि क्षेत्रीय कार्यालयों को दैनिक आधार पर पासपोर्ट के नवीनीकरण या जारी करने के लिए 25,000 तक आवेदन प्राप्त हो रहे हैं, लेकिन देश में लेमिनेशन पेपर की कमी के कारण बैकलॉग अब बढ़ गया है। आव्रजन और पासपोर्ट महानिदेशालय (डीजीआई एंड पी) की स्पष्ट अक्षमता के बारे में पूछे जाने पर आंतरिक मंत्रालय के मीडिया महानिदेशक कादिर यार तिवाना ने कहा, सरकार अपना काम कर रही है।

संकट से निपटने के लिए उपायों को तलाशा जा रहा है। स्थिति जल्द ही नियंत्रण में होगी और पासपोर्ट जारी करना सामान्य रूप से जारी रहेगा।

राजस्थान के 7 से ज्यादा जिलों में बारिश हुई

आज भी बरसात का अलर्ट; रबी की फसल बोने वालों के लिए राहत

जयपुर, 10 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर भारत में एक्टिव हुए वेस्टर्न डिस्टर्बेंस (पश्चिमी विक्षोभ) के कारण राजस्थान में आज लगातार दूसरे दिन 7 से ज्यादा जिलों में बारिश हुई। आज सुबह हनुमानगढ़, गंगानगर, चूरू, जोधपुर, जयपुर, दौसा के अलावा झुंझुनूं के कुछ हिस्सों में बादल छाने के साथ बारिश हुई।

इससे पहले कल चूरू, बीकानेर, गंगानगर, बाड़मेर और जोधपुर के एरिया में बारिश हुई थी। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि वेस्टर्न डिस्टर्बेंस का असर कल से प्रदेश में खत्म हो जाएगा। आसमान फिर से साफ होने लगेगा। पिछले 24 घंटे की स्थिति देखें तो चूरू जिले के सुजानगढ़, सरदारशहर, तारानगर, रतनगढ़ समेत कई इलाकों में 5MM तक बरसात हुई। जोधपुर के फलोदी, बीकानेर के पूंगल, नोखा, गंगानगर के रायसिंह नगर में भी बारिश हुई। इधर जयपुर और दौसा जिले में भी कई इलाकों में हल्की बारिश हुई। जैसलमेर के भी कुछ एरिया में हल्की बूंदाबांदी हुई। आज सुबह भी गंगानगर के कुछ हिस्सों में बादल छाए और हल्की बूंदाबांदी हुई। हनुमानगढ़ शहर के अलावा आसपास की तहसीलों में भी सुबह से बादल छाए हुए हैं। कहीं-कहीं हल्की से मध्यम बारिश हुई।

हनुमानगढ़ में झमाझम बारिश के बाद सड़कों पर पानी बहता दिखा। बारिश के

कारण हनुमानगढ़-गंगानगर में एयर क्वालिटी इंडेक्स लेवल जो 400 से ऊपर था, वह गिरकर 300 से नीचे चला गया है। जयपुर, अलवर जिले में भी आज आंशिक तौर पर बादल छाए हुए हैं। अलवर के कुछ हिस्सों में आज दोपहर बाद हल्की बारिश होने का संभावना है।

बादल छाने और बारिश होने से उत्तरी राजस्थान के शहरों में दिन का तापमान गिर गया, जिससे यहां दिन में हल्की ठंडक हो गई। गंगानगर में कल दिन का अधिकतम तापमान 27.5 डिग्री सेल्सियस से ऊपर नहीं गया। बीकानेर में भी अधिकतम तापमान 30.5, जैसलमेर में 32.6, जोधपुर में 32.8, हनुमानगढ़ में 28.9 और चूरू में 31.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

राज्य में बारिश होने से रबी की फसल बोने वालों को इसका सबसे ज्यादा फायदा मिलेगा। कृषि विशेषज्ञों के मुताबिक गेंहू, सरसों, चना और जौ बोने के लिए जमीन में थोड़ी नमी होना जरूरी है। बारिश से जमीन में नमीं आएगी, जो बुवाई के लिए अच्छी रहेगी।

कोहरा पड़ेगा या नहीं, लेकिन ट्रेन तो अभी से रद्द

रेलवे ने दिसंबर से फरवरी तक 8 ट्रेनों के 100 से ज्यादा फेरे कैंसिल किए

जयपुर, 10 नवंबर (एजेंसियां)। सर्दी के इस सीजन में कोहरा पड़ेगा या नहीं ये तो आने वाला समय बताएगा, लेकिन रेलवे ने अभी से ये मान लिया है कि दिसंबर से फरवरी तक उत्तर-मध्य भारत कोहरा पड़ेगा। इस कारण रेलवे ने 8 ट्रेनों के 100 से फेरों को रद्द किया है। इसमें चार ट्रेने तो ऐसी है जिनको दिसंबर, जनवरी और फरवरी में चलाया ही नहीं जाएगा।

उत्तर पश्चिम रेलवे से जारी शेड्यूल के मुताबिक कोहरा पड़ने की संभावना को देखते हुए गाड़ी संख्या 14525 अम्बाला-श्रीगंगानगर और गाड़ी संख्या 14526 श्रीगंगानगर-अम्बाला को 1 दिसंबर से 29 फरवरी तक रद्द करने का निर्णय किया है। ये गाड़ी रोजाना अम्बाला-श्रीगंगानगर के बीच संचालित होती है। इसी तरह गाड़ी संख्या 14724 भिवानी-प्रयागराज और गाड़ी संख्या 14723 प्रयागराज-भिवानी को आंशिक रूप से रद्द किया है। ये गाड़ी 1 दिसंबर से 29 फरवरी तक कानपुर सेंट्रल से प्रयागराज के बीच रद्द रहेगी।

इन गाड़ियों के फेरे किए कम

रेलवे ने गाड़ी संख्या 12988 अजमेर-सियालदाह को 2 दिसंबर से 29 फरवरी तक प्रत्येक सोमवार, बुधवार, शुक्रवार और रविवार को ही चलेगी, जबकि सप्ताह के शेष दिन रद्द रहेगी। इसी तरह गाड़ी संख्या 12987 सियालदाह-अजमेर 3 दिसंबर से 1 मार्च तक प्रत्येक सोमवार, मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को ही चलेगी, जबकि शेष दिन रद्द रहेगी।

इसी तरह गाड़ी संख्या 15909 डिब्रुगढ-लालगढ़ 2 दिसंबर से 24 फरवरी सप्ताह में केवल 6 दिन ही चलेगी, ये ट्रेन हर शनिवार को रद्द रहेगी।

करंट लगने से एक परिवार के चार लोगों की मौत

घर में शॉर्ट सर्किट से पहले पिता झुलसे, उनके बचाने पहुंचे पत्नी, बेटा-बेटी की भी मौत

उदयपुर, 10 नवंबर (एजेंसियां)। धनतेरस से एक दिन पहले सलुंबर में करंट लगने से परिवार के चार लोगों की मौत हो गई। शॉर्ट सर्किट से मकान में करंट दौड़ गया। करंट लगने से बुजुर्ग पति-पत्नी और बेटा-बेटी की मौत हो गई। घर में केवल पुत्रवधू व डेढ़ साल की बच्ची बची है। घटना सलुम्बर जिले में लसाडिया की ग्राम पंचायत ढिकीया के बोडफला की है। करंट से झुलसने से उंकार मीणा (68), पत्नी भमरी (65), बेटे देवीलाल (25) और बेटी मांगी मीणा (22) की मौके पर मौत हो गई।गुरुवार शाम को उंकार मीणा का परिवार घर पर ही था। रात साढ़े 8 बजे बिजली के पोल में शॉर्ट सर्किट हुआ। इससे घर के दरवाजे में करंट आने लगा। दरवाजा छूने से उंकार लाल झुलस गया। उसको बचाने के लिए उसकी पत्नी भमरी मीणा व पुत्र देवीलाल और पुत्री मांगी दौड़े। करंट ने चारों को चपेट में ले लिया। चारों की मौके पर ही मौत हो गई। देवीलाल की पत्नी ने डेढ़ साल की बच्ची को संभाला और दरवाजे से दूर हट गई। इसके बाद उसने चिल्लाकर आस-पास के लोगों को बुलाया। ढिकिया सरपंच पूनम चंद मीणा ने पुलिस सहित जनप्रतिनिधियों को जानकारी दी।

बिजली निगम में फोन कर बिजली बंद करवाई। सूचना पर कलेक्टर प्रताप सिंह व एसपी अरशद अली भी मौके पर पहुंचे। कूण थानाधिकारी प्रवीण सिंह शक्तावत मय जाप्ता मौके पर पहुंचे। घटना की सूचना पर आरआई गौतम लाल मीणा, पटवारी जयदीप सिंह, भाजपा प्रत्याशी कन्हैयालाल मीणा, मंडल अध्यक्ष विक्रम सिंह झाला, उपप्रधान धनराज पटेल, लसाड़िया सरपंच रूप लाल मीणा, विरम लाल मीणा, लक्ष्मण लाल मीणा, नाथुलाल मीणा, पुनम चंद मीणा सहित ग्रामीण मौजूद थे।

झाड़ोल थाना क्षेत्र के बेरणा गांव में गुरुवार को खेत पर काम कर रहे बुजुर्ग दंपती की करंट लगने से मौत हो गई थी। बेरणा निवासी वक्ताराम अपनी पत्नी रूपली बाई के साथ खेत में पानी देने का काम कर रहे थे। तभी खेत के ऊपर से गुजर रही 11केवी के बिजली लाइन के लटके हुए तार छू जाने से करंट लग गया। पति और पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई।

बताया जा रहा है कि दंपती में से पहले एक व्यक्ति को करंट लगा था। फिर उसे छुड़ाने की कोशिश में दूसरे को भी करंट लग गया। ग्रामीणों का कहना है कि खेतों से गुजर रही बिजली की लाइन के तार कई दिनों से बहुत नीचे तक लटके हुए हैं। खतरे की संभावना को देखते हुए बिजली विभाग को कई बार अवगत करा चुके हैं लेकिन विभाग ने इस पर ध्यान नहीं दिया।

राजस्थान में बागी किस पार्टी का कितना गणित बिगाड़ेंगे

कांग्रेस-भाजपा से 45 बागी मैदान में; गहलोत भी अपने करीबी को नहीं मना पाए

जयपुर, 10 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में नाम वापसी के बाद अब उम्मीदवारों की तस्वीर साफ हो गई है। कांग्रेस और बीजेपी के तमाम प्रयासों के बावजूद ज्यादातर जगहों पर बागी उम्मीदवारों को मनाने में सफलता नहीं मिली। अभी भी कांग्रेस और बीजेपी के लगभग 45 से ज्यादा बागी चुनावी मैदान में हैं। इनमें से ज्यादातर निर्दलीय हैं, कुछ को राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी-आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) गठबंधन ने टिकट दिए हैं। 25 सीटों पर बीजेपी के बागी तो 20 सीटों पर कांग्रेस के बागी चुनाव लड़ रहे हैं। बागियों के हिसाब से बाड़मेर की शिव सीट सबसे हॉट सीट है, जहां कांग्रेस का एक और बीजेपी के दो बागी उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। यहां बीजेपी के बागी जालम सिंह रावलोत और रविंद्र सिंह भाटी चुनाव लड़ रहे हैं, वहीं कांग्रेस के

प्रियंका चौधरी | आशु सिंह सूरपुरा | चंद्रभानसिंह

पूर्व जिलाध्यक्ष फतेह खान भी मैदान में हैं। जननायक जनता पार्टी ने भी कुछ बागियों को टिकट दिए हैं। बागियों ने कांग्रेस और बीजेपी के समीकरण बिगाड़ दिए हैं। बाड़मेर की ही सिवाना सीट से सीएम के नजदीकी नेता सुनील परिहार भी बागी हो गए हैं।

राजगढ़-लक्ष्मणगढ़ से कांग्रेस के मौजूदा विधायक जौहरीलाल मीणा टिकट कटने के बाद बागी होकर चुनाव लड़ रहे हैं। बीजेपी विधायक चंद्रभान सिंह आक्या चितौड़गढ़ से बागी होकर मैदान में हैं।

कांग्रेस के बागियों ने बिगाड़े समीकरण

शिव से फतेह खान, बसेड़ी से खिलाड़ीलाल बैरवा, राजगढ़-लक्ष्मणगढ़ से जौहरीलाल मीणा, शाहपुरा से आलोक बेनीवाल, सिवाना से सुनील परिहार, जालोर से रामलाल मेघवाल, नागौर से हबीबुर्रहमान, लूणकरणसर से वीरेंद्र बेनीवाल, चौरासी से महेंद्र बारजोड़, सादुलशहर से ओम बिश्नोई, मनोहरथाना से कैलाश मीणा, खींवसर से दुर्ग सिंह खींवसर, देवाराम रोत, राजकरण चौधरी, अजीजुद्दीन आजाद, राकेश बोयत, रामनिवास गोयल, नरेश मीणा, करुणा चांडक, गोपाल गुर्जर और मनोज चौहान कांग्रेस से बगावत कर चुनाव लड़ रहे हैं।

बीजेपी में कांग्रेस से ज्यादा बागी

बीजेपी में कांग्रेस से ज्यादा बागी मैदान में हैं। शिव से रवींद्र भाटी, चित्तौड़गढ से चंद्रभान आक्या, डीडवाना से युनूस खान, बाड़मेर से प्रियंका चौधरी, झुंझूनू से राजेंद्र भांबू, सूरतगढ़ से राजेंद्र भादू, शाहपुरा से कैलाश मेघवाल,लाडपुरा से भवानी सिंह राजावत, खंडेला से बंशीधर बाजिया,झोटवाड़ा से आशुसिंह सूरपुरा, सुजानगढ़ से राजेंद्र नायक, सीकर से ताराचंद धायल, सवाईमाधोपुर से आशा मीणा, संगरिया से गुलाब सिंवर, सांचौर से जीवाराम चौधरी, मसूदा से, जसवीर सिंह खरवा, ब्यावर से इन्द्र सिंह, मकराना से हिम्मत सिंह राजपुरोहित, लूणकरणसर से प्रभुदयाल सारस्वत, कोटपूतली से मुकेश गोयल, जालोर से पवनी मेघवाल, बस्सी से जितेंद्र मीणा, फतेहपुर से मधुसूदन भिंडा, पिलानी से कैलाश मेघवाल, डग से रामचंद्र सुनेरीवाल मैदान में हैं। रितु बनावत, अशोक कोठारी, ज्ञानचंद सारस्वत, रुपेश शर्मा और योगी लक्ष्मण नाथ भी बीजेपी के बागी हैं। कांग्रेस के बागी और लंबे समय तक जिलाध्यक्ष रहे फतेह खान बागी चुनावी मैदान में है। इस सीट पर बीजेपी के भी दो बागी हैं। फतेह खान को मनाने का प्रयास किया, लेकिन वे नहीं माने।

बसेड़ीः पायलट समर्थक खिलाड़ी की बगावत से नुकसान पायलट समर्थक खिलाड़ीलाल बैरवा टिकट कटने के बाद बागी होकर लड़ रहे हैं। कांग्रेस के दलित वोटों में बिखराव से मुकाबला रोचक हो गया है।

गणपति प्लाजा स्थित लॉकर्स में मिले 75 लाख रुपए

जयपुर, 10 नवंबर (एजेंसियां)। जयपुर में आईटी विभाग की टीम को आज गणपति प्लाजा के लॉकर्स से 75 लाख रुपए कैश मिला है। दरअसल, आईटी की टीम 29 अक्टूबर से इस लॉकर के मालिक की तलाश कर रही थी। 12 दिन बाद भी कोई जिम्मेदार सामने नहीं आया। यह लॉकर किस का है। इस मामले को लेकर लॉकर एजेंसी के मालिक से भी पूछताछ की गई। उनकी ओर से कोई जवाब नहीं दिया गया। इसके बाद शुक्रवार को आईटी की टीम कटर लेकर गणपति प्लाजा स्थित रोयरा सेफ्टी वॉलेट्स में पहुंची। लॉकर को कटर से काटकर पैसा निकाला।

जयपुर के गणपति प्लाजा में बने लॉकर्स की आयकर अधिकारी लगातार जांच कर रहे हैं। 29 अक्टूबर शनिवार को सर्च के दौरान एक लॉकर से आयकर के अधिकारियों को साढ़े 4 किलो सोना मिला था। जो रूई की चादर में लपेटा हुआ था। गोल्ड की जांच करने पर उसका वजन और शुद्धता के लिए टीमों को मौके पर बुलाया गया। जांच के दौरान गोल्ड शुद्ध और अच्छी क्वालिटी का मिला। इसकी वर्तमान बाजार मूल्य करीब 2.5 करोड़ रुपए बताई गई थी। इनकम टैक्स के अधिकारियों ने गोल्ड को सीज कर लिया था। ये लॉकर किसका है। इसका खुलासा विभाग ने नहीं किया है। आईटी के अधिकारियों ने बताया- ऐसे कई लॉकर हैं, जिनकी जानकारी लॉकर कंपनी के मालिक को नहीं हैं। वह जांच में आईटी के अधिकारियों का सहयोग भी नहीं कर रहे हैं। यही कारण है कि अब आईटी के अधिकारी लॉकर को काट कर पैसा निकालने में लगी है।

उदयपुरवाटी से राजेंद्र सिंह गुढा नाम के दो प्रत्याशी

रात 8 बजे तक रुका मतपत्र का प्रकाशन, विधायक बोले- इससे मुझे नुकसान, मैने शिकायत की

उदयपुरवाटी,10 नवंबर (एजेंसियां)। उदयपुरवाटी विधायक राजेंद्र सिंह गुढ़ा के लिए चुनावी मैदान में एक नई परेशानी खड़ी हो गई है। मैदान में उनके ही नाम का एक और प्रत्याशी है। खास बात ये है कि उसके नाम के पीछे भी गुढ़ा ही लगा है। यानी अब मैदान में राजेंद्र सिंह गुढ़ा नाम के दो प्रत्याशी होंगे। गुरुवार को नाम वापसी के बाद जब अंतिम प्रत्याशी सूची जारी होने लगे तो यह विवाद सामने आया। जिसके बाद देर रात तक विवाद चलता रहा। रात 8 बजे तक मतपत्र की सूची प्रकाशन रुका रहा। इस पूरे मामले में विधायक राजेंद्र सिंह गुढ़ा ने निर्वाचन अधिकारी के खिलाफ चुनाव आयोग को शिकायत भी की है। जिसमें लिखा है कि इससे उन्हें नुकसान होगा।

क्या है पूरा मामला

उदयपुरवाटी से शिवसेना से राजेंद्रसिंह गुढ़ा और निर्दलीय टोडी निवासी राजेंद्र सिंह ने नामांकन भरा। दोनों के नामांकन मंजूर भी हो गए। अंतिम रूप से प्रकाशित होने वाली प्रत्याशी सूची में दोनों अपने नाम के पीछे गुढ़ा लिखवाना चाहते थे। इस पर विधायक राजेंद्र सिंह गुढ़ा ने ऐतराज जताया और कहा कि इससे उन्हें नुकसान होगा। इसके बाद निर्वाचन अधिकारी ने सहायक निर्वाचन अधिकारी से जांच करवाई तो सहायक निर्वाचन अधिकारी ने टोडी निवासी राजेंद्र सिंह को गुढ़ा के नाम से नहीं जानने की रिपोर्ट दी।

इसके बाद शिवसेना प्रत्याशी राजेंद्रसिंह से उनके गुढ़ा होने का दस्तावेज मांगे गए तो उन्होंने पंद्रहवीं विधान सभा का अपना आइकार्ड पेश कर दिया, जिसमें उनके नाम के आगे गुढ़ा लिखा हुआ था। इसके बावजूद टोडी निवासी राजेंद्र सिंह ने अपने नाम के पीछे गुढ़ा लगाने की मांग की। देर रात तक यह विवाद चलता रहा। आखिर में देर रात निर्वाचन अधिकारी कल्पित शिवरान ने फैसला सुनाया कि मतपत्र में दोनो के नाम से आगे गुढ़ा लगाया जाएगा और अलग पहचान के लिए दोनों के पिता का नाम साथ में लिखा जाएगा।

इस पूरे मामले में विधायक व शिवसेना प्रत्याशी राजेंद्रसिंह गुढ़ा ने निर्वाचन आयोग को शिकायत भेजी है। जिसमें आरोप लगाया है कि निर्वाचन अधिकारी कल्पित शिवरान ने जातिवाद करते हुए अपने पद का दुरुपयोग किया और मतपत्रों में दूसरे प्रत्याशी के नाम से आगे गुढ़ा लगा दिया। गुढ़ा ने निर्वाचन अधिकारी को हटाकर किसी निष्पक्ष अधिकारी को आरओ लगाने तथा उनके नाम से आगे गुढ़ा लगाने व दूसरे के नाम के आगे उसका प्रचलित नाम रखवाने की मांग की है।

बीजेपी-कांग्रेस ने 120 पराजितों को टिकट दिया

77 भाजपा से और 43 कांग्रेस के प्रत्याशी; कोई 6 बार हारा तो किसी ने दल बदल कर सीट ली

जयपुरएक ,राजस्थान के चुनावों में भाजपा और कांग्रेस दोनों ही पार्टियों ने 120 हारे हुए प्रत्याशियों को मैदान में उतारा है। इसमें 43 हारे हुए प्रत्याशियों को कांग्रेस ने टिकट दिया है तो भाजपा ने 77 प्रत्याशियों पर भरोसा जताया है। इसमें भाजपा ने 4 बार हारे 3 नेताओं पर और 3 बार हार चुके 4 नेताओं पर दांव लगाया है तो कांग्रेस में 6 बार और 4 बार हारे 1-1 प्रत्याशी को मैदान में उतारा है। किसी को सर्वे में मजबूत चेहरा बताया गया था, तो किसी पर केंद्रीय नेतृत्व ने भरोसा जताया है।

सबसे पहले वो चेहरा जिस पर 4 बार हार जाने के बाद भी भाजपा को भरोसा है-

सुरेंद्र पाल सिंह लंबे समय से बीजेपी का चेहरा रहे हैं। सिख समुदाय में उनकी अच्छी पकड़ है। टीटी वसुंधरा राजे की सरकार में दो बार मंत्री रहे हैं।

धर्मपाल गुर्जर (खेतड़ी): महज 957 वोटों के अंतर से हारे थे

बीजेपी ने खेतड़ी से 2003 से लेकर 2018 के 4 चुनाव लगातार हार चुके धर्मपाल गुर्जर को प्रत्याशी बनाया है। धर्मपाल 3

बार खेतड़ी विधानसभा और 1 बार नीमकाथाना विधानसभा सीट से चुनाव हार चुके हैं। 2018 के चुनावों में 957 वोटों के अंतर से कांग्रेस के जितेंद्र सिंह से हारे थे।

क्यों मिला टिकट- बेहद नजदीकी मार्जिन से हार। क्षेत्र में लगातार सक्रियता।

भाजपा के ऐसे चेहरे जो तीन बार हारे हैं-

जोगाराम पटेल (लूणी): पिछला चुनाव कम मार्जिन से हारे

अब तक 5 चुनाव लड़ चुके है। 2018, 2008, 2003 का चुनाव हारे। 2013 और 2004 का उपचुनाव जीते। 2013 का चुनाव बड़े अंतर से जीते थे। इसके बाद 2018 में 10 हजार वोटों के मार्जिन से हारे।

क्यों मिला टिकट- दो बार के विधायक, सर्वे में मजबूत प्रत्याशी।

हंसराज पटेल (कोटपूतली): निर्दलीय और कांग्रेस से भी हारे अब भाजपा से टिकट

पटेल 3 बार विधानसभा चुनाव लड़े, तीनों बार हारे। 2013-2018 का चुनाव निर्दलीय लड़ा। 2003 में कांग्रेस के टिकट पर लड़ा था। 2018 में पटेल भाजपा से बागी हुए थे। इस बार भाजपा ने भरोसा जताया है। पटेल अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के उपाध्यक्ष भी हैं।

क्यों मिला टिकट- जातिगत समीकरण पक्ष में। कमजोर सीट पर बीजेपी ने नया चेहरा उतारा।

रमेश खींची (कठूमर): भाजपा में शामिल हुए, टिकट मिला

रमेश खींची अब तक 5 चुनाव लड़ चुके हैं। 2008 से लेकर 2018 के 3 चुनाव लगातार हार चुके हैं। 1998 और 2003 में विधायक रहे। कठूमर से 2 बार कांग्रेस के विधायक और 3 साल कांग्रेस जिलाध्यक्ष रहे। 2019 में भाजपा में शामिल हो गए थे।

क्यों मिला टिकट- 5 साल क्षेत्र में सक्रिय रहे।

एक नजर 2 बार हारे भाजपा प्रत्याशियों पर-

गोवर्धन वर्मा (धोद): एकमात्र मजबूत विकल्प

बीजेपी ने यहां से 2 चुनाव हार चुके गोवर्धन वर्मा को प्रत्याशी बनाया है।

4 लाख 25 हजार की कॉपर केबल चोरी

सहायक अभियंता के स्टोर में चोरों ने किया हाथ साफ, पुलिस की अनदेखी से होती रहती है वारदात

सिरोही, 10 नवंबर (एजेंसियां)। सहायक अभियंता के स्टोर से चोर कॉपर केबल के तीन बंडल चुराकर ले गए। जिनकी किमत 4 लाख 25 हजार रुपए बताई गई है। डिस्कॉम ने सिरोही सदर थाने में वारदात की रिपोर्ट दर्ज कराई है। घटना सदर थाना क्षेत्र के कांडला राजमार्ग से लगते जीएसएस परिसर में हुई।

जानकारी के अनुसार जीएसएस स्टोर के प्रभारी तथा सहायक अभियंता (टीएनसी) कांतिलाल रावल ने सिरोही सदर थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाते हुए बताया कि सुबह 9:30 बजे कार्यालय के कनिष्ठ अभियंता ने स्टोर का निरीक्षण किया, इस दौरान स्टोर की दीवार के अंदर रख केवल के ड्रामों में से चोर निगम की करीब डेढ़ किलोमीटर लंबी 3 ड्रम केबल, जिनकी अनुमानित कीमत 4:25 लाख रुपए है, चुराकर ले गए।

उन्होंने बताया कि चोरों ने निगम की बाउंड्री के पास चढ़ने की जगह बनाकर केबल चोरी की है, वहीं पास में काफी पत्थर, केबल कटने की आरी निगम की बाउंड्री के अंदर ही रखे हुए मिले हैं। चोरी की सूचना मिलते ही सदर थाने के हेड कांस्टेबल रमेशदान घटनास्थल पहुंचे तथा उन्होंने वहां मौजूद अधिकारियों से पूछताछ के बाद मौका मुआयना किया। सिरोही सदर पुलिस ने मामला दर्ज कर इस मामले की जांच हेड कॉन्स्टेबल रमेशदान को सौंपी है। जीएसएस के अधीक्षण अभियंता एलएल मीणा ने बताया कि जीएसएस कॉलोनी में हर 15-20 दिन में बाद चोरी की वारदात होती है। यहां तक कि उनके मकान को भी चोरों ने नहीं छोड़ा।

ताला तोड़कर उनके यहां भी चोरी की वारदात की,एक महिला कर्मचारी के यहां दो बार चोरी की वारदात हो चुकी है। पहली बार रिपोर्ट दर्ज कराई उसमें चार चक्कर लगाने पड़े इसलिए दूसरी बार रिपोर्ट ही दर्ज नहीं कराई। हर बार रिपोर्ट देते रहे, लेकिन आज दिन तक कोई कार्रवाई नहीं की गई।

सहायक अभियंता कांतिलाल रावल ने बताया कि स्टोर की सुरक्षा दीवार ऊंची है, इसके बावजूद तीन ड्रम केवल चोर चुरा ले गए। जिसकी रिपोर्ट सिरोही सदर थाने में दर्ज करवाई है। कॉलोनी में भी हर दूसरे तीसरे मकान में चोरी होती रहती है। लेकिन आज दिन तक कहीं कोई कार्रवाई नहीं होने से आज भी जीएसएस परिसर में बेखौफ चोरी की वारदात हो रही हैं।

राजस्थान विधानसभा चुनाव में कुल 1875 कैंडिडेट मैदान में

जयपुर, 10 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में विधानसभा चुनाव के लिए 25 नवंबर को वोटिंग है। आगामी विधानसभा चुनाव में कुल 1875 उम्मीदवार अपना भाग्य आजमाएंगे। इनमें 183 महिलाएं हैं। निर्वाचन विभाग के अनुसार, 200 विधानसभा सीटों के लिए कुल 2365 उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किए थे। इनमें से 490 ने अपने पर्चे वापस ले लिए। नामांकन वापस लेने का गुरुवार को आखिरी दिन था।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि विधानसभा चुनाव-2023 में नामांकन वापसी के बाद कुल 1875 उम्मीदवार मैदान में बचे हैं। इनमें 1692 पुरुष और 183 महिला उम्मीदवार हैं। 2018 में संपन्न पिछले विधानसभा चुनाव में 200 विधानसभा क्षेत्रों के लिए कुल 2294 उम्मीदवार थे। इनमें 2105 पुरुष उम्मीदवार और 189 महिला उम्मीदवार थीं।

राजस्थान विधानसभा चुनाव-2023 के लिए 30 अक्टूबर से नामांकन पत्र जमा करने की प्रक्रिया शुरू हुई थी। छह नवंबर तक 200 विधानसभा क्षेत्रों के लिए कुल 2365 अभ्यर्थियों ने नामांकन पत्र जमा किए थे। सात नवंबर को नामांकन पत्रों की समीक्षा की गई। कुल 396 नामांकन पत्र निरस्त किए गए। राज्य की सभी 200 विधानसभा सीटों के लिए एक चरण में मतदान 25 नंवबर को होगा। तीन दिसंबर को मतगणना की जाएगी।

धन्वंतरि पूजन के साथ 8वें आयुर्वेद दिवस समारोह संपन्न

हैदराबाद, 10 नवंबर (स्वंतत्र वार्ता)। आयुष मंत्रालय का महीने भर का 8वां आयुर्वेद दिवस कार्यक्रम नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन मेडिकल हेरिटेज, हैदराबाद में धन्वंतरि दिवस समारोह के साथ समाप्त हुआ। समारोह सुबह 6 बजे प्रभारी सहायक निदेशक डॉ. जीपी प्रसाद के नेतृत्व में धन्वंतरि पूजा और यज्ञ के साथ शुरू हुआ। प्रार्थना में संस्थान के अधिकारी और कर्मचारी और रेवेन्यू बोर्ड कॉलोनी के निवासी शामिल हुए। सुबह 9:30 बजे एक इंटरैक्टिव सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें प्रभारी सहायक निदेशक डॉ जीपी प्रसाद ने अध्यक्षीय भाषण दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नेशनल रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ यूनानी मेडिसिन फॉर स्किन डिसऑर्डर, हैदराबाद के प्रभारी निदेशक डॉ. यूनिस इफ्तिखार मुंशी थे। डॉ. जीपी प्रसाद और डॉ यूनिस इफ्तिखार मुंशी ने निवारक स्वास्थ्य देखभाल में आयुष चिकित्सा प्रणाली के लाभों के बारे में बात की। कार्यक्रम में श्री वेंकटेश्वर जूनियर कॉलेज ऑफ कॉमर्स दिलसुखनगर और जी.एच.एस मलकपेट के छात्रों और हैदराबाद के वरिष्ठ नागरिकों और निवासियों ने भाग लिया। संस्थान द्वारा जी.एच.एस मलकपेट में पोषण माह 2023 और अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष 2023 के तहत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के लिए प्रमाण पत्र और पुरस्कार राशि भी विजेताओं को प्रदान की गई। वरिष्ठ नागरिकों को डाबर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा मुफ्त दवा किट प्रदान की गई, जिसमें च्यवनप्राश, गिलोय और अश्वगंधा जैसी प्रतिरक्षा-बढ़ाने वाली दवाएं शामिल थीं। एन.आई.आई.एम.एच भ्रमण के लिए आए बच्चों को डाबर रियल फलों का जूस दिया गया। कार्यक्रम के प्रतिभागियों के बीच नेशनल रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ यूनानी मेडिसिन फॉर स्किन डिसऑर्डर, हैदराबाद और तेलंगाना राज्य औषधीय पादप बोर्ड द्वारा प्रदान किए गए औषधीय पौधे भी वितरित किए गए।

उच्च न्यायालय ने फिल्म निर्देशक राघवेंद्र राव को नोटिस जारी किया

हैदराबाद, 10 नवंबर (स्वंतत्र वार्ता)। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने गुरुवार को अनुभवी फिल्म निर्देशक के. राघवेंद्र राव, उनके भाई के. कृष्णमोहन राव और उनके परिवार को 2012 की एक जनहित याचिका में नोटिस जारी किया, जिसमें 1984 में दो एकड़ जमीन (जहां आरके सिनेप्लेक्स स्थित है) के आवंटन को चुनौती दी गई थी। बंजारा हिल्स के सर्वे नंबर 403/1 में रिकॉर्डिंग और री-रिकॉर्डिंग थिएटर बनाने के लिए 8,500 रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से जमीन दी गई थी।

टीडीपी सरकार ने 2003 में एक मिनी थिएटर, फिल्म प्रशिक्षण संस्थान और एक कॉन्फ्रेंस हॉल के निर्माण की अनुमति दी। हालांकि, परिवार ने एक वाणिज्यिक परिसर का निर्माण किया। उसी को चुनौती देते हुए 2012 में हाई कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई थी। पिछले साल, अदालत ने नोटिस जारी किए लेकिन पावती नहीं मिली। इसके बाद, मुख्य न्यायाधीश आलोक अराधे और न्यायमूर्ति एन.वी. श्रवण कुमार की उच्च न्यायालय की पीठ ने गुरुवार को एक बार फिर नोटिस जारी किया और मामले को जनवरी के तीसरे सप्ताह के लिए निर्धारित किया।

साउथ अफ्रीका आखिरी लीग मैच में 5 विकेट से जीता

रासी वान डर डसन ने खेली नाबाद 76 रन की पारी, जेराल्ड कूट्जी ने लिए 4 विकेट

अहमदाबाद, 10 नवंबर (एजेंसियां)। साउथ अफ्रीका ने वर्ल्ड कप 2023 में अपने आखिरी लीग मुकाबले में अफगानिस्तान को 5 विकेट से हरा दिया। टीम ने अहमदाबाद में 245 रन का टारगेट 47.3 ओवर में 5 विकेट खोकर हासिल कर लिया। रासी वान डर डसन ने 76 रन की नाबाद पारी खेली। ओपनर क्विंटन डी कॉक ने 41 और डेविड मिलर ने 24 रन का योगदान दिया। मोहम्मद नबी और राशिद खान को 2-2 विकेट मिले।

नरेंद्र मोदी स्टेडियम में अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की और टीम 50 ओवर में 244 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। अजमतुल्लाह ओमरजई ने नाबाद 97 रनों की पारी खेली। साउथ अफ्रीका की ओर से जेराल्ड कूट्जी ने 4 विकेट झटके। लुंगी एनगिडी और केशव महाराज ने 2-2 विकेट लिए।

साउथ अफ्रीका की अच्छी शुरूआत, 10 ओवर में एक भी विकेट नहीं गंवाया

245 रन के टारगेट का पीछा करते हुए साउथ अफ्रीका टीम की शुरूआत अच्छी रही। क्विंटन डी कॉक ने तेजी से रन बनाए और कप्तान टेम्बा बावुमा ने उनका बखूबी साथ निभाया। टीम ने 10 ओवर में बगैर नुकसान के 57 रन बनाए।

जेराल्ड कूट्जी ने लिए 4 विकेट

अजमतुल्लाह ओमरजई ने नाबाद 97 रन बनाए, जबकि रहमत शाह ने 26, नूर अहमद ने 26, रहमानुल्लाह गुरबाज ने 25 और राशिद खान ने 14 रन की उपयोगी पारियां खेलीं। साउथ अफ्रीका की ओर से जेराल्ड कूट्जी ने 4 विकेट लिए, जबकि केशव महाराज और लुंगी एनगिडी को 2-2 विकेट मिले।

अजमत ने टीम को 244 तक पहुंचाया, लेकिन सेंचुरी नहीं बना सके

डेथ ओवर में अफगानी बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। राशिद के आउट होने के बाद अजमतुल्लाह ओमरजई ने नूर अहमद (26 रन) के साथ 44 और मुजीब उर रहमान के साथ 22 रन की अहम साझेदारी की। वे 97 रन बनाकर नाबाद लौटे और पहली सेंचुरी बनाने से चूक गए। टीम ने आखिरी 10 ओवर में 3 विकेट खोकर 71 रन बनाए।

शाह, अजमत और राशिद ने 150 पार पहुंचाया, टीम ने 132 बनाने में 5 विकेट गंवाए

पारी के मिडिल ओवर साउथ अफ्रीकी गेंदबाजों के नाम रहे, हालांकि रहमत शाह 26 और राशिद खान 14 ने छोटी, लेकिन उपयोगी पारियां खेलीं। रहमत ने अजमतुल्लाह ओमरजई के साथ 49 और राशिद ने 44 रनों की अहम साझेदारी की। इन साझेदारियों के दम पर टीम 150 रन का आंकड़ा पार कर सकी। 40वें ओवर के बाद टीम का स्कोर 173/7 रहा।

इससे पहले, पावा प्ले में 41/2 बनाने के बाद टीम ने नियमित अंतराल में विकेट गंवाए, 116 रन पर मोहम्मद नबी का विकेट गंवाने के बाद ऐसा लगने लगा था कि अफगानी टीम जल्दी ऑलआउट हो जाएगी, लेकिन राशिद खान ने अजमतुल्लाह ओमरजई के साथ साझेदारी करके स्कोर आगे बढ़ाया। 23वें ओवर में अफगानी फील्डर्स ने अजमतुल्लाह को रनआउट करने का मौका गंवाया, तब वे 21 रन पर खेल रहे थे।

अफगानिस्तान की शुरूआत अच्छी नहीं रही। टीम ने पहले पावर प्ले में दो विकेट गंवा दिए। टीम के ओपनर रहमानुल्लाह गुरबाज 9वें ओवर की पहली और इब्राहिम जादरान 10वें ओवर की तीसरी बॉल पर आउट हुए। टीम ने पहले 10 ओवर में दो विकेट खोकर 41 रन बनाए।

अफगानिस्तान टीम में कोई बदलाव नहीं हुआ है। वहीं साउथ अफ्रीका टीम में दो बदलाव हुआ है। मार्को यानसन और तबरेज शम्सी को आराम दिया गया है।

गौशाला में माता लक्ष्मी जी की पूजा-अर्चना की गई

हैदराबाद, 10 नवंबर (स्वंतत्र वार्ता)। अग्रणी महिला मंच की अध्यक्ष सुमन भुवानिया ने उक्त जानकारी देते हुए कहा कि लोअर टैंक बंड, गौशाला में माता लक्ष्मी जी की पूजा-अर्चना की गई। 10 दिया और बाती भी लगाए गए थे। सभी ने आपने आपने परिवार की कुशलता के लिए प्रार्थना की। बाद में गौ माता को चारा भी खिलाया गया। अवसर पर बबिता गर्ग, टीना खंडेलवाल, श्वेता खंडेलवाल, सुनयना नरसरिया, रीता अग्रवाल, रूपा गुप्ता, श्रद्धा सुखिया, रितु गोयल, स्मिता शाह, प्रीति गोयल, संगीता जाजोदिया एवं पवन भुवानिया आदि उपस्थित थे।

उप्पल स्थित जीएचएमसी कार्यालय में उप्पल विधानसभा प्रत्याशी एन.वी.एस.एस.प्रभाकर द्वारा शुभ मुहूर्त में रामन्तापुर सत्यनारायण मंदिर से गाजे-बाजे के साथ निकाली गई विशाल रैली में उपस्थित भाजपा नेता सोहनसिंह राजपुरोहित, पार्षद चेतना रेड्डी, पार्षद श्रीवानी, मेड़चल जिला भाजपा महिला अध्यक्ष शिल्पा रेड्डी, नरसिम्हा, देसाई, रमेश चौधरी, स्थानीय व प्रवासी छत्तीस कोम समाज बन्धु।

दीपावली पर भारत सेवाश्रम संघ के हैदराबाद आश्रम द्वारा इंदिरा पार्क के 120 से अधिक उद्यान कर्मचारियों को शर्ट, टी-शर्ट वितरित की गई। इस अवसर पर स्वामी वेंकटेश्वरानंदजी महाराज ने इंदिरा पार्क प्राधिकरण की मदद से कार्यक्रम की व्यवस्था की।

दीपावली के लिए सजा श्री भाग्यलक्ष्मी मंदिर

हैदराबाद, 10 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दीपावली महा महोत्सव को लेकर श्री भाग्यलक्ष्मी मंदिर, चारमीनार को अलग तरह से सजाया गया है। इसके लिए बड़े पैमाने पर तैयारी की जा रही है। धनतेरस से लेकर भाईदूज तक पांच दिनों तक दीपावली महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। मंदिर में आज 10 नवंबर धनतेरस पूजा से लेकर दीपावली महोत्सव शुरू हो गया है। यह दीपावली महोत्सव गोवर्धन पूजा 14 नवंबर तक चलेगा। इसी दौरान खजाना वितरण 15 नवंबर सुबह 7 बजे से रात्रि 12 बजे तक वितरित होता रहेगा।

सार्वजनिक स्थानों पर पटाखे फोड़ने पर प्रतिबंध

हैदराबाद, 10 नवंबर (स्वंतत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस ने दिवाली के मौके पर सार्वजनिक स्थानों पर आतिशबाजी और पटाखे फोड़ने पर प्रतिबंध लगा दिया है। एक आदेश में, शहर के पुलिस आयुक्त संदीप शांडिल्य ने कहा कि दिवाली के जश्न के दौरान रात 8 बजे से 10 बजे के बीच सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर आतिशबाजी या पटाखे फोड़ना सख्त वर्जित है। ध्वनि उत्पन्न करने वाले पटाखे फोड़ने पर भी पूर्ण प्रतिबंध होना चाहिए और पटाखों, ढोल और अन्य उपकरणों से शोर का स्तर, यदि कोई हो, अनुमेय सीमा से अधिक नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि इन नियमों और विनियमों का उल्लंघन करने वालों पर हैदराबाद सिटी पुलिस अधिनियम, 1348 के तहत मुकदमा चलाया जाएगा। ये आदेश 12 नवंबर को सुबह 6 बजे से 15 नवंबर को सुबह 6 बजे तक लागू रहेंगे।

भारत सरकार के सहकारी विभाग व पूर्वत्तोर विकास राज्य मंत्री बीएल वर्मा का सम्मान करते हुए महेश बैंक के चेयरमैन रमेश कुमार बंग।

शिक्षकों का अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 10 नवंबर (स्वंतत्र वार्ता)। न्यू बोइनपल्ली बापूजीनगर सरकारी प्राइमरी स्कूल में ट्रांसफर पर आए हेडमास्टर वेंकटेश बोराबंडा स्कूल में ट्रांसफर पर चले गए हैं। इसी प्रकार मडफोर्ट सरकारी प्राथमिक विद्यालय आशीर्वादम के प्रधानाध्यापक का तबादला बापूजीनगर विद्यालय में कर दिया गया है। इस मौके पर स्कूल परिसर में दोनों के लिए अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष जेपह मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए और दोनों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर जेपी ने विद्यालय के विकास के बारे में बताया। उन्होंने छात्रों को बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने के विशेष प्रयासों के लिए वेंकटेश सर की सराहना की।

अनाथ बच्चों के साथ दिवाली पर्व मनाया गया

हैदराबाद, 10 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मारवाड़ी युवा मंच पर्ल महिला शाखा सिकंदराबाद द्वारा अनाथ बच्चों के साथ दिपावली पर्व मनाया गया। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार शाखा अध्यक्षा रक्षा जैन के अध्यक्षता में राष्ट्रीय प्रकल्प आनंद सबके लिए के तहत नला बजार स्थित गवर्नमेंट प्राइमरी स्कूल में दीपावली पर्व के उपलक्ष में स्कूल के सभी बच्चों को नए कपड़े एवं मिठाई वितरित कि गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में शाखा उपाध्यक्ष शशि नाहर, पूनम बोहरा, अनीता सुराणा, सुनीता जैन, कविता मांडण, मेघा जैन, रतन गांधी, तनु नाहर का सराहनीय योगदान रहा। शाखा की कोषाध्यक्ष कला गांधी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

अब्दुलापुरमेट वीर गुर्जर समाज मंदिर प्लॉट देवधाम कवाड़पल्ली में जैतारण निर्दलीय प्रत्याक्षी योगी लक्ष्मणनाथजी महाराज एवं राजा योगी संध्यानाथजी के पधारने पर आयोजित स्वागत समारोह कार्यक्रम में स्वागतकर सहयोग व पूर्ण समर्थन का भरोसा

बीमार नवजात शिशुओं के लिए बदलाव लाने की दिशा में एक्स्ट्रामाइल फाउंडेशन का एक और कदम

हैदराबाद, 10 नवंबर (स्वंतत्र वार्ता)। एक्स्ट्रा माइल फाउंडेशन समय से पहले और बीमार नवजात शिशुओं के लिए बदलाव लाने की दिशा में एक और कदम आगे बढ़ाता है। एक्स्ट्रा माइल फाउंडेशन एक ऐसी दुनिया का निर्माण करने की ओर अग्रसर है, जहां हर समय से पहले और बीमार नवजात शिशु को सस्ती देखभाल मिले और वंचित नवजात शिशुओं के बीच जीवन और बीमारी की अनावश्यक हानि को रोका जा सके। इन नन्हीं जिंदगियों को बचाने में मदद करने की यात्रा 19 नवंबर 2023 को प्रीमीथॉन 2.0 के साथ शुरू होगी।

गौरतलब है कि एक्स्ट्रा माइल फाउंडेशन एक धर्मार्थ ट्रस्ट और गैर-लाभकारी संगठन है, जिसकी स्थापना 'समय से पहले और बीमार नवजात शिशुओं' को बचाने के इरादे से की गई है, जो अच्छे गहन देखभाल उपचार (एनआईसीयू) के साथ जीवित रह सकते हैं; लेकिन माता-पिता इसका खर्च वहन नहीं कर सकते। एक्स्ट्रा माइल उत्कृष्ट उपचार और अपर्याप्त संसाधनों के बीच अंतर को पाट देगा। इसी के तहत प्रीमीथॉन टी शर्ट का अनावरण डॉ. निताशा बग्गा (संस्थापक, एक्स्ट्रा माइल), अवनीश कुमार एमडी नीरू, श्रीमती प्रिया कुमार, सुश्री अंबिका बहरी द्वारा किया गया।

हिन्दी महाविद्यालय में पीजी के परिणाम घोषित

हैदराबाद, 10 नवंबर (स्वंतत्र वार्ता)। हिन्दी महाविद्यालय के परीक्षा विभाग द्वारा पी.जी. के परिणामों को घोषित किया गया। हिन्दी महाविद्यालय में पी.जी. की परीक्षाएँ अक्तूबर माह की 3 तारीख को रखी गयी थी और उसके परिणाम 8 नवंबर को घोषित किए गए। उस्मानिया विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक प्रो. एन. रामुलु एवं एडिशनल कंट्रोलर प्रो. बी. सकराम की उपस्थिति में इन परिणामों को घोषित किया गया। हिन्दी महाविद्यालय के संपूर्ण परीक्षा विभाग के स्टॉफ सी.ओ.ई. श्रीमती अश्विनी सनपूरकर, एडिशनल कंट्रोलर श्रीमती पायल हर्ष, प्राचार्य डॉ. बी. श्रीदेवी इस अवसर पर उपस्थित थे। परीक्षा परिणाम निर्धारित अवधि से पूर्ण घोषित किए गए, जो कि हिन्दी माविद्यालय परिवार के अथक प्रयासों से संभव हो सका।

इस अवसर पर हिन्दी महाविद्यालय की परीक्षा नियंत्रक श्रीमती अश्विनी सनपूरकर ने बताया कि इस वर्ष एम.ए. में 100 प्रतिशत, एम. कॉम 100 प्रतिशत, एम.एस.सी. मैथमेक्टिक्स में 81.82 प्रतिशत और एम.एस.सी अप्लाइड स्टैटिसटिक्स में 69.23 प्रतिशत परिणाम आए। पी.जी. की ही तरह यू.जी. के छात्रों के परिणाम भी सर्वोत्तम रहे। बी.ए. 78 प्रतिशत, बी.एस.सी. 91 प्रतिशत, बी.कॉम 85 प्रतिशत, बी.बी.ए. 94 प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

रचिन रवींद्र से लेकर बाबर-द्रविड़ तक, अपने पहले विश्व कप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले छह बल्लेबाज

नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर रचिन रवींद्र ने इंग्लैंड के बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो के अपने पहले वनडे विश्व कप में सबसे ज्यादा रन बनाने के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। रवींद्र ने आईसीसी क्रिकेट विश्व कप 2023 में नौ मैचों की नौ पारियों में अब तक 565 रन बनाए हैं, जबकि दो और संभावित मैच (सेमीफाइनल-फाइनल) बाकी हैं। हम एकदिवसीय विश्व कप में पहली बार खेलते हुए सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों के बारे में बता रहे हैं...

1. रचिन रवींद्र- 2023 विश्व कप में 565* रन

रचिन ने इस विश्व कप में अपनी बल्लेबाजी से सभी को प्रभावित किया है। उन्होंने अपनी बल्लेबाजी में परिपक्वता दिखाई है। जरूरत पड़ने पर रचिन धीमी बल्लेबाजी कर सकते हैं और समय के साथ गियर बदलने में माहिर हैं। 23 साल के रवींद्र किसी एक विश्व कप में किसी बल्लेबाज द्वारा सबसे ज्यादा रन बनाने का सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड से 108 रन पीछे हैं। सचिन ने 2003 विश्व कप में 673 रन बनाए थे।

2. जॉनी बेयरस्टो - 2019 विश्व कप में 532 रन

इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो ने 2019 विश्व कप में 11 मैचों में 48.36 की औसत से 532 रन बनाए थे, जिसमें दो शतक और दो अर्धशतक शामिल थे।

3. बाबर आजम - 2019 विश्व कप में 474 रन

पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने 2019 में विश्व कप में डेब्यू किया था और आठ मैचों में 67.71 की औसत से 474 रन बनाए, जिसमें एक शतक और तीन अर्धशतक शामिल थे।

4. बेन स्टोक्स - 2019 विश्व कप में 465 रन

इंग्लैंड के ऑलराउंडर बेन स्टोक्स ने 2019 विश्व कप में 11 मैचों में 66.42 की औसत से 465 रन बनाए थे, जिसमें पांच अर्धशतक शामिल थे।

5. राहुल द्रविड़ - 1999 विश्व कप में 461 रन

टीम इंडिया के मौजूदा मुख्य कोच और पूर्व भारतीय कप्तान राहुल द्रविड़ ने 1999 विश्व कप में 461 रन बनाए थे, जिसमें श्रीलंका और केन्या के खिलाफ शतक शामिल थे।

6. डेविड बून - 1987 विश्व कप में 447 रन

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज डेविड बून ने 1987 वर्ल्ड कप में आठ मैचों में 55.87 की औसत से 447 रन बनाए थे, जिसमें पांच अर्धशतक शामिल थे। ऑस्ट्रेलिया ने 1987 में पहली बार विश्व कप जीता था।

'पाकिस्तान जिंदाभाग!' न्यूजीलैंड की जीत के बाद सहवाग ने क्यों कहा ऐसा? बिरयानी की भी याद दिलाई

नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)। विश्व कप 2023 धीरे-धीरे अपने अंजाम की ओर बढ़ रहा है। भारत, दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया की टीमें पहले ही सेमीफाइनल में पहुंच चुकी हैं। चौथे स्थान के लिए न्यूजीलैंड का दावा सबसे मजबूत दिखाई पड़ रहा है। उसने गुरुवार को श्रीलंका को पांच विकेट से हरा दिया। श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 46.4 ओवर में 171 रन बनाए थे और टीम ऑलआउट हो गई थी। जवाब में न्यूजीलैंड ने 23.2 ओवर में पांच विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया था। इससे कीवी टीम का नेट रन रेट और भी बेहतर हो गया था।

पाकिस्तान के लिए मुश्किल है समीकरण

उसने पाकिस्तान और अफगानिस्तान के लिए समीकरण बेहद मुश्किल कर दिए। खासतौर पर पाकिस्तान के लिए उस कठिन समीकरण को हासिल करना बेहद मुश्किल है। ऐसा माना जा रहा है कि बाबर आजम की टीम लगभग इस विश्व कप से बाहर हो चुकी है। इसी क्रम में फैंस पाकिस्तानी टीम को जमकर ट्रोल कर रहे हैं। वहीं, मुल्तान के सुल्तान के नाम से मशहूर भारत के पूर्व विस्फोटक बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने पाकिस्तान टीम पर तंज कसा है।

सहवाग ने क्या कहा?

सहवाग ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर की है। इसमें बाय-बाय पाकिस्तान लिखा है। इसके कैप्शन में वीरू ने लिखा- पाकिस्तान जिंदाभाग! बस यहीं तक था जो था। उम्मीद करता हूं कि आपको हमारी मेहमाननवाजी और बिरयानी पसंद आई होगी। घर वापसी के लिए सुरक्षित उड़ान हो ऐसी कामना है। बाय-बाय पाकिस्तान!

बिरयानी की वजह से चर्चा में पाकिस्तान की टीम

दरअसल, पाकिस्तान की टीम इस विश्व कप में अपने खेल से ज्यादा बिरयानी की वजह से चर्चा में रही है। कप्तान बाबर आजम जब भी प्रेस कॉन्फ्रेंस में आए हैं तो उनसे भारतीय बिरयानी को लेकर सवाल जरूर पूछे गए हैं। हैदराबाद में जब टीम थी तो वहां की बिरयानी को लेकर सवाल पूछे गए थे। इतना ही नहीं जब पाकिस्तान की टीम कोलकाता गई थी तो वहां उन्होंने ऑनलाइन ऑर्डर कर बिरयानी मंगवाई थी। लगातार कुछ मैच हारने पर पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर वसीम अकरम ने टीम की फिटनेस पर सवाल उठाए थे और उनके खानपान पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था कि ऐसा लगता है पाकिस्तानी खिलाड़ी आठ-आठ किलो मीट खा रहे हैं।

क्या हैं पाकिस्तान के लिए समीकरण?

हालांकि, पाकिस्तान की टीम अभी पूरी तरह विश्व कप से बाहर नहीं हुई है। श्रीलंका पर जीत के बाद न्यूजीलैंड के नौ मैचों में 10 अंक हो गए हैं। उसका नेट रनरेट +0.743 हो गया है। वहीं, आठ मैचों में चार जीत के साथ पाकिस्तान पांचवें स्थान पर है। उसके आठ अंक हैं। पाकिस्तान का नेट रनरेट +0.036 है। अफगानिस्तान ने भी आठ मैच में चार जीते हैं। उसके खाते में आठ अंक हैं। अफगानिस्तान का नेट रनरेट -0.338 है। पाकिस्तान की टीम अगर इंग्लैंड के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करती है तो उसे मैच को 287 या इससे ज्यादा रन के अंतर से जीतना होगा। वहीं, अगर दूसरी पारी में पाकिस्तान को बल्लेबाजी का मौका मिलता है तो उसे इंग्लैंड द्वारा मिले किसी भी लक्ष्य को 16 गेंद में हासिल करना होगा। अफगानिस्तान की टीम का नेट रनरेट पाकिस्तान और न्यूजीलैंड से काफी खराब है। अगर उसे सेमीफाइनल में पहुंचना है तो सबसे पहले शुक्रवार (10 नवंबर) को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 438 रन के अंतर से जीत हासिल करनी होगी। यह एक तरह से अंसभव काम है।

उदाहरण:

पाकिस्तान अगर पहले बल्लेबाजी करते हुए 300 रन बनाता है तो उसे इंग्लैंड को 13 रन पर ऑलआउट करना होगा। ऐसे में वह 287 रन से जीतेगा।

पाकिस्तान अगर पहले बल्लेबाजी करते हुए 350 रन बनाना है तो उसे इंग्लैंड की टीम को 63 रन पर समेटना होगा। वह 287 रन से जीत जाएगा।

पाकिस्तान अगर 400 रन बनाता है तो उसे इंग्लैंड को 112 रन पर ऑलआउट करना होगा। वह 288 रन से जीत जाएगा।

पाकिस्तान की टीम बाद में बल्लेबाजी करती है तो 2.4 ओवर में उसे लक्ष्य हासिल करना होगा।

चिली विश्व कप से पहले अर्जेंटीना का दौरा करेगी भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम

नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)। चिली में होने वाले विश्वकप से पहले भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम हालात के अनुरूप ढलने के लिए अर्जेंटीना में अभ्यास मैच खेलेगी। मुख्य कोच तुषार खांडेकर ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा- टूर्नामेंट 29 नवंबर से दस दिसंबर तक सैंटियागो में होना है। हम चिली जाने से पहले अर्जेंटीना में अभ्यास मैच खेलेंगे ताकि जूनियर विश्व कप से पहले हालात के अनुकूल ढल सकें।' भारत को जर्मनी, बेल्जियम और कनाडा के साथ पूल सी में रखा गया है। भारत को पहला मैच 29 नवंबर को कनाडा से खेलना है जबकि 30 नवंबर को बेल्जियम और दो दिसंबर को जर्मनी से सामना होगा। चिली, नीदरलैंड, दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया पूल ए में, जबकि अर्जेंटीना, स्पेन, जिम्बाब्वे और कोरिया पूल बी में है। पूल डी में इंग्लैंड, अमेरिका, न्यूजीलैंड और जापान की टीमें हैं। टीम चयन के बारे में खांडेकर ने कहा, 'हमारे पास काफी प्रतिभाशाली पूल है। अंतिम एकादश का चयन आसान नहीं था लेकिन हमने सर्वश्रेष्ठ टीम चुनी है। खिलाड़ी अच्छे प्रदर्शन को बेकरार हैं।' पिछली बार भारत मामूली अंतर से कांस्य पदक से चूककर चौथे स्थान पर रही थी।

टीवी पर ज्ञान देना आसान, कप्तानी पर सवाल उठाने वालों पर भड़के बाबर आजम, जमकर सुनाई खरी-खरी

कोलकाता, 10 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने उनकी लीडरशिप पर सवाल उठाने वाले आलोचकों को शनिवार को आड़े हाथों लिया। बाबर ने कहा कि टीवी पर राय देना आसान होता है और कप्तानी के कारण विश्व कप में उनकी बल्लेबाजी पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा। पाकिस्तान की अफगानिस्तान के हाथों 8 विकेट की हार और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 271 रन के लक्ष्य को हासिल नहीं कर पाने के बाद बाबर आजम की आलोचना हो रही थी। मोईन खान और शोएब मलिक जैसे पूर्व कप्तानों ने बाबर की कप्तानी की खुलेआम आलोचना की और कहा कि इसका असर उनकी बल्लेबाजी पर पड़ रहा है।

बाबर ने अपनी आलोचना के संबंध में कहा, 'टीवी पर राय देना बहुत आसान होता है। अगर कोई मुझे सलाह देना चाहता है तो उनका स्वागत है और वह मुझे सीधे फोन कर सकते हैं। मेरा नंबर उन सभी के पास है।' मलिक ने कहा था कि बाबर बल्लेबाजी का बादशाह है, लेकिन कप्तानी में ऐसा नहीं है। मलिक ने कहा था, 'जिस व्यक्ति की सबसे अधिक जिम्मेदारी बनती है वह कप्तान है।'

मोईन ने कहा था की बाबर को भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली से सीख लेनी चाहिए जो कप्तानी छोड़ने के बाद अपना पूरा ध्यान बल्लेबाजी पर लगा रहे हैं। बाबर ने इस पर दृढ़ रवैया अपनाते हुए कहा कि आलोचना के कारण उनकी बल्लेबाजी पर कभी कोई असर नहीं पड़ा। उन्होंने कहा, 'मैं पिछले तीन साल से अपनी टीम की कप्तानी कर रहा हूं और मैंने कभी ऐसा महसूस नहीं किया। बात केवल इतनी है कि मुझे विश्व कप में जिस तरह का प्रदर्शन करना चाहिए था वैसे नहीं कर पा रहा हूं, इसलिए लोग बोल रहे हैं कि मैं दबाव में हूं।'

बाबर ने कहा, 'मैं नहीं मानता की कप्तानी के कारण मैं किसी तरह के दबाव में हूं या किसी तरह से भिन्न महसूस कर रहा हूं। मैं क्षेत्ररक्षण और बल्लेबाजी के दौरान मैदान पर अपना शत प्रतिशत योगदान देता हूं। मैं इस बारे में सोचता हूं कि मुझे किस तरह से रन बनाने चाहिए और अपनी टीम को जीत दिलानी चाहिए।' बाबर को इस दौरान पाकिस्तान के पत्रकारों के सवालों से जूझना पड़ा जिनमें कप्तानी छोड़ने से संबंधित सवाल भी थे।

'आपको हां बोलना है, नहीं तो...', सौरव गांगुली ने रोहित शर्मा की कप्तानी को लेकर किया बड़ा खुलासा

नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)।भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने रोहित शर्मा को लेकर एक बड़ा खुलासा किया। बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष ने बताया कि रोहित शर्मा पूर्णकालिक कप्तान बनने के लिए तैयार नहीं थे। 2021 में कोहली ने जब टी20 की कप्तानी छोड़ी थी। कोहली टीम को एक भी आईसीसी टूर्नामेंट में चैंपियन नहीं बना पाए। गांगुली ने बताया कि इसके बाद कैसे रोहित शर्मा को तीनों फॉर्मेट में कप्तानी मिली थी और उन्होंने मुकरने के बाद किस तरह इसे स्वीकार किया था।

दरअसल, चयनकर्ताओं का विचार था कि सफेद गेंद वाले क्रिकेट (टी20 और वनडे) में केवल एक ही कप्तान होना चाहिए और उन्होंने जल्दबाजी में रोहित को वनडे और टी20 कप्तान घोषित कर दिया। वनडे में कोहली को कप्तानी से हटाने के फैसले ने कई लोगों को चौंका दिया और फिर भारत के दक्षिण अफ्रीका में टेस्ट सीरीज हारने के बाद उन्होंने टेस्ट कप्तानी से भी इस्तीफा दे दिया। तब रोहित शर्मा को टेस्ट का कप्तान भी घोषित किया गया था, लेकिन गांगुली ने खुलासा किया है कि रोहित पूर्णकालिक कप्तानी लेने के लिए तैयार नहीं थे।

गांगुली ने किसी तरह रोहित को मनाया

गांगुली को किसी तरह रोहित को उस समय भारतीय क्रिकेट की कमान संभालने के लिए राजी करना पड़ा। इस भूमिका के लिए कोई नजर नहीं आ रहा था। हालांकि, अब उन्हें खुशी है कि मुंबई का यह क्रिकेटर टीम के लिए रन बना रहा है और आगे बढ़कर नेतृत्व कर रहा है।

गांगुली ने रोहित से क्या कहा था?

सौरव गांगुली ने एक इंटरव्यू में कहा, रोहित शर्मा कप्तानी नहीं चाहते थे क्योंकि उन पर सभी प्रारूपों में खेलने का बहुत दबाव था। यह उस स्तर तक पहुंच गया था जहां मैंने उनसे कहा कि आपको हां कहना होगा या मैं आपके नाम की घोषणा करूंगा। मुझे खुशी है कि उन्होंने इसे स्वीकार किया। अब वह आगे बढ़कर नेतृत्व कर रहे हैं और आप लोग नतीजे देख सकते हैं।

क्या नॉकआउट में न्यूजीलैंड से होगा भारत का सामना? सेमीफाइनल में टीम इंडिया का रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 10 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय टीम सेमीफाइनल में पहुंच चुकी है। भारत के अलावा दो और टीमों की अंतिम चार में जगह पक्की हो चुकी है। इनमें दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया की टीमें शामिल हैं। हालांकि, वर्ल्ड कप की प्लेइंग कंडीशंस के मुताबिक, लीग राउंड के दौरान पहले स्थान पर रहने वाली टीम चौथे स्थान पर रहने वाली टीम से भिड़ेगी, जबकि दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम से भिड़ेगी। भारत का शीर्ष पर रहकर लीग राउंड खत्म करना तय है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच आपस में दूसरे और तीसरे स्थान पर फेरबदल हो सकता है।

फिलहाल तेम्बा बावुमा की टीम दूसरे और ऑस्ट्रेलिया तीसरे स्थान पर है। चौथे स्थान की टीम अब तक तय नहीं हो सकी है, लेकिन न्यूजीलैंड का क्वालिफाई करना लगभग तय माना जा रहा है। न्यूजीलैंड के आठ अंक हैं और उसका नेट रन रेट +0.743 है, जो कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान से कहीं ज्यादा है। पाकिस्तान को जहां इंग्लैंड के खिलाफ 287+ रन या 284 गेंद रहते जीत हासिल करनी होगी, वहीं अफगानिस्तान को 438+ रन से जीत हासिल करनी होगी, जो कि लगभग नामुमकिन है। यानी न्यूजीलैंड का सेमीफाइनल में पहुंचना तय माना जा रहा है।

2019 विश्व कप का बदला लेने का मिल सकता है मौका

ऐसे में भारतीय फैंस के सामने एक बार फिर से 2019 विश्व कप का नजारा सामने आ सकता है। 2019 विश्व कप के सेमीफाइनल में भी भारत का सामना न्यूजीलैंड से हुआ था। तब कीवी टीम ने विराट कोहली की टीम को हराया था। इस बार रोहित शर्मा के पास विराट कोहली और महेंद्र सिंह धोनी का बदला लेने का मौका होगा। वह धोनी का आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच साबित हुआ था। टीम इंडिया के पास उसका बदला लेने का शानदार मौका होगा।

हालांकि, भारतीय टीम का सेमीफाइनल में रिकॉर्ड कुछ खास नहीं रहा है। टीम इंडिया इस बार आठवीं बार विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंची है। वहीं, न्यूजीलैंड की टीम अगर क्वालिफाई करती है तो यह उनका नौवां विश्व कप सेमीफाइनल होगा। भारतीय टीम पिछले सात में से सिर्फ तीन ही बार सेमीफाइनल का पड़ाव पार कर सकी है। चार बार उसे अंतिम चार में हारकर बाहर होना पड़ा है।

सेमीफाइनल में कब-कब पहुंचा भारत और किससे हुआ सामना

इस विश्व कप से पहले टीम इंडिया 1983, 1987, 1996, 2003, 2011, 2015 विश्व कप के सेमीफाइनल में भी पहुंच चुकी है। 1983 में कपिल देव के नेतृत्व में भारत ने इंग्लैंड को सेमीफाइनल में छह विकेट से हराया था। फिर फाइनल में वेस्टइंडीज को 43 रन से हराकर विश्व कप जीता था।

विश्व कप सेमीफाइनल में भारत के मुकाबले

खिलाफ	नतीजा	मैदान	साल
इंग्लैंड	IND 6 विकेट से जीता	मैनचेस्टर	1983
इंग्लैंड	ENG 6 विकेट से जीता	वानखेड़े	1987
श्रीलंका	SL विजेता घोषित	ईडन गार्डेन्स	1996
केन्या	IND 91 रन से जीता	डरबन	2003
पाकिस्तान	IND 29 रन से जीता	मोहाली	2011
ऑस्ट्रेलिया	AUS 95 रन से जीता	सिडनी	2015
न्यूजीलैंड	NZ 18 रन से जीता	मैनचेस्टर	2019

इसके बाद 1987 विश्व कप में भारत का सेमीफाइनल में इंग्लैंड से सामना हुआ था। तब कपिल देव के ही नेतृत्व में टीम इंडिया को 35 रन से हार का सामना करना पड़ा था। 1996 विश्व कप में सेमीफाइनल में भारत का सामना श्रीलंका से हुआ था।

तब कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन थे। हालांकि, कोलकाता में हुए इस मैच में दर्शकों ने उत्पात मचाया था, जिसकी वजह से मैच को रद्द कर दिया गया था और श्रीलंका को विजेता घोषित कर दिया गया था। इसके बाद 2003 विश्व कप में सौरव गांगुली के नेतृत्व में टीम इंडिया ने सेमीफाइनल में केन्या को 91 रन से शिकस्त दी थी। हालांकि, फाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 125 रन से हराया था। वहीं, 2011 विश्व कप में सेमीफाइनल में भारत का सामना पाकिस्तान से हुआ था। एमएस धोनी के नेतृत्व में टीम इंडिया ने 29 रन से जीत हासिल की थी। फाइनल में श्रीलंका को हराकर टीम इंडिया ने दूसरी बार विश्व कप का खिताब जीता।

2015 में लीग राउंड में शीर्ष पर रहे, लेकिन सेमीफाइनल में हारे

2015 में भी टीमों को ग्रुप में बांटा गया था। भारतीय टीम अपने ग्रुप (बी) में शीर्ष पर रही थी। उसने अपने सभी छह के छह मैच जीते थे। इसके बाद क्वार्टर फाइनल में भी भारतीय टीम ने बांग्लादेश को 109 रन से शिकस्त दी थी। हालांकि, सेमीफाइनल में टीम इंडिया का सामना ऑस्ट्रेलिया से हुआ और धोनी के नेतृत्व में भारतीय टीम 95 रन से वह मैच हार गई थी। 2019 विश्व कप राउंड रॉबिन फॉर्मेट में खेला गया, जहां सभी टीमों को एकदूसरे से भिड़ना था।

टीम इंडिया 2019 विश्व कप में भी शानदार रही थी। नौ में से सात मैच उसने जीते और एक मैच में हार मिली। एक का कोई नतीजा नहीं निकला था। 15 अंक लेकर भारतीय टीम शीर्ष पर रही थी। हालांकि, सेमीफाइनल में कोहली के नेतृत्व में टीम इंडिया को न्यूजीलैंड के खिलाफ 18 रन से हार का सामना करना पड़ा। यानी शीर्ष पर रहने के बावजूद पिछले दो विश्व कप में भारतीय टीम को सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा है। यह डर अब भी भारतीय फैंस के मन में होगा।

20 साल बाद विश्व कप में न्यूजीलैंड को हराया

भारत ने इसी साल विश्व कप में न्यूजीलैंड को लीग राउंड में हराया था। विश्व कप में 20 साल बाद कीवियों पर टीम इंडिया ने जीत हासिल की थी। अब सेमीफाइनल में अगर भारत न्यूजीलैंड को हराने में कामयाब रहता है तो 2019 में मिली हार का बदला भी पूरा हो जाएगा। हालांकि, पिछले सात सेमीफाइनल में से भारत ने तीन मैच भारतीय जमीन पर खेले हैं।

1987 और 1996 में भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा था, जबकि 2011 में टीम इंडिया ने जीत हासिल की थी। भारतीय टीम इस बार न्यूजीलैंड (अगर पहुंचती है तो) को हराकर और फिर फाइनल जीतकर तीसरी बार विश्व कप अपने नाम करना चाहेगी। साथ ही 10 साल के आईसीसी ट्रॉफी के सूखे को भी खत्म करना चाहेगी। पिछली बार भारत ने 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी के रूप में आईसीसी का खिताब जीता

जनता के सहयोग से फिर सरकार बनाएगी बीआरएस : तलसानी

हैदराबाद, 10 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के सनत नगर विधानसभा क्षेत्र उम्मीदवार और मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने स्पष्ट किया कि बीआरएस सरकार राज्य में सत्ता में वापस आएगी चाहे कोई कुछ भी कहे और विकास और कल्याण कार्यक्रम हमेशा की तरह जारी रहेंगे। उन्होंने शुक्रवार को वेस्ट मारेडपल्ली में अपने आवास पर निर्वाचन क्षेत्र में ईसाई और मुस्लिम अल्पसंख्यकों के प्रतिनिधियों के साथ एक अलग बैठक में बात की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री केसीआर के नेतृत्व में तेलंगाना राज्य के गठन के बाद कई विकास और कल्याण कार्यक्रम शुरू किए गए। डबल बेडरूम घरों के निर्माण, दलित बंधु और बीसी बंधु योजनाओं के तहत कई योग्य लोगों को लाभ मिला है और बाकी लोगों को भी सरकार बनने के बाद लाभ दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की जनता के आशीर्वाद से वह तीसरी बार भारी बहुमत से जीतकर हैट्रिक लगाएंगे। उन्होंने कहा कि उन्हें विधानसभा क्षेत्र के लोगों की समस्याओं और किये जाने वाले विकास कार्यों की पूरी जानकारी है। बैठक में प्रशांत, जयराज, समेल, दयाकर, श्याम सोन, मुस्लिम प्रतिनिधि फहीम, अखिल, आरिफ, मोहिन, रज्जाक, शफी व अन्य मौजूद थे।

पिता ने विवाहिता बेटी को मौत के घाट उतारा

हैदराबाद, 10 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। खम्मम जिले के वायरा मंडल के थाटीपुड़ी गांव में शुक्रवार को एक व्यक्ति ने भूमि विवाद को लेकर अपनी विवाहित बेटी की कथित तौर पर हत्या कर दी। आरोपी पित्तला रामुलु ने अपनी बेटी पी उषा (27) और दामाद कृष्णा पर कुल्हाड़ी से हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। अस्पताल में इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई और उसके पति की हालत गंभीर बताई जा रही है। बताया गया कि उषा उसी गांव में एक मकान में रहती थी, जो उसे शादी के समय दहेज के तौर पर मिला था। उसने रामुलू के निवास के पीछे खाली जमीन के एक टुकड़े पर भी स्वामित्व का दावा किया। उषा ने कहा कि यह उसे शादी के समय दिया गया था। महिला अपने पति के साथ जमीन की सफाई करने गयी थी। पिता रामुलु ने इस पर आपत्ति जताई। इसी दौरान दोनों के बीच झड़प हुई और गुस्से में आकर उसने बेटी और दामाद पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। उपचार के दौरान हमले में घायल बेटी की अस्पताल में मौत हो गई। स्थानीय पुलिस ने घटनास्थल का दौरा किया। मामला दर्ज किया और घटना की जांच शुरू कर दी है।

तेलंगाना सीएम की संपत्ति 59 करोड़, गाड़ी एक भी नहीं

25 करोड़ की देनदारी, 9 केस, बेटे और मंत्री केटीआर की संपत्ति 9 करोड़ बढ़ी

हैदराबाद, 10 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री और बीआरएस सुप्रीमो के चंद्रशेखर राव (केसीआर) और उनके बेटे राज्य सरकार के मंत्री केटी रामाराव (केटीआर) ने बुधवार को अपना नॉमिनेशन फॉर्म भरा। केसीआर के हलफनामे के मुताबिक उनके पास कार नहीं है और वो एक हिन्दू अनडिवाइडेड फैमिली (एचयूएफ) यानी अविभाजित हिंदू परिवार से ताल्लुक रखते हैं।

चुनावी हलफनामे के मुताबिक, केसीआर के खिलाफ 9 मामले लंबित हैं, जिनमें से एक भी आपराधिक मामला नहीं है। ये सभी मामले तेलंगाना राज्य आंदोलन के दौरान दर्ज किए गए थे। वहीं, केटीआर के खिलाफ 7 आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें 5 मामले तेलंगाना आंदोलन के दौरान दर्ज किए गए थे। रेलवे एक्ट के तहत एक केस में वो आरोपी बनाए गए थे। हालांकि कोर्ट ने उन्हें छोड़ दिया था।

केसीआर के पास कोई ज्वेलरी नहीं, पत्नी के पास पौने 3 किलो सोना :

केसीआर की पत्नी शोभा के नाम 7 करोड़ से अधिक की चल संपत्ति है। वहीं, एचयूएफ में शोभा के नाम 9 करोड़ से अधिक चल संपत्ति है। साथ ही उनके पास 1 करोड़ 50 लाख कीमत के 2 किलो 810 ग्राम की गोल्ड-डायमंड की ज्वेलरी और अन्य कीमती समान हैं। केसीआर के नाम अचल संपत्ति की वर्तमान बाजार में कुल कीमत 8 करोड़ 50 लाख है। वहीं एचयूएफ में उनके पास कुल 15 करोड़ की अचल संपत्ति है। केसीआर के पास कोई ज्वेलरी नहीं है।

2019 से 2023 में राव का आईटी रिटर्न घटा :

केसीआर की ओर से दाखिल किया गया इनकम टैक्स रिटर्न 31 मार्च 2023 को 1 करोड़ 60 लाख रहा। वहीं ये आंकड़ा 31 मार्च 2019 को 1 करोड़ 74 लाख था। 31 मार्च 2023 को राव की पत्नी की आय 8 लाख 68 लाख रही और राव के एचयूएफ से 7 करोड़ 88 लाख की रकम भेजी या प्राप्त की गई है। साथ ही राव के एचयूएफ में कई गाड़ियां और ट्रैक्टर शामिल हैं।

केटीआर की 2018 से संपत्ति बढ़ी, पत्नी के पास पौने 5 किलो सोना :

हलफनामे के मुताबिक, केटीआर की पत्नी शैलिमा के पास 26 करोड़ 40 लाख की चल संपत्ति है, जिसमें 4 किलो 700 ग्राम की गोल्ड-डायमंड ज्वेलरी और अन्य कीमती समान शामिल हैं। उनकी पत्नी के पास 11 करोड़ 20 लाख की देनदारी है। वहीं, केटीआर के पास 2018 के मुकाबले अचल संपत्ति में 9 करोड़ 10 लाख और आय में 10 करोड़ 46 लाख की बढ़त हुई। साथ ही रामाराव की पत्नी के पास कुल 7 करोड़ 42 लाख और बेटी के नाम 46 लाख 70 हजार कीमत की अचल संपत्ति है।

चुनाव आयोग का जनसेना पार्टी को ग्लास का चुनाव चिन्ह देने से इंकार

हैदराबाद, 10 नवंबर (स्वंतत्र वार्ता)। फिल्म अभिनेता पवन कल्याण के नेतृत्व वाली जन सेना पार्टी को तेलंगाना विधानसभा चुनावों में करारा झटका लगा, जब चुनाव आयोग ने ग्लास का चुनाव चिन्ह आवंटित नहीं किया और पार्टी द्वारा इस्तेमाल किए गए ग्लास चिन्ह को एक स्वतंत्र प्रतीक घोषित कर दिया। चुनाव आयोग ने जेएसपी के लिए चुनाव चिन्ह आरक्षित नहीं किया, क्योंकि यह तेलंगाना में एक मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल या क्षेत्रीय दल नहीं है। जेएसपी भाजपा के साथ अपने समझौते के तहत आठ सीटों पर चुनाव लड़ रही है और सभी आठ उम्मीदवार अब ग्लास के चुनाव चिन्ह पर नहीं, बल्कि निर्दलीय के रूप में चुनाव लड़ेंगे।

पीएम के दौरे व भाजपा की सभा को लेकर रहेगा यातायात प्रतिबंध

टिवोली एक्स रोड से प्लाज एक्स रोड के बीच सड़क बंद रहेगी

हैदराबाद, 10 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की शहर यात्रा और शनिवार को परेड ग्राउंड में भाजपा की सार्वजनिक बैठक के संबंध में, दोपहर 2 बजे से रात 8 बजे के बीच कुछ यातायात प्रतिबंधों की घोषणा की गई है। हैदराबाद पुलिस ने नागरिकों से अनुरोध किया है कि वे सिकंदराबाद में परेड ग्राउंड की ओर जाने के लिए पुंजागुट्टा-ग्रीन लैंड्स-बेगमपेट से जाने वाली सड़क से बचें। टिवोली 'एक्स' रोड से प्लाजा 'एक्स' रोड के बीच की सड़क बंद रहेगी। सिटी पुलिस के अनुसार चिलकलगुडा 'एक्स' रोड-अलुगड्डाबाई 'एक्स' रोड- संगीत 'एक्स' रोड-वाईएमसीए 'एक्स' रोड-पटनी 'एक्स' रोड-एसबीएच 'एक्स' रोड- सीटीओ जंक्शन- ब्रुकबॉन्ड जंक्शन-टिवोली जंक्शन पर यातायात भीड़ होने की उम्मीद है। स्वीकार उपकार जंक्शन-सिकंदराबाद क्लब- तिरूमलगिरी 'एक्स' रोड-ताडबुंड 'एक्स' रोड- डायमंड प्वाइंट-बोवेनपल्ली 'एक्स' रोड-रसूलपुरा-बेगमपेट - पैराडाइज, एमजी रोड, आरपी रोड और एसडी रोड जाने से बचे। सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन से शाम की ट्रेनों और जुबली बस स्टेशन के माध्यम से आरटीसी बसों द्वारा यात्रा करने के इच्छुक सामान्य यात्रियों से अनुरोध है कि वे समय पर रेलवे स्टेशन पहुंचने के लिए जल्दी यात्रा शुरू करें और मेट्रो रेल सेवा का उपयोग करने की भी सलाह दी जाती है। यातायात डायवर्जन वाले संगीत 'एक्स' रोड- वाईएमसीए-पैटनी-पैराडाइज- सीटीओ- रसूलपुरा- बेगमपेट- बलमराई- ब्रुक बॉन्ड-टिवोली-स्वीकार उपकार-वाईएमसीए-सेंट जॉन्स रोटरी, बोवेनपल्ली- ताड़बंड- रानीगंज-टैंकबंड-कारखाना-जेबीएस-एसबीच, आरटीए तिरूमलगिरी- कारखाना-मल्काजगिरी-सफिलगुडा, जुबली हिल्स चेक पोस्ट-पंजागुट्टा- खैरताबाद-ग्रीन लैंड्स-राज भवन है। पुलिस ने यात्रियों से हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म @हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस, फेसबुक पेज (facebook.com/HYDTP) और @HYDP (ट्विटर हैंडल) पर ट्रैफिक अपडेट लेने की अपील की। यात्रा में किसी भी आपातकालीन स्थिति में, वे यात्रा सहायता के लिए ट्रैफ़िक हेल्पलाइन 9010203626 पर कॉल कर सकते हैं।

एससीआर के 1000वें इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव 'सहस्रश्व' को हरी झंडी

महाप्रबंधक ने इलेक्ट्रिक लोको शेड, लालागुड़ा का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 10 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने शुक्रवार को इलेक्ट्रिकल लोको शेड (ईएलएस), लालागुड़ा में एससीआर के 1000 वें इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव 'सहस्रश्व' को हरी झंडी दिखाई और लोको को जीवंत और हरित भारत की सेवा के लिए समर्पित किया। इस अवसर पर पी.डी. मिश्रा, प्रधान मुख्य विद्युत इंजीनियर, के. थौर्या, मुख्य विद्युत लोकोमोटिव इंजीनियर, भरतेश कुमार जैन, मंडल रेल प्रबंधक, सिकंदराबाद मंडल और अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे। दक्षिण मध्य रेलवे ने गौरव के साथ लोगों की सेवा करने की अपनी यात्रा में एक नया मील का पत्थर स्थापित किया है। 'सहस्रश्व' लोकोमोटिव मिशन जीवन और सतत विकास लक्ष्यों के प्रति क्षेत्र के समर्पण का प्रतीक है। तदनुसार, लोकोमोटिव आधुनिक अत्याधुनिक आईजीबीटी (इंसुलेटेड गेट बाइपोलर ट्रांजिस्टर) प्रणोदन प्रणाली से सुसज्जित है जो इसे पुनर्योजी ब्रेकिंग क्षमता प्रदान करता है। यह सुविधा अकेले लगभग 12.4 प्रतिशत विद्युत ऊर्जा के साथ-साथ अन्य लाभों की बचत करती है जैसे प्रति लोकोमोटिव प्रति वर्ष 0.976 किलो टन कोयले की बचत और प्रति लोकोमोटिव प्रति वर्ष 2.362 किलो टन सीओटू (ई) द्वारा कार्बन पदचिह्न को कम करता है। महाप्रबंधक ने इस सराहनीय उपलब्धि तक पहुंचने के लिए एससीआर टीम को बधाई दी। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को इसी तरह के प्रयास जारी रखने की सलाह दी ताकि भारतीय रेलवे पर सतत विकास के मानकों को और बेहतर बनाया जा सके। अरुण कुमार जैन ने इलेक्ट्रिक लोको शेड का भी विस्तृत निरीक्षण किया। उन्होंने लोको छत, प्रयोगशालाओं आदि का विस्तृत निरीक्षण किया। बाद में, महाप्रबंधक ने इलेक्ट्रिक लोको शेड में अधिकारियों और पर्यवेक्षकों के साथ एक विस्तृत समीक्षा बैठक की। महाप्रबंधक ने हरित पर्यावरण को बढ़ावा देने के लिए इलेक्ट्रिक लोको शेड में पौधारोपण भी किया।

तेलंगाना में एक सप्ताह के अंदर बढ़ सकती है सर्दी

हैदराबाद, 10 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अपना दीर्घकालिक पूर्वानुमान जारी किया है, जिसमें हैदराबाद सहित तेलंगाना के लिए एक शुष्क तस्वीर पेश की गई है, क्योंकि राज्य में दिसंबर के पहले सप्ताह तक बारिश की अनुपस्थिति की आशंका है। आईएमडी के अनुसार, तेलंगाना में सर्दी का चरम 16 नवंबर तक आने की संभावना नहीं है। पूर्वानुमान का अनुमान है कि राज्य भर में न्यूनतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस से 22 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। हालाँकि, 17 नवंबर से न्यूनतम तापमान में मामूली गिरावट की उम्मीद है, जो धीरे-धीरे ठंडे मौसम में बदलाव का संकेत है। न्यूनतम तापमान में गिरावट के बावजूद, नवंबर के बाकी दिनों में हैदराबाद सहित राज्य भर में अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस के आसपास या उससे ऊपर रहने का अनुमान है।

तेलंगाना राज्य विकास योजना सोसायटी ने अपनी विज्ञप्ति में संकेत दिया है कि नवंबर में राज्य के अधिकांश जिलों में अधिकतम और न्यूनतम दोनों मूल्यों के लिए सामान्य से अधिक तापमान होने की उम्मीद है। इस बीच, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) हैदराबाद के आंकड़ों के अनुसार, 8 नवंबर (बुधवार) को हैदराबाद में 11.1 मिमी बारिश हुई, जो 2015 के बाद से नवंबर में 24 घंटे की सबसे अधिक बारिश है।

इस अचानक बारिश से उस क्षेत्र को राहत मिली जो सूखे का सामना कर रहा था।

तेलंगाना विधानसभा चुनाव में वरिष्ठ नेताओं की अनुपस्थिति

हैदराबाद, 10 नवंबर (स्वंतत्र वार्ता)। तेलंगाना में प्रमुख राजनीतिक दलों के कई वरिष्ठ नेता विभिन्न कारणों से आगामी विधानसभा चुनाव नहीं लड़ रहे हैं। इन नेताओं में पोन्नाला लक्ष्मैया (बीआरएस), कंदुरू जना रेड्डी (कांग्रेस), डीके अरुणा (बीजेपी), पटनम महेंदर रेड्डी (बीआरएस), गीता रेड्डी (कांग्रेस), नागम जनार्दन रेड्डी (बीआरएस), किशन रेड्डी (बीजेपी) शामिल हैं। किशन रेड्डी को छोड़कर ये सभी नेता पूर्व मंत्री हैं। विधानसभा के लिए उनके पहले चुनाव के बाद यह पहली बार है कि वे मैदान में नहीं होंगे।

कंदुरू जना रेड्डी ने अपना पहला चुनाव 1978 में चलकुर्थी क्षेत्र से जनता पार्टी के टिकट पर लड़ा था। बाद में वह तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) में शामिल हो गए और 1983, 1985, 1989, 1999, 2004, 2009 और 2014 में चुनाव जीते। वह इस बार चुनाव नहीं लड़ रहे हैं क्योंकि उनके बेटे जयवीर रेड्डी को कांग्रेस पार्टी द्वारा नागार्जुनसागर से मैदान में उतारा जा रहा है। पोन्नाला लक्ष्मैया 1985 के चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में हार गईं। इसके बाद उन्होंने 1989, 1999, 2004 और 2009 में जीत हासिल की। अलग राज्य तेलंगाना के गठन के बाद वह लगातार 2014 और 2018 के चुनावों में हार गए। 2023 में, कांग्रेस पार्टी द्वारा टिकट देने से इनकार करने के बाद, वह सत्तारूढ़ पार्टी, भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) में शामिल हो गए।

नागम जनार्दन रेड्डी अपना पहला चुनाव 1983 में नगरकुर्नूल निर्वाचन क्षेत्र से हार गए। बाद में उन्होंने टीडीपी उम्मीदवार के रूप में 1985, 1994, 1999, 2004 और 2009 में जीत हासिल की। 2012 के उपचुनाव में भी वह विजयी हुए। वह 2018 में कांग्रेस के टिकट पर चुनाव हार गये थे. टिकट नहीं मिलने के बाद वह हाल ही में बीआरएस में शामिल हुए थे। चिन्ना रेड्डी 1985 में वनपर्ती से चुनाव हार गए। इसके बाद उन्होंने 1989, 1999, 2014 और 2014 में जीत हासिल की और 1994 और 2009 के चुनावों में हार गए। उन्हें इस बार कांग्रेस पार्टी द्वारा एक सीट आवंटित की गई थी, लेकिन बाद में उनकी जगह मेघा रेड्डी को दे दिया गया।

गीता रेड्डी ने 1989 में कांग्रेस के टिकट पर गजवेल से जीत हासिल की थी। वह 2004 में भी जीतीं। बाद में, उन्होंने जहीराबाद विधानसभा क्षेत्र से 2009 और 2014 के चुनावों में जीत हासिल की। 2018 के चुनाव में वह हार गईं. इस साल वह स्वास्थ्य और अन्य कारणों से चुनाव मैदान में नहीं हैं.

पटनम महेंदर रेड्डी ने 1994, 1999 और 2009 में तंदूर से टीडीपी के टिकट पर जीत हासिल की थी। बाद में, वह टीआरएस (अब बीआरएस) में शामिल हो गए और 2014 में उसी निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव जीते। वह 2018 में चुनाव हार गए। हाल ही में उन्हें एमएलसी चुना गया और मंत्री बनाया गया।

डीके अरुणा कांग्रेस के टिकट पर गडवाल से चुनाव हार गईं। उन्होंने 2004 में समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार के रूप में चुनाव जीता। बाद में वह कांग्रेस में शामिल हो गईं और 2009 और 2014 का चुनाव जीता। 2018 में वह हार गईं और 2019 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गईं। इस बार उन्होंने चुनाव लड़ने में दिलचस्पी नहीं दिखाई है। किशन रेड्डी ने 2004 के विधानसभा चुनाव में हिमायतनगर से जीत हासिल की थी। राज्य में निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन के बाद, उन्होंने अंबरपेट से चुनाव लड़ा और 2009 और 2014 में लगातार चुनाव जीते। 2018 के विधानसभा चुनाव में हारने के बाद, उन्होंने सिकंदराबाद लोकसभा क्षेत्र से सांसद के रूप में जीत हासिल की और अब केंद्रीय मंत्री पद संभाल रहे हैं। उन्होंने इस बार चुनाव लड़ने में दिलचस्पी नहीं दिखाई है।

सीएम केसीआर 16 नवंबर को नरसापुर का दौरा करेंगे

हैदराबाद, 10 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस अध्यक्ष और मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव 16 नवंबर को मेदक जिले के नरसापुर में प्रजा आशीर्वाद सभा को संबोधित करेंगे। मंत्री टी हरीश राव ने स्थानीय विधायक मदन रेड्डी और नरसापुर विधानसभा क्षेत्र के लिए बीआरएस विधायक उम्मीदवार सुनीता लक्ष्मा रेड्डी के साथ शुक्रवार को यहां मुख्यमंत्री के कार्यक्रम की व्यवस्था का निरीक्षण किया।

सिकंदराबाद-बनारस, हैदराबाद-पटना के बीच दीपावली स्पेशल ट्रेनें

सिकंदराबाद-रक्सौल के लिए भी चलेगी जनसाधारण ट्रेन, होगा किराया कम

हैदराबाद, 10 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे (दमरे) ने दीपावली के अवसर पर सिकंदराबाद-बनारस, हैदराबाद-पटना के लिए विशेष ट्रेन चलाने की घोषणा की है। इसी तरह दमरे सिकंदराबाद-रक्सौल के लिए भी जनसाधारण ट्रेन चलाने जा रहा है। दिवाली त्यौहार के मौसम के दौरान अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए, एससीआर सिकंदराबाद-बनारस-सिकंदराबाद के बीच विशेष ट्रेन नंबर 07005/07006 सिकंदराबाद-बनारस-सिकंदराबाद स्पेशल ट्रेन चार फेरा चलाने की घोषणा की है। ट्रेन नंबर 07005 रात को 9.40 सिकंदराबाद स्टेशन से 15 व 22 नवंबर (बुधवार) को रवाना होकर शुक्रवार को सुबह 6.30 बजे बनारस पहुंचेगी। इसी तरह ट्रेन नंबर 07006 बनारस से 17 और 24 नवंबर (शुक्रवार) को सुबह 8.35 बजे रवाना होकर शनिवार को शाम 6.15 बजे सिकंदराबाद पहुंचेगी। ये विशेष ट्रेनें दोनों दिशाओं में जनगांव, काजीपेट, पेद्दापल्ली, रामागुंडम, बेल्लमपल्ली, सिरपुर कागजनगर, बल्हारशाह, नागपुर, इटारसी, पिपरिया, जबलपुर, कटनी, सतना, मानिकपुर और प्रयागराज छिवकी स्टेशनों पर रुकेंगी। इन विशेष ट्रेनों में स्लीपर और सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच शामिल होंगे। इसी तरह ट्रेन नंबर 07003 से 13, 18, 20 नवंबर को हैदराबाद स्टेशन से दोपहर 12 बजे रवाना होकर अगले दिन शाम 5.15 बजे पटना पहुंचेगी। वापसी के क्रम में ट्रेन नंबर 07004 पटना स्टेशन से 15, 20, 22 नवंबर को भोर में 3.35 बजे रवाना होकर दिन सुबह 10 बजे पहुंचेगी। ये विशेष ट्रेनें सिकंदराबाद, काजीपेट, पेद्दापल्ली, मनचेरल, सिरपुर कागजनगर, बल्हारशाह, गोंदिया, बालाघाट, नैनपुर, जबलपुर, कटनी, मैहर, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, मिर्ज़ापुर, पंडित दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा और दानापुर स्टेशन पर रूकेंगी। इन विशेष ट्रेनों में 2एसी, 3एसी, स्लीपर और सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच शामिल होंगे। दीपावली और छठ पूजा त्योहार के मौसम के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए, दक्षिण मध्य रेलवे ने हर आर्थिक वर्ग के रेल ग्राहकों को सेवा प्रदान करने के लिए सिकंदराबाद-रक्सौल - सिकंदराबाद के बीच चार जनसाधारण विशेष ट्रेनें चलाने की पहल की है। ये जनसाधारण विशेष ट्रेनें 22 अनारक्षित द्वितीय श्रेणी डिब्बों से सुसज्जित हैं और लगभग 2,400 लोगों के लिए बैठने की जगह प्रदान करती हैं। इसका किराया भी किफायती है और यात्रा के अन्य साधनों की तुलना में काफी कम है। दमरे की माने तो जनसाधारण ट्रेनें यात्रा करने वाले लोगों के एक महत्वपूर्ण प्रतिशत के लिए बहुत मददगार हैं जो कम समय में अपनी यात्रा की योजना बनाते हैं और परिवहन के किफायती विकल्पों पर यात्रा करना पसंद करते हैं। जनसाधारण एक्सप्रेस द्वारा यात्रा का किराया, तुलनीय सड़क यात्रा विकल्पों की तुलना में 50 फीसदी से अधिक कम होने के कारण, यह उम्मीद की जाती है कि ट्रेनें आम लोगों की अपेक्षाओं को पूरा करेंगी। ये विशेष ट्रेनें सिकंदराबाद से कामारेड्डी, निज़ामाबाद, बसर, मुदखेड, नांदेड़, पूर्णा आदि की ओर कम दूरी के यात्रियों के लिए बहुत उपयोगी हैं। ट्रेन नंबर 07007 सिकंदराबाद से रक्सौल के लिए 12 और 19 नवंबर को रविवार को सुबह 10.30 बजे रवाना होकर मंगलवार को सुबह 6 बजे रक्सौल पहुंचेगी। इसी क्रम में ट्रेन नंबर 07008 रक्सौल से 14 और 21 नवंबर मंगलवार को शाम 7.15 बजे रवाना होकर दोपहर 2.40 बजे सिकंदराबाद पहुंचेगी। इन जनसाधारण विशेष ट्रेनों को बोलारम, मेडचल, अकानापेट, कामारेड्डी, निज़ामाबाद, बसर, मुदखेड़, नांदेड़, पूर्णा, बसमत, हिंगोली डेक्कन, वाशिम, अकोला, खंडवा, इटरसी, पिपरिया, जबलपुर, कटनी, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पं. डीडी उपध्याय, आरा, पाटलिपुरा, हाजीपुर, मुजफ्फरपुर और सीतामढी जंक्शन स्टेशनों पर स्टॉपेज प्रदान किया गया। जनसाधारण स्पेशल ट्रेनों से यात्रा करने के इच्छुक यात्री अनारक्षित टिकटिंग सिस्टम मोबाइल ऐप (यूटीएस ऑन मोबाइल) के माध्यम से टिकट खरीदने का विकल्प चुनकर अनारक्षित सामान्य बुकिंग काउंटरों पर भीड़ से बच सकते है।

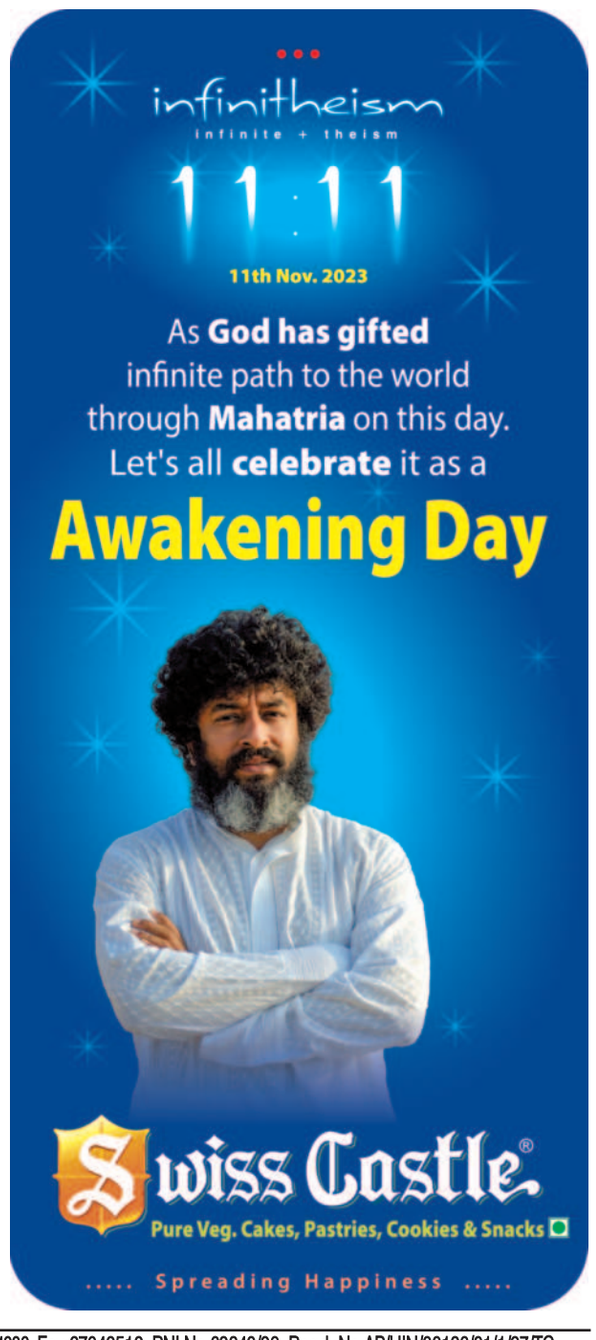

कमिश्नर ने जीएचएमसी मुख्यालय में विशेष पूजा की

हैदराबाद, 10 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। धन तेरस (धन त्रयोदशी) के अवसर पर, जीएचएमसी आयुक्त रोनाल्ड रोज़ ने जीएचएमसी प्रधान कार्यालय कोषागार में आयोजित पूजा कार्यक्रम में भाग लिया और विशेष पूजा की। इस अवसर पर बोलते हुए, आयुक्त ने कहा कि दीवाली के जश्न में धन तेरस त्योहार के हिस्से के रूप में, भक्त देवी लक्ष्मी, कुबेर और स्वास्थ्य के देवता धन्वंतरि की विशेष पूजा करेंगे। उन्होंने कहा कि मां लक्ष्मी की पूजा करने से भक्तों को धन और दीर्घायु की प्राप्ति होती है। शहरवासियों से अनुरोध है कि रोशनी लाने वाली दिवाली को श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाएं। पूजा कार्यक्रम में चारमीनार के लिए सामान्य पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए समीर शर्मा, चंद्रायण गुट्टा, अतिरिक्त आयुक्त स्नेहा सबरीश, सरोजा, जयराज कैनेडी, शंकरैया, मुख्य चिकित्सा अधिकारी पद्मजा आदि ने भाग लिया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.